हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

Email :-futurelinetimes@gmail.com

फ्यूचर लाइन टाईम्स

Youtube channel : @fltnews2398

वर्ष : 03 अंक 337 | सोमवार 31 मार्च 2025, नोएडा गौतमबुद्ध नगर | आर एन आई. नं0. -UPHIN/2022/87673 | पेजः 8 | मूल्य : 2 रुपया

नक्सली हथियार छोड़ मुख्यधारा में हो जाएं शामिल, नहीं तो मरने के लिए रहें तैयार : सेना अधिकारी

-सुरक्षाबल अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार, बड़े ऑपरेशन की तैयारी

रायपुर।

छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन से सुरक्षाबलों ने साफ कर दिया है कि वह अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। सरकार और एजेंसियों की तरफ से स्पष्ट संदेश है कि अगर नक्सली समर्पण नहीं करते हैं तो उन्हें मौत की नींद सुला दिया जाएगा। नक्सल नेताओं को आखिरी मौका दिया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पहाड़ हों या जंगल अब नक्सली कहीं भी सुरक्षित नहीं रह सकते और ना ही छिप सकते हैं। जवानों ने सुकमा के जिन इलाकों में ऑपरेशन चलाया वो पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा हुआ है। चार साल में इस इलाके में पहली बार सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को घेर कर ढेर किया है। टीम को यहां बड़े नक्सली नेता जगदीश के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स ने ऑपरेशन शुरु किया था।

जवानों को इनपुट मिला था कि करीब 25 नक्सली इलाके में छिपे हैं। इसके बाद गोगुंडा पहाड़ी को जवानों ने घेर लिया और मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने कहा नक्सल खात्मे की समय सीमा अपने आप में सख्त संदेश है। नक्सली चाहें तो वे मुख्यधारा में शामिल होकर सरकार की नीतियों का फायदा उठा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई और मौका नहीं दिया जाएगा। ऑपरेशन अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने नक्सलियों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू किया। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य के जंगलों में नक्सलियसों के खिलाफ शुरू हुए ऑपरेशन हैंडशेक में सुरक्षा बलों के साथ कमांडो शामिल किए गए थे।

मीडिया रिपोर्ट में गृहमंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। 2023 में कुल 50 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल ऑपरेशन तेज हुआ और 290 नक्सली मारे गए। अब ड्रोन कैमरे से देखकर नक्सलियों का ठिकाना पता चल रहा है। अब आधुनिक हथियार कई किलोमीटर तक वार कर सकते हैं। ऑपरेशन के साथ नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर, हथियार और गोला बारूद के गोदाम, प्रेस और बंकरों को तबाह करने की योजना पर काम किया जा रहा है। सुरक्षा बल ड्रोन, बम निरोधक दस्ते और आधुनिक हथियारों के साथ नक्सलियों के गढ़ पर धावा बोल रहे हैं।

मणिपुर समेत तीन राज्यों में एफ्सपा की अवधि बढ़ी, गृह मंत्रालय का बड़ा फैसला

नई दिल्ली।

केंद्र सरकार ने मणिपुर, नागालैंड और अरुणाचल प्रदेश के कुछ हिस्सों में सशस्त्र बल विशेष शक्तियां अधिनियम (एफ्सपा) को छह महीने के लिए बढ़ा दिया है। गृह मंत्रालय ने अधिसूचना जारी कर यह जानकारी दी। गृह मंत्रालय के अनुसार, मणिपुर में जारी हिंसा के मद्देनजर कानून-व्यवस्था की समीक्षा के बाद यह फैसला लिया गया है। नए आदेश के तहत मणिपुर के 13 पुलिस स्टेशनों के अधिकार क्षेत्र को छोड़कर बाकी पूरे राज्य में 1 अप्रैल 2025 से आगामी छह महीनों तक एफ्सपा प्रभावी रहेगा।

नगालैंड में भी रहेगा प्रभावी

नगालैंड में दीमापुर, निउलैंड, चुमौकेदिमा, मोन, किफिरे, नोकलाक, फेक और पेरेन जिलों को अशांत क्षेत्र घोषित कर यहां एफ्सपा लागू किया गया है। इसके अलावा कोहिमा, मोकोकचुंग, लोंगलेंग, वोखा और जुन्हेबोटो जिलों के कुछ पुलिस थाना क्षेत्रों में भी यह कानून 1 अप्रैल 2025 से छह महीने तक प्रभावी रहेगा।

अरुणाचल प्रदेश में भी बढ़ा एफ्सपा

अरुणाचल प्रदेश में तिरप, चांगलांग और लोंगडिंग जिलों के साथ तीन पुलिस थानों के क्षेत्रों में

भी एफ्सपा की अवधि बढ़ा दी गई है। यहां बताते चलें कि एफ्सपा को सुरक्षा बलों को विशेष अधिकार दिए जाने से संबंधित कानून माना जाता है, जो हिंसा प्रभावित और संवेदनशील क्षेत्रों में कानून-व्यवस्था बनाए रखने के लिए लागू किया जाता है। मणिपुर समेत अन्य दो राज्यों में बढ़ती हिंसा की घटनाओं को देखते हुए सरकार ने यह फैसला लिया है।

किसानों की सम्मान निधि में करोड़ों का घोटाला

- किसानों के फर्जी नाम, दूसरे राज्यों के फर्जी खातों में राशि ट्रांसफर

सीकर। राजस्थान में प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि में करोड़ों रुपए का घोटाला सामने आया है। केंद्र सरकार द्वारा किसानों के नाम पर भेजी गई राशि पश्चिम बंगाल और बिहार के बैंक खातों में ट्रांसफर हो गई।पाली जिले के 12555 किसानों को सम्मान निधि की राशि भेजी गई थी। यह राशि उनके खातों तक पहुंची ही नहीं,क्योंकि ना तो किसान थे, नाही उनके बैंक खाते थे। हाल ही में भौतिक सत्यापन के दौरान यह गड़बड़ी सामने आई है। पाली जिले के रानी, मारवाड़, जंक्शन तथा देसूरी तहसील से जुड़े हैं। जयपुर जिले में भी इसी तरीके की गड़बड़ी के हजारों मामले सामने आए हैं। किसान सम्मान निधि में हर जिले में किसानों के फर्जी नाम हैं। जिनकी राशि फर्जी बैंक खातों में भेजी जा रही है। भौतिक सत्यापन में जो जानकारी मिली है।उसके अनुसार जिन खातों में राशि ट्रांसफर हुई है।वह पश्चिम बंगाल और बिहार के हैं।

रामनवमी पर अयोध्या में समारोह को लेकर चल रही तैयारियां, सीएम रख रहे नजर

अयोध्या। रामनवमी के अवसर पर आने वाले श्रद्धालुओं को कोई परेशानी नहीं हो इसके लिए व्यापक तैयारियां की जा हैं। अधिकारियों ने जानकारी देते हुए बताया कि यूपी सरकार ने बयान जारी कर कहा है कि श्रद्धालुओं को राहत देने के लिए श्रृंगारघाट से रामपथ के गेट नंबर 3 तक दरियां बिछाई जाएंगी और नियमित रूप से पानी का छिड़काव किया जाएगा। धर्मपथ के किनारे छायादार अस्थायी शिविर स्थापित किए जाएंगे और 243 स्थानों पर पेयजल की सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अयोध्या नगर निगम ने समारोह को भव्य और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयास तेज कर दिए हैं और शहर में स्वच्छता के लिए मशीनों से लैस एक टीम तैनात की है। बयान में कहा गया है कि अस्थायी शौचालय बनाए गए हैं, और एक प्रवर्तन दल मेला स्थल को अतिक्रमण मुक्त रखने के लिए काम कर रहा है। उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ व्यक्तिगत रूप से तैयारियों की निगरानी कर रहे हैं और उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया है कि श्रद्धालुओं को कोई असुविधा न हो। नगर निगम आयुक्त ने बताया कि मेले के लिए निगम पूरी तरह तैयार है और स्वच्छता एवं सुचारू व्यवस्था बनाए रखने के लिए प्रतिबद्ध है। धर्मपथ, रामपथ, भक्ति पथ, आरती घाट, चौधरी चरण सिंह घाट और दर्शन पथ सहित प्रमुख मार्गों पर तीन चरणीय सफाई योजना लागू की गई है।

कठुआ में अभी भी मौजूद हैं पांच आतंकी, 10 संदिग्ध हिरासत में

कठुआ। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों से तीन दिन से चल रही मुठभेड़ चुनौतीपूर्ण बन गई है। अब तक माना जा रहा था कि तीन आतंकी हैं, लेकिन शनिवार को जब सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और बढ़ाई तो पता चला कि अभी भी 5 आतंकी हैं, जो राजबाग इलाके के सफियान जाखोले गांव में छिप हैं। पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है। वे जाखोले की ऊंची पहाड़ियों पर हैं, जहां घने जंगल और गुफाएं हैं। पांचों आतंकी विदेशी बताए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध मददगारों को हिरासत में लिया है। इन्होंने बताया है कि पांचों आतंकी वही हैं, जिन्हें 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास सानियाल गांव में पुलिस ने रोका था। मुठभेड़ में अब तक 2 आतंकी मारे जा चुके हैं। 28 मार्च को ऑपरेशन ग्रुप के जवान तारिक अहमद, जसवंत सिंह, जगबीर सिंह और बलविंदर सिंह इस मुठभेड़ में शहीद हो गए थे।

जयशंकर के अल्पसंख्यकों के अत्याचार वाले बयान से तिलमिला उठा पाकिस्तान

बोला- भारत को अल्पसंख्यकों के अधिकारों की हिमायत करने का कोई हक नहीं

नई दिल्ली।

पाकिस्तान के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने भारत पर आरोप लगाया है कि भारत को अल्पसंख्यकों के अधिकारों की हिमायत करने का कोई हक नहीं है। बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लोकसभा में पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दयनीय स्थिति पर चर्चा की थी, जिस पर पाकिस्तान की ओर से यह जवाब आया है। पाकिस्तानी प्रवक्ता ने कहा कि उनके देश में राज्य संस्थाएं अल्पसंख्यकों की सुरक्षा के लिए काम कर रही हैं। प्रवक्ता ने कहा कि उलटा भारत में अल्पसंख्यकों के खिलाफ घृणा, भेदभाव और हिंसा को भड़काने की घटनाएं हो रही हैं। बता दें विदेश मंत्री एस जयशंकर ने पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की चिंताजनक स्थिति को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाए जाने का उल्लेख करते हुए कहा था कि हम ऐसे पड़ोसी देश की मानसिकता नहीं बदल सकते जिसकी सोच कट्टरता वाली है और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी भी उनकी सोच नहीं बदल सकी थीं।

जयशंकर ने लोकसभा में प्रश्नकाल में कहा था कि पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों पर हमलों और उनके उत्पीड़न के अनेक मामले सामने आने के बावजूद वहां की सरकार अपने यहां अल्पसंख्यकों के संरक्षण के लिए कोई कार्रवाई नहीं करती है। उन्होंने कहा कि सरकार पाकिस्तान और बांग्लादेश में अल्पसंख्यकों के साथ होने वाले व्यवहार पर करीब से नजर रखती है और उनके उत्पीड़न के मामलों को संयुक्त राष्ट्र समेत अनेक अंतरराष्ट्रीय मंचों पर समय-समय पर उठाती रहती है।

उन्होंने अपहरण, जबरन धर्मांतरण और होली खेल रहे छात्रों पर पुलिस कार्रवाई के मामले गिनाए। उन्होंने कहा कि एक मामला अहमदिया समुदाय से जुड़े लोगों के उत्पीड़न का भी सामने आया है। पाकिस्तान में अल्पसंख्यकों की दुर्दशा किसी से छिपे नहीं हैं। कई रिपोर्ट्स बताती हैं कि पाकिस्तान में हिंदुओं और सिखों की आबादी लगातार घट रही है।

बेंगलुरु-कामाख्या एक्सप्रेस के 11 डिब्बे हुए बेपटरी, एक की मौत, 25 घायल, राहत कार्य जारी

कटक।

बेंगलुरु से कामाख्या जाने वाली बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस रविवार को कटक जिले में पटरी से उतर गई। इस हादसे में ट्रेन के 11 एसी कोच बेपटरी हो गए। इस हादसे में एक यात्री की मौत हो गई, जबकि 25 अन्य लोग घायल हो गए हैं। ओडिशा के कटक में रविवार को बेंगलुरु-कामाख्या सुपरफास्ट एक्सप्रेस (12551) के 11 एसी कोच बेपटरी हो गए। हादसे में एक यात्री की मौत और 25 के घायल होने की खबर है। जानकारी अनुसार यह हादसा सुबह 11:54 बजे निर्गुंडी के पास मंगलुरी में हुआ। जबकि उक्त ट्रेन एसएमवीटी बेंगलुरु से असम के कामाख्या जा रही थी। फिलहाल एनडीआरएफ और रेलवे अधिकारी मौके पर पहुंचकर

राहत-बचाव कार्य में जुटे हैं।

राहत-बचाव कार्य जारी

ईस्ट कोस्ट रेलवे ने बचाव अभियान तेज कर दिया है। एनडीआरएफ और दमकल सेवाएं मौके पर मौजूद हैं। फंसे यात्रियों को उनके गंतव्य तक पहुंचाने की व्यवस्था की जा रही है। रेलवे ने यात्रियों के लिए हेल्पलाइन नंबर जारी किया है, जिनमें 8455885999 और 8991124238 हैं। बताया गया है कि रेलवे की ओर से राहत ट्रेन भेजी गई है, और जल्द ही स्थिति सामान्य करने के प्रयास जारी हैं।

2025 में मोदी और नीतीश के नेतृत्व में ही बिहार में बनेगी एनडीए सरकारः शाह

पटना।

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए के सीएम चेहरे को लेकर जारी चर्चा के बीच केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इशारों-इशारों में संकेत दे दिया है, कि नीतीश कुमार ही सीएम का चेहरा होंगे। एक कार्यक्रम में शाह ने कहा कि 2025 में मोदी जी और नीतीश जी के नेतृत्व में ही बिहार में एक बार फिर से एनडीए की सरकार बनाइए और भारत सरकार को बिहार के विकास का मौका दीजिए बिहार को बदलने में नीतीश कुमार की अहम भूमिका रही है।

शाह ने कहा कि जेडीयू और बीजेपी मिलकर बिहार को विकास के रास्ते पर तेजी से ले जाएंगे। 2025 में प्रचंड बहुमत के साथ एनडीए की सरकार बनेगी। शाह के बयान से एनडीए के सीएम उम्मीदवार का मसला साफ होता नजर आ रहा है। बीजेपी और जदयू के नेता पहले से ही नीतीश के नेतृत्व में 2025 का चुनाव लड़ने की बात कहते आ रहे हैं। शाह ने नीतीश-मोदी के नेतृत्व में बिहार में अगली सरकार बनाने की बात कहकर इस पर मुहर लगा दी है। वहीं शाह के इस बयान पर सियासत तेज हो गई है। राजद प्रवक्ता शक्ति सिंह यादव ने कहा कि बीजेपी भाषण में जुमलों का इस्तेमाल करती है। नीतीश कुमार अगली बार सीएम बनेंगे। कार्यक्रम में आरजेडी पर हमला बोलते हुए शाह ने कहा कि जब बिहार में लालू और राबड़ी की सरकार थी, तो जंगलराज था। इन लोगों ने बिहार को तबाह कर दिया, लेकिन जैसे ही एनडीए की सरकार बनी तो बीजेपी और जदयू ने मिलकर बिहार की सूरत ही बदल दी। 1990 से लेकर 2005 तक लालू-राबड़ी राज में हत्या, लूट, जातीय नरसंहार और भ्रष्टाचार मचा रहा। लालू यादव ने चारा घोटाला करके बिहार को देश-दुनिया में बदनाम किया। नीतीश कुमार के 20 सालों में बिहार में बहुत बदलाव किए हैं कई योजनाओं से साथ काम भी किए हैं।

सीएम ने 7,800 अभ्यर्थियों को सौंपे नियुक्ति पत्र, ओम बिरला भी रहे मौजूद

जयपुर।

राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा ने लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला के साथ शनिवार को रोजगार उत्सव एवं युवा सम्मेलन का उद्घाटन किया और नौकरी के इच्छुक 7,800 अभ्यर्थियों को नियुक्ति पत्र बांटे। प्रदेश के कई जिलों से प्रतिभागियों ने व्यक्तिगत और ऑनलाइन इस कार्यक्रम में भाग लिया। भजनलाल ने मुख्यमंत्री शिक्षित राजस्थान अभियान की भी शुरुआत की और एआई अधिनियम, छात्र उपस्थिति ऐप, ऑन डिमांड परीक्षा, कौशल नीति, युवा नीति, रोजगार के लिए 10 हजार रुपए की सहायता योजना के निर्देश और अटल ज्ञान केंद्र पर एक पुस्तिका का विमोचन भी किया।

जयपुर में 2008 में हुए विस्फोट के पीड़ित की बेटी अनाक्षी जायसवाल को जयपुर के जिलाधिकारी के कार्यालय में कनिष्ठ सहायक के पद पर नियुक्त किया और उन्हें नियुक्ति पत्र भी सौंपा। सीएम ने इस मौके पर कहा कि राज्य सरकार एक साला में एक लाख नौकरियां उपलब्ध कराने के अपने घोषणा पत्र के साथ आगे बढ़ रही है, जिसमें से 67 हजार नौकरियां पहले ही दी जा चुकी हैं। उन्होंने कांग्रेस द्वारा राज्य में रोजगार के संबंध में की गई आलोचना को लेकर पलटवार किया। उन्होंने कांग्रेस से आग्रह किया कि वे एक कलम और एक नोटबुक रखें और उपलब्ध कराई जा रही नौकरियों की संख्या नोट करें। वहीं लोकसभा स्पीकर ओम बिरला ने इस मौके पर कहा कि राजस्थान दिवस इतिहास और परंपराओं के स्मरणोत्सव से कहीं आगे बढ़कर विकसित राजस्थान के प्रति प्रतिबद्धता को सुदृढ़ करने का अवसर प्रदान करता है।

जस्टिस वर्मा से जुड़े मामले की रिपोर्ट सार्वजनिक करना खतरनाकः सिब्बल

-इस तरह की कार्रवाइयों से संस्थान की प्रतिष्ठा को हो सकता है नुकसान

नई दिल्ली।

राज्यसभा सदस्य और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष कपिल सिब्बल ने सुप्रीम कोर्ट द्वारा जस्टिस यशवंत वर्मा के घर से बरामद जले हुए कैश के मामले में आंतरिक जांच रिपोर्ट को सार्वजनिक करने को लेकर कड़ी प्रतिक्रिया दी है। सिब्बल ने इसे खतरनाक करार दिया और कहा कि इस तरह की कार्रवाइयों से संस्थान की प्रतिष्ठा को नुकसान हो सकता है।

बता दें कि सुप्रीम कोर्ट ने 22 मार्च को पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश शील नागू, हिमाचल प्रदेश हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश जी एस संधवाला और कर्नाटक हाईकोर्ट की न्यायाधीश अनु शिवरामन की तीन सदस्यीय समिति का गठन किया था, जो जस्टिस यशवंत वर्मा के मामले की जांच करेगी। इसके अलावा, दिल्ली हाईकोर्ट की आंतरिक जांच रिपोर्ट को भी सार्वजनिक किया जिसमें वीडियो और तस्वीरें भी शामिल हैं, जिन्हें दिल्ली पुलिस आयुक्त ने दिल्ली के मुख्य न्यायाधीश के साथ शेयर की थी।

सिब्बल ने कहा कि यह उनके विवेक पर निर्भर करता है। यह सही था या गलत, यह समय ही बताएगा। दस्तावेज का स्रोत खुद कोर्ट है और फिर लोग इसे सही मानने लगते हैं।

उन्होंने कहा कि यह एक खतरनाक उदाहरण है। संस्थागत प्रतिक्रिया एक ऐसा तंत्र होना चाहिए जो संस्थान को यह लिखित रूप में बताना चाहिए कि क्या किया जाना चाहिए। सिब्बल ने कहा कि ईमानदारी से कहूं तो यह बात बार के साथ परामर्श करके तय की जानी चाहिए। हम जितना न्यायाधीशों के बारे में जानते हैं वे भी उतना ही जानते हैं। ऐसी बातों पर चर्चा करने के लिए एक व्यापक समिति होनी चाहिए और फिर उन मुद्दों को हल करने के लिए एक तंत्र होना चाहिए।

अगर आप ये चीजें सार्वजनिक डोमेन में डाल देंगे तो संस्थान पहले ही हार चुका है। जस्टिस वर्मा के मामले पर सिब्बल ने कहा कि जब तक जांच पूरी नहीं हो जाती मुझे नहीं लगता कि भारत का कोई जिम्मेदार नागरिक इस पर टिप्पणी करना चाहेगा।

जस्टिस वर्मा को दोषी मानकर बार को भी हड़ताल नहीं करना चाहिए। मुझे उम्मीद है कि इस देश में यह सिद्धांत बना रहेगा कि जब तक किसी को दोषी नहीं ठहराया जाता तब तक उसे निर्दोष माना जाएगा। इस मामले में तो जांच भी पूरी नहीं हुई है। सिब्बल ने कहा कि इस तरह के मामलों पर संस्थागत प्रतिक्रिया जरुरी है और इसे लागू करने के लिए तंत्र की जरुरत है।

प्रधानमंत्री मोदी से छत्तीसगढ़ को मिली 33 हजार 700 करोड़ रुपए की विकास परियोजनाओं की सौगात

रायपुर।

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आमसभा को संबोधित करते हुए कहा कि हिंदू नववर्ष के शुभारंभ के अवसर पर आज छत्तीसगढ़ की पावन धरती पर विकास की नई रोशनी फैली है, जब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राज्य को 33,700 करोड़ रुपए से अधिक की बहुआयामी परियोजनाओं की सौगात दी है। उन्होंने जनसभा में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का छत्तीसगढ़ की 3 करोड़ जनता की ओर से हार्दिक स्वागत और अभिनंदन किया। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी जी द्वारा लोकार्पित एवं शिलान्यास की गई परियोजनाएं रेल, सड़क, ऊर्जा, ईंधन, आवास और शिक्षा से जुड़ी हैं, जो न केवल लोगों के जीवन में खुशहाली और सुविधा का नया सूर्योदय लाएंगी, बल्कि विकसित छत्तीसगढ़ की नींव भी मजबूत करेंगी। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की गारंटी पर लोगों ने भरोसा किया जिससे विधानसभा और लोकसभा चुनावों में डबल इंजन की सरकार बनी और अब स्थानीय निकाय चुनावों में तीसरा इंजन भी जुड़ गया है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भावी पीढ़ी के भविष्य को ध्यान में रखकर 2047 तक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने की दिशा में कार्य कर रहे हैं। छत्तीसगढ़ इसमें ऊर्जा, खनिज और कृषि के क्षेत्र में राष्ट्रीय आवश्यकताओं की पूर्ति में सहायक बनेगा। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में प्रधानमंत्री आवास योजना, उज्ज्वला, आयुष्मान भारत, किसान सम्मान निधि जैसे कार्यक्रमों के जरिए अंतिम छोर तक लाभ पहुंचा है। साथ ही रेल, सड़क, एयर कनेक्टिविटी और डिजिटल नेटवर्क का तेजी से विस्तार हुआ है।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री जन-मन, धरती आबा ग्राम उत्कर्ष अभियान, स्वच्छ भारत मिशन, जल जीवन मिशन जैसी योजनाओं ने जनजातीय बहुल छत्तीसगढ़ को एक नई दिशा और दशा दी है। भारत अब दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर है। मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में अयोध्या में श्रीरामलला का भव्य मंदिर बना और प्रयागराज महाकुंभ में भारत की संस्कृति की भव्यता को दुनिया ने देखा।

संक्षिप्त समाचार

जिस पेट्रोल पंप व्यवसायी ने गरीब समझ कर दी नौकरी, उसका ही कर दिया कत्ल...कोर्ट ने सुनाई उम्रकैद की सजा

आगरा , एजेंसी। आगरा में जिसने नौकरी देकर परिवार पालने का सहारा दिया, महिला ने षड्यंत्र कर उसी पेट्रोल पंप व्यवसायी की हत्या करा दी। अदालत में प्रत्यक्षदर्शी गवाह की गवाही अहम साबित हुई। विशेष न्यायाधीश दस्यु प्रभावी क्षेत्र नीरज कुमार बक्शी ने अपहरण, लूट, हत्या और साक्ष्य नष्ट करने के आरोप में थाना शाहगंज क्षेत्र के प्रकाश नगर निवासी रजनी उर्फ मीनू, उसके पति दिलीप और जगनेर के गांव खोटपुरा निवासी राम अवतार उर्फ रोहित को आजीवन कारावास और 20-20 हजार रुपये जुर्माने की सजा सुनाई।

थाना एत्मादपुर में कमलानगर निवासी ब्रजेश सिंह सिकरवार ने तहरीर दी थी। आरोप लगाया कि उनका नगला परमसुख थाना एत्मादपुर में पेट्रोल पंप है। 19 जनवरी 2016 की शाम 6 बजे उनके पिता अनेक सिंह सिकरवार पंप से दिन भर की बिक्री के 9.10 लाख रुपये लेकर कार से घर के लिए निकले थे। देर रात तक घर नहीं पहुंचे। फोन भी स्विच ऑफ हो गया।

उन्होंने पुलिस से शिकायत की। पुलिस ने बताया कि अज्ञात आरोपियों ने कार के साथ उनका अपहरण कर खंदौली मई रोड पर नकदी और मोबाइल लूटने के बाद हत्या कर दी। पुलिस ने केस दर्ज कर वारदात के दो दिन बाद आरोपी दिलीप, उसकी पत्नी रजनी उर्फ मीनू और राम अवतार उर्फ रोहित को हिरासत में लिया। कब्जे से लूट के 8.51 लाख रुपये 2 मोबाइल बरामद कर जेल भेजा गया। 8 मार्च को आरोपपत्र प्रस्तुत किया गया।

आरोपियों ने षड्यंत्र के तहत वारदात को अंजाम दिया था। इससे आरोप साबित करना चुनौती थी। प्रत्यक्षदर्शी भोला अपनी गवाही पर अटल रहा। पंप से अंतिम बार व्यवसायी को पेट्रोल पंप पर काम करने वाली रजनी उर्फ मीनू के साथ कार में जाते देखा था। वह पहले पंप पर ही काम करती थी। उस दिन भी फिर से नौकरी मांगने आई थी। लिफ्ट लेने के बहाने कार में सवार हुई थी।

गोरखपुर न्यायालय का फैसला: शव में पत्थर बांध राप्ती नदी में छिपा दिया था...पति संग 3 को उम्रकैद

गोरखपुर , एजेंसी। हत्या कर शव छिपाने का जुर्म सिद्ध पाए जाने पर अपर सत्र न्यायाधीश विजय बहादुर यादव ने बड़हलगंज थाना क्षेत्र के कल्याणपुर मिश्रौलिया निवासी जेठानी उर्मिला देवी, पति दिलीप गुप्ता व ससुर राजबली उर्फ भग्गन को आजीवन कारावास की सजा सुनाई।

आरोप है कि आरोपियों ने हत्या के बाद शव सेमरा गांव के पास राप्तीनगर में पत्थर से बांधकर छिपा दिया था। गगहा के मजूरी खास निवासी वादी मदन गुप्ता ने अपनी बहन सती उर्फ जग्गा की शादी 15 साल पहले दिलीप गुप्ता से की थी। एक दिसंबर 2014 की शाम को आरोपी दिलीप ने सती उर्फ जग्गा को बेल्ट से बुरी तरह मारा पीटा।

अगले दिन दो दिसम्बर 2014 को आरोपी ने उसको पेय पदार्थ में कुछ मिलाकर पिलाया, जिससे वह बेहोश हो गई। इसके बाद आरोपियों ने उसे मिलकर खटिया पर लाद कर सेमरा गांव के पास राप्तीनगर में पत्थर से बांधकर डुबा दिया।

आग लगने से 18 बिस्वा फसल राख

रायबरेली , एजेंसी। गर्मी बढ़ने के साथ आग लगने की घटनाएं बढ़ती जा रही हैं। शुक्रवार को रोहनिया और परशदेपुर क्षेत्र में आग लगने से 18 बिस्वा गेहूं की फसल जलकर राख हो गई। रोहनिया ब्लॉक क्षेत्र के घनेही गांव के बाहर शार्ट सर्किट से गेहूं की फसल में आग लग गई। इससे सुखदेव के खेत में बोई 10 बिस्वा गेहूं की फसल जल गई। ग्रामीणों ने बताया कि खेत के ऊपर से बिजली के तार गुजर रहे हैं। जर्जर और ढीले तारों में शार्ट सर्किट से निकली चिंगारी से आग लग गई। कई बार तार कसवाने की मांग अवर अभियंता से की गई, लेकिन किसी ने ध्यान नहीं दिया। अवर अभियंता अवनीश कुमार ने बताया कि मामले की जानकारी नहीं है। लेखपाल रविंद्र मौर्य ने क्षति का आकलन किया है।

उधर, परशदेपुर चौकी क्षेत्र के बछवलखुर्द गांव निवासी सुंदरलाल का संजयनगर गांव के पास खेत है। दोपहर को अज्ञात कारण से गेहूं के खेत में आग लग गई। ग्रामीणों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। तब तक किसान का आठ बिस्वा गेंहू की फसल जल गई।

वायु सेवा के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मर्डर, अधिकारी की गोली मारकर हत्या

प्रयागराज , एजेंसी। प्रयागराज के पुरामुफ्ती स्थित वायु सेवा के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी की हत्या का मामला सामने आया है। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में ले लिया है और जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार, शनिवार भोर में वायु सेवा के सेंट्रल एयर कमांड कैंपस में मिलिट्री इंजीनियरिंग सर्विस के अधिकारी सत्येंद्र नाथ मिश्रा की गोली मारकर हत्या कर दी गई। जॉइंट सेक्रेटरी स्तर के कमांडर वर्क इंजीनियर कैंपस के भीतर ही अपने आवास में सो रहे थे।

पुलिस के मुताबिक, भोर में 3:00 के करीब किसी ने दरवाजा खटखटाया। उन्होंने खिड़की खोलकर बाहर झांका और इसी दौरान उन्हें खिड़की से ही गोली मार दी गई।

गंगा समेत यूपी की 11 नदियों में होगा जल परिवहन, 761 किमी का रूट तैयार

योगी सरकार ने बनाया ये प्लान

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश की 11 नदियों में जल परिवहन की शुरुआत होगी। पहले चरण में प्रदेश में 761 किलोमीटर का रूट तैयार किया गया है। विभिन्न विभागों के अभियंताओं की टीम इन नदियों में जल परिवहन की व्यवहारिकता रिपोर्ट तैयार करेगी। घाटों पर प्लेटफार्म व अन्य व्यवस्थाएं दुरुस्त की जाएंगी।

यूपी सरकार की ओर से राज्य में जल परिवहन एवं जल पर्यटन को विकसित करने के लिए उत्तर प्रदेश अंतर्देशीय जलमार्ग प्राधिकरण का गठन किया जा चुका है। उत्तर प्रदेश में गंगा, यमुना सहित 11 राष्ट्रीय जलमार्ग हैं, जो नदियों के जरिए उत्तर प्रदेश से अन्य राज्यों को जोड़ते हैं। ऐसे में जल परिवहन के लिए प्रदेश की 11 नदियों में नए सिरे से संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इसमें गंगा नदी में प्रयागराज, वाराणसी से गाजीपुर होते हुए हल्दिया तक का रूट तैयार है। अगले चरण में इसे कानपुर के रास्ते फर्रूखाबाद तक बढ़ाने की तैयारी है। इसी तरह यमुना, सरयू व घाघरा, गोमती, चंबल, बेतवा, वरुणा, कर्मनाशा, राप्ती, मंदाकिनी और केन नदी में

जल पर्यटन की संभावनाएं तलाशी जाएंगी। इसके लिए लोक निर्माण, पर्यटन एवं संस्कृति, सिंचाई एवं जल संसाधन, वन एवं पर्यावरण विभाग के अभियंताओं की टीम गठित की जा रही है। यह टीम नदियों के उद्गम स्थल से लेकर बड़ी नदी में समाहित होने के स्थान तक का सर्वे करेगी। सर्वे के जरिये यह जानने की कोशिश होगी कि कहां पर सिर्फ जल पर्यटन के लिए संबंधित नदी उपयुक्त है और कहां से कहां तक जल परिवहन के जरिये माल ढुलाई अथवा यात्री के आवागमन की उपयोगिता हो सकती है।

लखनऊ में खुलेगा प्राधिकरण का कार्यालय

उत्तर प्रदेश अंतरदेशीय जलमार्ग प्राधिकरण संचालन संबंधी नियमानवली को कैबिनेट से मंजूरी मिल चुकी है। लखनऊ स्थित राज्य निर्माण सहकारी संघ के द्वितीय तल पर कार्यालय खोलने की तैयारी चल रही है। अपर परिवहन आयुक्त (प्रशासन) को प्राधिकरण सचिव नामित किया गया है।

यहां है जल पर्यटन का प्रस्ताव

प्राधिकरण की ओर से फिलहाल गंगा में वाराणसी और यमुना में मथुरा में जल पर्यटन की शुरुआत कर दी गई है। अब सरयू में अयोध्या, गोमती में लखनऊ, चंबल में इटावा, बेतवा में हमीरपुर और जालौन, वरुणा में वाराणसी, कर्मनाशा में सोनभद्र, चंदौली व गाजीपुर, राप्ती में गोरखपुर, मंदाकिनी में चित्रकूट, केन नदी में बांदा में संभावनाएं तलाशी जाएंगी।

भूमि मिली, दियूनी केसर में बनेगा रोडवेज बस अड्डा

पीलीभीत , एजेंसी। शहर में रोडवेज बस अड्डे के निर्माण के लिए जमीन मिल गई है। बस अड्डा और वर्कशॉप का निर्माण पीलीभीत-टनकपुर हाईवे पर शहर से सटे दियूनी केसर (मोमिनगंज) में कराया जाएगा।

राज्यपाल ने इस जमीन को परिवहन विभाग के नाम देने की स्वीकृति दे दी है। बस अड्डे के लिए लंबे समय से जमीन की तलाश हो रही थी। गन्ना राज्यमंत्री संजय गंगवार के प्रयासों के बाद अब जगह की तलाश पूरी हुई है।

शहर में एकता सरोवर पार्क के पास रोडवेज बस अड्डा संचालित हो रहा है। इसी परिसर में वर्कशॉप भी है। मौजूदा समय में पीलीभीत डिपो से 112 बसों का संचालन किया जाता है।

बस अड्डा परिसर में जगह न होने से अधिकांश बसें ईदगाह जाने वाली सड़क पर खड़ी रहती हैं। इस वजह से जाम की स्थिति बनती है। बसों का संचालन भी सही ढंग से नहीं हो पाता।

बरेली, टनकपुर और अन्य स्थानों के लिए जाने वाली अधिकांश बसें नौगवां चौराहे पर खड़ी रहती हैं। बस अड्डा निर्माण के लिए लंबे समय से जमीन की तलाश हो रही थी। कई स्थानों पर जमीन देखी भी गई, लेकिन बात बनी नहीं। अब दियूनी केसर में जमीन चिह्नित की गई है।

नौ सीएचसी में खुले इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर

रायबरेली , एजेंसी। गर्मी में डेंगू, एईएस (एक्यूट इंसेफेलाइटिस सिंड्रोम) और जेई (जापानी इंसेफेलाइटिस) से निपटने के लिए स्वास्थ्य विभाग चौकन्ना हो गया है। जिले के नौ सीएचसी में इंसेफेलाइटिस ट्रीटमेंट सेंटर (ईटीसी) खोल दिए गए हैं। इसके अलावा तेज बुखार और डेंगू के मरीजों को भर्ती करने के लिए 19 सीएचसी में दो-दो बेड आरक्षित किए गए हैं।

ईटीसी और डेंगू वार्डों में दवाओं के पर्याप्त बंदोबस्त कराने के निर्देश अधीक्षकों को दिए गए हैं। सीएचसी स्तर पर गंभीर मरीजों का इलाज करने को कहा गया है। गंभीर स्थिति में ही उन्हें जिला अस्पताल रेफर किया जाएगा।

जिले में पिछले साल एईएस और जेई के सवा सौ से अधिक मरीज मिले थे। डेंगू के मरीजों की संख्या भी 100 को पार कर गई थी। एईएस और जेई के मरीजों का तुरंत इलाज शुरू करने के लिए हरचंदपुर, महराजगंज, बछरावां, सलोन,

जगतपुर, ऊंचाहार, डलमऊ, लालगंज और खीरों के सीएचसी में ईटीसी सेंटर स्थापित किया गया है। यहां दो-दो बेड रखवाए गए हैं। जांच और इलाज के लिए पर्याप्त दवाएं भी उपलब्ध कराई गई हैं।

जगतपुर सीएचसी अधीक्षक डॉ. एलपी सोनकर ने बताया कि ईटीसी सेंटर को संचालित करा दिया गया है। हालांकि अब तक मरीज नहीं आए हैं। ऐसे मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त बंदोबस्त किए गए हैं।

डेंगू के सामान्य लक्षण वाले मरीज होंगे भर्ती- जिला मलेरिया अधिकारी डीएस अस्थाना ने बताया कि सीएचसी स्तर पर डेंगू के सामान्य लक्षण वाले मरीजों को भी भर्ती करके इलाज किया जाएगा। डेंगू के मरीजों में प्लेटलेट्स की कमी हो जाती है। ऐसी स्थिति में मरीजों को जिला अस्पताल के लिए रेफर किया जाएगा। मच्छरजनित रोगों के रोकथाम के लिए संचारी रोग नियंत्रण अभियान भी शुरू कराया गया है।

चामुंडा देवी के मंदिर के लिए मोड़ दी गई रेलवे लाइन, अंग्रेज भी नहीं हटा पाए

आगरा, एजेंसी। आगरा का चामुंडा देवी का मंदिर शहर के प्राचीन और प्रसिद्ध मंदिरों में से एक है। इसे हटाने में अंग्रेज भी पस्त हो गए थे। आगरा राजा मंडी रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नंबर एक पर बने मां चामुंडा देवी मंदिर में श्रद्धालुओं की विशेष आस्था है।

अंग्रेजी शासनकाल में जब यहां रेलवे पटरी बिछाई गई, तब इस मंदिर को हटाने की कोशिश की गई। ब्रिटिश सरकार को सफलता नहीं मिली। इसलिए पटरी को घुमावदार मोड़ देकर बिछाया गया। मंदिर में चामुंडा देवी सहित नौ देवियां के साथ भैरों बाबा, बालाजी, हनुमान जी, गणेश जी, शंकर भगवान, काली देवी, महालक्ष्मी, राधा-कृष्ण और राम दरबार की मूर्तियां हैं। क्षेत्रीय लोगों के अनुसार यह लगभग 250 वर्ष पुराना मंदिर है। क्षेत्र में पहले टीले थे, जिस पर चामुंडा देवी की मूर्ति स्वतः प्रकट बताई जाती है।

चामुंडा मंदिर जाने के लिए दो रास्ते हैं। एक रास्ता न्यू राजा मंडी कालोनी और बेसन बस्ती लोहामंडी की ओर से आने पर मंदिर पड़ता है। दूसरा रास्ता राजामंडी रेलवे स्टेशन की तरफ से है। महंत वीरेंद्रानंद ब्रह्मचारी ने बताया कि माता के दर्शन करने और फूल बंगला सजाने के लिए पूरे नवरात्र भीड़ रहती है। ट्रेन में सवार होने वाले दैनिक यात्री बिना माथा टेके नहीं जाते हैं।

होंगे विशेष आयोजन

मंदिर समिति के अध्यक्ष दरब सिंह ने बताया कि हर साल चैत्र नवरात्रों में विशेष आयोजन किए जाते हैं। इस बार 9 को कलश यात्रा, 12 को 56 भोग व फूल बंगला और रात में देवी जागरण का कार्यक्रम होगा। सचिव विपिन चौधरी और कोषाध्यक्ष विपिन चौधरी ने बताया कि 14 अप्रैल को मंदिर में भंडारा होगा।

बाहरी लोगों के बुद्ध मंदिर समिति में शामिल होने का विरोध

बहराइच, एजेंसी। बिहार के गया जिले में स्थित बुद्ध मंदिर समिति में गैर बौद्ध धर्म के लोगों के शामिल होने पर बौद्ध भिक्षु समेत कई अन्य संगठनों ने नाराजगी जताई है। मामले में शुक्रवार को बौद्ध भिक्षुओं ने राष्ट्रपति को संबोधित ज्ञापन नगर मजिस्ट्रेट को सौंपकर समिति से गैर बौद्ध धर्म के लोगों को हटाने की मांग की।

ज्ञापन में कहा गया है कि बिहार के गया में पुराना बुद्ध मंदिर स्थापित है। मंदिर में काफी संख्या में देश व विदेशों से श्रद्धालुओं का आना होता है, लेकिन बुद्ध मंदिर समिति में कुछ गैर बौद्ध धर्म के लोग सदस्य बनकर समिति को बदलकर मंदिर पर जबरन कब्जा करने के प्रयास में है। इसके विरोध में पूर देश के बौद्ध धर्मावलंबियों ने बिहार सरकार से गैर बौद्ध को समिति से निकालने की मांग भी कर चुके है, लेकिन बिहार सरकार प्रकरण को

गंभीरता से नहीं ले रहा है।

अनुयायियों ने चेतावनी दी कि यदि शीघ्र ही गैर बौद्ध धर्म के लोगों को समिति से बाहर नहीं निकाला जाता है तो आंदोलन किया जाएगा। ज्ञापन सौंपने के दौरान हटीराम राव, रमेशचंद्र दोहरे, डा. नंद कुमार, विक्रम कुमार, राकेश कुमार आजाद समेत काफी संख्या में बौद्ध उपासक मौजूद रहे।

भूमि विवाद में खूनी संघर्ष, चिकित्सक समेत छह पर केस

नानपारा/ बलहा(बहराइच) , एजेंसी। कोतवाली नानपारा क्षेत्र के नई बस्ती में बृहस्पतिवार को दीवार उठाने को लेकर हुए विवाद में दो पक्षों में खूनी भिड़ंत हो गई। इस मामले में एक पक्ष की तहरीर पर पुलिस चार लोगों के खिलाफ केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। आरोपियों में नवजीवन हॉस्पिटल के चिकित्सक डॉ. राजितराम निषाद भी शामिल हैं। लक्ष्मणपुर मटेही के मजरा नई बस्ती निवासी मैकू सोनकर ने आरोप लगाते हुए बताया कि बृहस्पतिवार को वह गाटा संख्या-529 पर स्थित अपनी जमीन पर दीवार बनवाने का काम शुरू कराया था। शुक्रवार को निर्माण कार्य बंद होने के बावजूद गांव निवासी दुलारे, मनीराम, अमरनाथ, पप्पू, राकेश आदि ने निर्माण कार्य के विरोध में धारदार हथियारों से लैस होकर उन पर हमला कर दिया। आरोप लगाया कि उन्हें बचाने आए पेशकार, बलराम, नानमून, रिंकी देवी, रेशू देवी, वनदेवी भी तलवार व चाकू से हमले में चोटिल हुए। विरोधियों ने आठ फीट बनी दीवार को भी जबरन ढहा दिया।

कुत्तों का आतंक, एक दिन में 24 को काटकर किया जख्मी

रायबरेली , एजेंसी। जिले में आवारा कुत्तों का आतंक बढ़ता जा रहा है। शुक्रवार को जिले में अलग-अलग इलाकों में 24 से अधिक लोगों को कुत्तों ने काटकर जख्मी कर दिया। एक-एक करके जिला अस्पताल पहुंचे लोगों ने चिकित्सक डॉ. सौरभ शर्मा से चिकित्सीय सलाह लेने के बाद एआरवी (एंटी रैबीज वेनम) की पहली डोज लगवाई। अपरान्ह दो बजे तक नए व पुराने लोगों को मिलाकर करीब 150 लोग इंजेक्शन कक्ष में एआरवी लगवाने पहुंचे।

गर्मी बढ़ने के साथ ही जिले में कुत्ते हिंसक होने लगे हैं। शुक्रवार को जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सौरभ शर्मा की ओपीडी में 24 नए मरीज एआरवी लगवाने के लिए पहुंचे। इसमें संतोष (28), शिव (11), आराधना (6), विशाल (13), संगीता (23), खुशी (5), कामता (37), पूनम (6), रितिक (6), रिया (11), मंतसा (27) आदि कुत्तों के हमले में जख्मी होने के बाद रैबीज लगवाने अस्पताल पहुंचे। भीड़ अधिक होने के कारण लोगों को एआरवी लगवाने के लिए घंटों इंतजार करना पड़ा।

72 घंटे में एआरवी का पहला टीका जरूरी- जिला अस्पताल के चिकित्सक डॉ. सौरभ शर्मा ने बताया कि अगर किसी भी व्यक्ति को रेबीज संक्रमित किसी जानवर ने काट लिया हो तो उसे 72 घंटे के भीतर वैक्सीन की डोज

अवश्य ले लेना चाहिए। कुत्ता काटने वाले स्थान को कम से कम 10 से 15 मिनट तक साबुन या डिटॉल से अच्छे से धोकर साफ जरूर कर लें। उसके तुरंत बाद रैबीज की वैक्सीन लगवानी चाहिए। जिला अस्पताल के सीएमएस डॉ. प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि मौसम में बदलाव के कारण कुत्ते हिंसक व आक्रामक होने लगे हैं। इनसे बचकर रहना चाहिए। सभी सीएचसी व जिला अस्पतालों में एआरवी (रैबीज वैक्सीन) पर्याप्त मात्रा में उपलब्ध है।

एयरपोर्ट टर्मिनल ताक रहा विमानों की राह, एक माह से किसी भी उड़ान का नहीं हुआ संचालन

प्रयागराज, एजेंसी। प्रयागराज से ज्यादा से ज्यादा शहरों के लिए सीधी उड़ान शुरू हो, इसके लिए महाकुंभ के पहले एयरपोर्ट का विस्तार किया गया। 231 करोड़ की लागत से नया टर्मिनल भी बना, लेकिन मेला संपन्न होने के बाद टर्मिनल विमानों की राह ही ताक रहा है। एक माह से नया टर्मिनल बंद है। 28 फरवरी के बाद यहां एक भी विमान की आवाजाही नहीं हो सकी है। महाकुंभ के दौरान हवाई यात्रा करने वाले यात्रियों की संख्या 5,85,587 पहुंच गई है, लेकिन महाकुंभ संपन्न होते ही यात्रियों और विमानों की संख्या में भारी गिरावट हो गई।

दरअसल महाकुंभ के दौरान श्रद्धालुओं की सेवा के लिए 11 जनवरी से 28 फरवरी तक विभिन्न विमानन कंपनियों ने सेवाएं दी थीं।

एयरपोर्ट से करीब 25 शहरों की सीधी कनेक्टिविटी भी हुई। पहले दिन 11 जनवरी को 2,991 यात्रियों ने हवाई सफर किया। इसके बाद यात्रियों की संख्या बढ़ती गई और यह आंकड़ा 27 हजार पार कर गया। अंतिम दिन 28 फरवरी को 10,395 मुसाफिरों ने यात्रा की। इस दौरान पुराने एवं नए टर्मिनल दोनों से ही 24 घंटे विमानों की आवाजाही होती रही, लेकिन अब ऐसा नहीं हो रहा है।

प्रयागराज से संचालित तमाम विमान एक-एक करके बंद हुए जा रहे हैं। हाल ही में प्रयागराज-लखनऊ उड़ान स्थायी रूप से बंद हुई है। चर्चा है कि आने वाले दिनों में हैदराबाद उड़ान भी बंद हो सकती है। मुंबई और बंगलूरू उड़ान के भी विमानन कंपनी इंडिगो ने फेरे घटा दिए हैं। वर्तमान में एयरपोर्ट पर प्रतिदिन 12 से 14 विमानों की ही आवाजाही हो पा रही है।

फूलपुर से भाजपा सांसद एवं प्रयागराज एयरपोर्ट सलाहकार समिति के अध्यक्ष प्रवीण पटेल ने शुक्रवार को लोकसभा में स्पीकर ओम बिड़ला के समक्ष एयरपोर्ट से विमानों की कम होती संख्या का मुद्दा उठाया। सांसद ने कहा, महाकुंभ के पूर्व ही एयरपोर्ट का विस्तारीकरण हुआ।

यहां तमाम यात्री सुविधाएं बढ़ीं। इस वजह से यहां महाकुंभ के दौरान एक-एक दिन में 20 से 25 हजार तक यात्रियों की आवाजाही हुई। महाकुंभ संपन्न होने के बाद तमाम विमानन कंपनियों ने उड़ानें बंद कर दीं। कहा कि महाकुंभ संपन्न होने के बाद अब भी लाखों श्रद्धालु हर रोज संगम पर डुबकी लगाने के लिए पहुंच रहे हैं, लेकिन विमानन कंपनियों की मनमानी की वजह से तमाम उड़ानें बंद हो चुकी हैं।

पुणे, कोलकाता और देहरादून समेत जिन शहरों की उड़ान बंद हुई है, वहां का ट्रैफिक लोड अच्छा था। बावजूद इसके उड़ानें बंद की गई। अब पांच से छह उड़ान ही संचालित हो रही है।सांसद ने वहां मौजूद उड्डयन मंत्री की ओर मुखातिब होकर आग्रह किया है कि प्रयागराज से संचालित तमाम शहरों के लिए सीधी उड़ान फिर से शुरू की जाए। इस दौरान उन्होंने कहा कि एयरपोर्ट में कार्गो परिसर का भी निर्माण होना चाहिए।

गाजियाबाद में 'मन की बात' का 120वां संस्करण विशेष आयोजन के साथ लाइव प्रसारित

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गाजियाबाद : प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लोकप्रिय रेडियो कार्यक्रम 'मन की बात' के 120वें संस्करण का आयोजन गाजियाबाद में विशेष रूप से किया गया। भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में आयोजित इस कार्यक्रम में प्रदेश महामंत्री विजय बहादुर पाठक और क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र शिशौदिया बतौर मुख्य अतिथि शामिल हुए। इस अवसर पर सांसद अतुल गर्ग, मंत्री सुनील शर्मा, विधायक अजीत पाल त्यागी, पूर्व महापौर आशु वर्मा, पूर्व महापौर आशा शर्मा, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, बलदेव राज शर्मा, अशोक गोयल, पूर्व विधायक रूप चौधरी, सरदार एसपी सिंह, योगेश त्रिपाठी, राजेश्वर प्रसाद, रुचि गर्ग, मोनिका पंडित, राजेश त्यागी, गोपाल अग्रवाल, संजीव झा, नीरज कुमार, हेमंत त्यागी, मीडिया प्रभारी प्रदीप चौधरी सहित भाजपा के कई वरिष्ठ पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कार्यक्रम के दौरान देश की प्रगति में योगदान देने वाले लोगों की प्रेरणादायक कहानियों को साझा किया और युवाओं को उनकी उपलब्धियों से सीखने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने बताया कि आज से चैत्र नवरात्रि और भारतीय नववर्ष विक्रम संवत 2082 की शुरूआत हो रही है। इस अवसर पर उन्होंने देशवासियों को शुभकामनाएं दीं। गर्मी की छुट्टियों के संदर्भ में प्रधानमंत्री ने बच्चों को अपने हुनर को निखारने और नई रुचियों को विकसित करने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि यह समय सेवा कार्यों और स्वयंसेवी गतिविधियों से जुड़ने का भी है। उन्होंने लोगों से आग्रह किया कि यदि कोई संगठन, स्कूल या संस्था ग्रीष्मकालीन गतिविधियों का

आयोजन कर रही है तो उसे 'माय हॉलिडे' पहल के तहत साझा करें। जल संरक्षण पर चर्चा करते हुए प्रधानमंत्री ने बताया कि पिछले कुछ वर्षों में देश में 11 बिलियन क्यूबिक मीटर से अधिक पानी संरक्षित किया गया है, जो गोविंद सागर झील की कुल जलधारण क्षमता से भी अधिक है। उन्होंने जल संरक्षण को और बढ़ावा देने पर जोर दिया। योग दिवस के महत्व को रेखांकित करते हुए प्रधानमंत्री ने कहा कि इसके आयोजन में अब 100 दिन से भी कम समय बचा है। उन्होंने लोगों से योग को अपने दैनिक जीवन में शामिल करने की अपील की। उन्होंने बताया कि 2025 में योग दिवस की थीम 'एक पृथ्वी, एक स्वास्थ्य के लिए योग' होगी, जिससे पूरे विश्व में स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने की दिशा में कार्य किया जाएगा। प्रधानमंत्री ने महुआ के फूलों के महत्व पर भी प्रकाश डाला और बताया कि मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले में महुआ के फूलों से कुकीज बनाई जा रही हैं, जो काफी लोकप्रिय हो रही हैं। इसी तरह, तेलंगाना के आदिलाबाद जिले में भी महुआ के फूलों को लेकर नए प्रयोग किए जा रहे हैं। गाजियाबाद सहित देशभर में 'मन की बात' के इस विशेष प्रसारण को लेकर लोगों में उत्साह देखने को मिला। यह कार्यक्रम केवल देश में ही नहीं बल्कि विश्वभर में लोगों की पसंद बनता जा रहा है।

आरएसएस संस्थापक हेगडेवार जन्म शताब्दी पर पथ संचलन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दनकौर : कस्बा बिलासपुर में रविवार को राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉक्टर हैडगेवार की जन्मशताब्दी पर कस्बे में रविवार को उनके चित्र के साथ स्वयंसेवकों पद संचलन निकाला जो खंड कार्यवाहक गौरव सिंह के नेतृत्व में बड़ी संख्या में पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवक दंड लेकर चल रहे थे।इस पथ संचलन मार्ग में यातायात व्यवस्था बनाए रखने हेतु पुलिसकर्मी मशक्कत करते रहे।

वर्तमान समय में आत्महत्या के बढ़ते मामलों को सरकार को गम्भीरता से लेना चाहिए

फ्यूचर लाइन टाईम्स- नोएडा : थाना 39 क्षेत्र के सेक्टर 45 स्टील ग्रीन पार्क के पास सुबह 8:00 बजे युवक का पेड़ से लटका हुआ शव मिलने से क्षेत्र में हड़कंप मच गया ! मृतक युवक का नाम मोती राम पुत्र रूपराम उम्र 35 बर्ष जिला बदायूं का निवासी था वह अपने परिवार के साथ काफी समय से सदरपुर सेक्टर 45 नोएडा में रह रहा था, वह साप्ताहिक बाजारों में कपड़े की दुकान लगाकर अपने परिवार का जीवन यापन करता था,परिजनों का रो रो के हुआ बुरा हाल, घटना की जानकारी मिलने के बाद स्थानीय पुलिस ने घंटों बाद अपनी मौजूदगी में लोगों द्वारा पेड़ से लटके हुए शव को उतरवाया, पेड़ से लटके हुए शव को देखने के लिए सैकड़ो की तादात में आसपास के लोग पहुंचे, आए दिन रोजाना देश भर में अनेकों जगहों पर अज्ञात कारणों के चलते आत्महत्या जैसे मामले सामने आते हैं, बहुत कम मामलों में आत्महत्या के सही कारण जनता के सामने आ पाते हैं। अधिकांश मामलों में युवा आर्थिक स्थिति और परिवारिक मामलों के अलावा काम काजी जीवन में असफलताओं के कारण आत्म हत्या करने की ओर बढ़ जाते हैं। बेरोजगारी और आर्थिक तंगी भी इसका बड़ा कारण है। कहीं-कहीं आत्महत्या के मामलों में झूठे मुकदमे और कानून व्यवस्था की खामियां भी सामने आती हैं। आत्मा हत्या के प्रत्येक मामले में गहन अध्ययन किया जाना चाहिए। हमारी सरकारों को आत्महत्या के मामलों में आत्महत्या के सही कारणों का पता लगा कर युवाओं में बढ़ती आत्महत्या की प्रवृत्ति को रोकने के लिए प्रभावी कदम उठाने चाहिए।

IIMT कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक में सफलतापूर्वक आयोजित हुआ 4th National Conference RISEM-2K25

फ्यूचर लाइन टाईम्स

ग्रेटर नोएडा, 28 मार्च, 2025: IIMT कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक, ग्रेटर नोएडा ने 4th National Conference RISEM-2K25 का सफलतापूर्वक आयोजन किया। यह सम्मेलन विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रबंधन में हालिया नवाचारों पर केंद्रित था और देश-विदेश के प्रतिष्ठित शोधकताओं व विशेषज्ञों ने इसमें भाग लिया। मुख्य अतिथि डॉ. बी.एस. राजपूत, पूर्व कुलपति, एचएनबी गढ़वाल विश्वविद्यालय और कुमाऊं विश्वविद्यालय, नैनीताल, ने सम्मेलन का उद्घाटन किया। साथ ही, प्रोफेसर डॉ. संजय कुमार शर्मा, UIT, गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय, ने भी अपने ज्ञान और अंतर्दृष्टियों को साझा किया। सम्मेलन को शानदार प्रतिक्रिया मिली, जिसमें भारत और विदेश के विभिन्न संस्थानों से कुल 120 शोध पत्र प्राप्त हुए। गहन समीक्षा प्रक्रिया के बाद, 73 शोध पत्र प्रस्तुतियों के लिए चयनित किए

गए। प्रस्तुतियों में विज्ञान, अभियांत्रिकी और प्रबंधन के विभिन्न क्षेत्रों में नवीनतम प्रगति और चुनौतियों का समाधान शामिल था। सम्मेलन दो सत्रों में आयोजित किया गया, जिसमें लवली प्रोफेशनल यूनिवर्सिटी, एमआईटी वर्ल्ड पीस यूनिवर्सिटी, शारदा यूनिवर्सिटी, एमिटी यूनिवर्सिटी, और यूनिवर्सिटी ऑफ टेक्नोलॉजी एंड एप्लाइड साइंसेज, ओमान जैसे प्रतिष्ठित संस्थानों ने भाग लिया। IIMT ग्रुप ऑफ कॉलेजेज के महानिदेशक डॉ. अंकुर जौहरी, IIMT कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक के निदेशक प्रो. उमेश कुमार, डीन श्री अजय शर्मा, और अन्य प्रमुख व्यक्तियों की उपस्थिति ने इस आयोजन को विशेष बना दिया।

आयोजन सचिव जाकिर अली हैदरी ने समापन सत्र में सभी प्रतिभागियों और अतिथियों का धन्यवाद करते हुए सम्मेलन की सफलता की सराहना की। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। IIMT कॉलेज ऑफ पॉलिटेक्निक ने एक बार फिर यह सिद्ध किया कि वह अकादमिक उत्कृष्टता और अनुसंधान नवाचार को बढ़ावा देने में अग्रणी भूमिका निभा रहा है।

भाजपा का घर-घर संपर्क अभियान, लोगों तक पहुंचाई सरकार की उपलब्धियां

फ्यूचर लाइन टाईम्स

गाजियाबाद : भाजपा महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल के नेतृत्व में अजनारा सोसाइटी में घर-घर संपर्क अभियान चलाया गया, जिसमें भाजपा सरकार की आठ वर्षों की उपलब्धियों का पत्रक वितरित किया गया। इस अभियान में भाजपा के क्षेत्रीय अध्यक्ष सतेन्द्र सिसोदिया, विधायक अजीत पाल त्यागी, क्षेत्रीय उपाध्यक्ष मानसिंह गोस्वामी, महानगर अध्यक्ष मयंक गोयल, संजय कश्यप, सुशील गौतम, राजेश त्यागी, बॉबी त्यागी, गुंजन शर्मा, कुलदीप त्यागी, संदीप त्यागी, प्रदीप चौधरी, मंडल अध्यक्ष हेमंत त्यागी, मधुकर त्यागी, पूर्व पार्षद संजीव त्यागी, अनुज शर्मा, गौरव चोपड़ा, कपिल वशिष्ठ, हरमीत बक्शी सहित स्थानीय कार्यकताओं की टीम ने घर-घर जाकर पत्रक वितरित किया। इस अवसर पर सतेन्द्र सिसोदिया ने स्थानीय निवासियों को चैत्र नवरात्रि और

हिंदू नव वर्ष की शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि केंद्र और प्रदेश की डबल इंजन सरकार ने जनता से जो वादे किए थे, उन्हें पूरा करने की दिशा में निरंतर कार्य कर रही है। उन्होंने बताया कि सरकार सेवा, सुरक्षा और सुशासन की नीति पर चलते हुए प्रदेश को उत्तम प्रदेश बनाने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। सतेन्द्र सिसोदिया ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे इस संपर्क अभियान को और अधिक विस्तार दें, ताकि सरकार की योजनाओं और उपलब्धियों की जानकारी प्रत्येक व्यक्ति तक पहुंचे। उन्होंने कहा कि जिन्होंने भाजपा सरकार को अपना समर्थन और मत दिया है, उन्होंने प्रदेश के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। इसलिए सरकार की नीतियों और कार्यों को अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचाना आवश्यक है, ताकि 'सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास' की भावना को और मजबूती मिल सके।

एचओएफ बैंक्वेट में बिना लाइसेंस के परोसी जा रही थी शराब, एक गिरफ्तार

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : बिना लाइसेंस के होटल, ढाबों व बैंक्वेट में शराब परोसने वालों पर आबकारी विभाग ने नकेल कसनी शुरू कर दी है। आबकारी विभाग की टीम ने एचओएफ बैंक्वेट में बिना लाइसेंस शराब पिलाते हुए एक अभियुक्त श्याम को गिरफ्तार किया। जिला आबकारी अधिकारी संजय कुमार सिंह ने बताया कि बीती देर रात्रि में सूचना प्राप्त हुई कि आरडीसी राजनगर स्थित श्याम में बिना लाइसेंस प्राप्त किए शराब पिलाई जा रही है। सूचना के आधार पर थाना कविनगर अंतर्गत आरडीसी राजनगर स्थित श्याम में दबिश की कार्यवाही की गई। दबिश के दौरान उक्त रेस्टोरेंट से उत्तर प्रदेश राज्य में बिक्री हेतु अनुमन्य रॉकफोर्ड ब्रांड की 1 भरी एंव 1 प्रयोग की गयी बोतल एंव

किंगफिशर अल्ट्रा मैक्स ब्रांड की 5 कैन बरामद की गई। उक्त रेस्टोरेंट से 1 किंगफिशर अल्ट्रा मैक्स की खाली कैन एंव 1 खाली रॉकफोर्ड की बोतल व शराब पी हुई काँच के दो गिलास भी बरामद हुई, जिससे पुष्टि हुई कि उक्त रेस्टोरेंट में बिना ओकेजनल बार लाइसेंस प्रात किए शराब पिलाई जा रही थी। मौके से 1 अभियुक्त श्याम को बिना लाइसेंस शराब पिलाने हेतु गिरफ्तार किया गया। गिरफ्तार अभियुक्त श्याम कामत ने पूछताछ में बताया कि रेस्टोरेंट संचालक आयुष पुत्र उमरेश कुमार के कहने पर उसके द्वारा बिना ओकेजनल लाइसेंस प्राप्त किए शराब पिलाई जा रही थी। गिरफ्तार अभियुक्त श्याम कामत एंव रेस्टोरेंट संचालक आयुष के विरुद्ध आबकारी अधिनियम की धारा 60 एंव उत्तर प्रदेश रेस्तरां (मदिरा का उपभोग) नियमावली 1952 की धारा-10के अन्तर्गत थाना-कविनगर पर एफआईआर पंजीकृत कराई गई।

डॉ. सोनू नागर को डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित, गाँव का नाम किया रोशन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-दादरी। दुजाना गाँव के डॉक्टर सोनू नागर (पुत्र श्री इल्मचन्द नागर) को एक्यूप्रेशर और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के क्षेत्र में उत्कृष्ट और सराहनीय कार्य करने के लिए डॉक्टरेट की मानद उपाधि से सम्मानित किया गया। यह सम्मान उन्हें आगरा के रेडिसन होटल में आयोजित एक विशेष कार्यक्रम के दौरान जॉर्जिया डिजिटल यूनिवर्सिटी (ऋऊव - वरअ) द्वारा प्रदान किया गया। कार्यक्रम में प्रसिद्ध अभिनेत्री और मॉडल रितु शिवपुरी और अशोक चौबे ने डॉ. सोनू नागर को यह मानद उपाधि भेंट की। यह सम्मान उनके चिकित्सा के क्षेत्र में निरंतर प्रयासों और समर्पण को दशार्ता है। डॉ. नागर ने एक्यूप्रेशर और इलेक्ट्रो होम्योपैथी के माध्यम से अनेक लोगों को लाभान्वित किया है। उनके इसी समर्पण और निस्वार्थ सेवा के लिए उन्हें पहले भी एक्यूप्रेशर रत्न अवॉर्ड, एकलव्य अवॉर्ड, और कई अन्य राष्ट्रीय पुरस्कारों से सम्मानित किया जा चुका है। डॉ. सोनू नागर की यह उपलब्धि न केवल उनके परिवार और गाँव के लिए गर्व का विषय है, बल्कि चिकित्सा क्षेत्र में उनके योगदान की भी सराहना करती है। उनके इस सम्मान ने दुजाना गाँव का नाम राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर रोशन कर दिया है।

व्रतधारियों के लिए सामूहिक फलाहार महोत्सव की अनूठी पहल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : परमार्थ सेवा ट्रस्ट और हनुमान मंगलमय परिवार के तत्वावधान में संजयनगर सेक्टर-23 स्थित प्राचीन हनुमान मंदिर में सनातनी व्रतधारियों के लिए सामूहिक फलाहार महोत्सव की अनूठी परंपरा शुरू की गई। इस पहल का उद्देश्य धार्मिक आस्था को सुदृढ़ करने के साथ ही सामाजिक समरसता को बढ़ावा देना है। महोत्सव की शुरूआत जिला समाज कल्याण अधिकारी वेद प्रकाश मिश्रा द्वारा मां दुर्गा को भोग अर्पित कर की गई। उन्होंने इस आयोजन को सनातन समाज की एकजुटता की मिसाल बताते हुए कहा कि यह संदेश दूर तक जाएगा और अन्य स्थानों पर भी प्रेरणा बनेगा। रविवार को महोत्सव के पहले दिन बड़ी संख्या में श्रद्धालु एकत्र हुए और सामूहिक रूप से फलाहार किया। परमार्थ सेवा ट्रस्ट के अध्यक्ष वीके अग्रवाल और हनुमान मंगलमय परिवार के पीठाधीश्वर बीके शर्मा हनुमान ने बताया कि इस आयोजन का उद्देश्य विभिन्न जातियों, मत-मतांतरों और सामाजिक बंधनों से ऊपर उठकर एकता की भावना को मजबूत करना है। उन्होंने कहा कि भारत को पुनः विश्वगुरु बनाने के लिए इस प्रकार के आयोजन आवश्यक हैं, जहां सब मिलकर देश की सांस्कृतिक विरासत को जीवंत बनाए रखें। महोत्सव के संयोजक वरिष्ठ समाजसेवी देवेंद्र हितकारी, अरुण त्यागी और हनुमान मंगलमय परिवार के चेयरमैन वीके अग्रवाल के नेतृत्व में यह कार्यक्रम संपूर्ण नवरात्रि तक जारी रहेगा। इस दौरान भक्तगण अपने परिवार, मित्रों और परिचितों के साथ आकर फलाहार कर सकते हैं। आयोजकों का कहना है कि इस पहल से सामाजिक सौहार्द्र बढ़ेगा और आत्मिक व मानसिक शुद्धिकरण के साथ आध्यात्मिक बल भी प्राप्त होगा। इस आयोजन में मुख्य ट्रस्टी रामअवतार जिंदल, पवन जिंदल, हनुमान मंदिर सेवा ट्रस्ट, संजयनगर आवासीय कल्याण परिषद और व्यापार मंडल संजयनगर के पदाधिकारी डॉ. हरीश शर्मा, डॉ. नीरज गर्ग, हरिओम त्यागी बबली, सुरेंद्र त्यागी, शिवकुमार शर्मा, प्रदीप गर्ग, विपिन गोयल सहित अनेक गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

जीपीए के बुक एक्सचेंज मेले का दूसरा चरण शुरू, वीर चक्र विजेता कर्नल टी.पी. त्यागी ने किया उद्घाटन

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : जीपीए और साया फाउंडेशन के संयुक्त प्रयास से आयोजित आठवें निःशुल्क बुक एक्सचेंज मेले के दूसरे चरण का शुभारंभ वीर चक्र विजेता और राष्ट्रीय सैनिक संस्था के अध्यक्ष कर्नल तेजेंद्र पाल त्यागी ने किया। इस चरण का आयोजन यॉर्क ग्राउंड, कड़कड़ मोड़, राधा कुंज ब्रिज विहार में किया जा रहा है, जहां हजारों अभिभावकों और विद्यार्थियों ने किताबों की अदला-बदली की। इस मेले में कक्षा 1 से 12 तक की पाठ्यपुस्तकों के साथ-साथ प्रतियोगी परीक्षाओं की तैयारी के लिए भी बड़ी संख्या में पुस्तकों का आदान-प्रदान किया गया। अभिभावकों और छात्रों ने इसे न केवल पुस्तकों की उपलब्धता का जरिया माना बल्कि एक सामाजिक पहल भी बताया, जिससे दूसरों की मदद करने की प्रेरणा मिलती है। कार्यक्रम के दौरान कर्नल त्यागी ने गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि किसी शहर की पहचान उसकी आर्थिक समृद्धि से नहीं बल्कि वहां के शिक्षित नागरिकों के ज्ञान के स्तर से होती है। उन्होंने जीपीए को परिणाम-केंद्रित संगठन बताते हुए कहा कि यह संस्था अंतिम पंक्ति के बच्चों तक शिक्षा की रोशनी पहुंचाने में

सराहनीय कार्य कर रही है। बुक एक्सचेंज मेले में अभिभावकों को सरकार की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी भी दी गई, जिससे वे इनका लाभ उठा सकें। इस अवसर पर गाजियाबाद पेरेंट्स एसोसिएशन ब्रिज विहार प्रभारी सतीश कुमार ने बताया कि मेले में विनय चौधरी, पूनम त्यागी, निर्मला सिन्हा, आर.पी. सैनी, प्रदीप शर्मा, सी.ओ.म. शर्मा, एस.एन. मित्तल, अखिलेश त्रिपाठी, कुलदीप सिंह, विजय सिंह, ए.एल. शर्मा, आशुतोष शर्मा, शेखर सक्सेना समेत कई सामाजिक कार्यकर्ताओं और गणमान्य व्यक्तियों ने भाग लिया और इस पहल की सराहना की।

खाद्य विभाग ने मालीवाडा से कुट्टू के लिए सैंपल

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : नवरात्रि शुरू होते ही खाद्य विभाग भी हरकत में आ गया है। रविवार को खाद्य विभाग की टीम ने मालीवाडा से अमित गर्ग की दुकान से कुट्टू के सैंपल लिए। खास बात यह है कि 35 किलो कुट्टू का आटा और 80 किलो सबूत कुट्टू के सैंपल लिए। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन के सहायक आयुक्त अरविंद कुमार यादव ने बताया कि आयुक्त खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ तथा जिलाधिकारी दीपक मीणा के निर्देशन पर गाजियाबाद में आम जनमानस को चैत्र नवरात्रि में सुरक्षित खाद्य व पेय पदार्थों की उपलब्धता की दृष्टिगत खाद्य सुरक्षा विभाग द्वारा जनपद में अभियान संचालित है। मालीवाडा स्थित अमित गर्ग द्वारा अवैध रूप से संचालित आटा चक्की के परिसर में 35 किलो कुट्टू के आटा, जिसका मूल्य 35सौ रुपए और सबूत कुट्टू 80 किलो, जिसका अनुमानित मूल्य 56सौ रुपए को जब्त नमूनों को संग्रहित कर खाद्य प्रयोगशाला प्रेषित किया गया हैं, वहीं मौके पर आटा पीसने की चक्की और पैकिंग मशीन को भी जब्त कर खाद्य कारोबारी की अभिरक्षा में अग्रिम आदेशों तक सुपुर्द किया गया। उन्होंने बताया कि

किराना मंडी स्थित विनोद कुमार जैन के खाद्य कारोबार परिसर जैन मसाला उद्योग से मानक के अनुरूप नहीं पाए जाने के संदेह पर कुट्टू के आटे का नमूना संग्रहित करते हुए 70 किलो कुट्टू आटा को जब्त किया गया है इसके अलावा संचालित अभियान में अब तक कुट्टू आटा, साबूदाना, व्रत की नमकीन, सिंघाड़ा आटा, कुट्टू गिरी तथा मूंगफली दाना समेत कुल 20 नमूने संग्रहित किए गए है तथा साबुत कुट्टू एवं कुट्टू आटा समेत लगभग 185 किलोग्राम मांल को जब्त भी किया गया है।

विद्यालय में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण, मेधावी छात्र हुए सम्मानित

फ्यूचर लाइन टाईम्स-गाजियाबाद : लाल बहादुर शास्त्री सरस्वती शिशु एवं विद्या मंदिर में वार्षिक परीक्षा परिणाम वितरण समारोह हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ। विद्यालय के अध्यक्ष श्रीनिवास गोयल ने जानकारी दी कि इस वर्ष विद्यालय का परीक्षा परिणाम शत-प्रतिशत रहा, जिससे शिक्षकों और अभिभावकों में प्रसन्नता का माहौल देखा गया। इस अवसर पर मेधावी छात्रों को शैक्षिक पुरस्कारों से सम्मानित किया गया, साथ ही वर्षभर आयोजित विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक प्रतियोगिताओं के विजेताओं को भी पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का संचालन आचार्य मनोज कुमार शर्मा ने किया, जबकि परीक्षा परिणाम वितरण परीक्षा प्रमुख सुमन शर्मा के मार्गदर्शन में संपन्न हुआ। विद्यालय के प्रधानाचार्य संजीव राजपूत ने छात्रों को शुभकामनाएं देते हुए कहा कि उनकी मेहनत और समर्पण से यह उत्कृष्ट परिणाम संभव हुआ है।

सुप्रीम कोर्ट ने फैसला पलट दिखायी राह, किया उजाला

ललित गर्ग

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है।

नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म की कोशिश से जुड़े मामले में सुप्रीम कोर्ट ने इलाहाबाद हाई कोर्ट के फैसले पर रोक लगाकर न्याय की संवेदनशीलता को संबल दिया है, इससे जहां न्याय की निष्पक्षता, गहनता एवं प्रासंगिकता को जीवंत किया है, वहीं महिला अस्मिता एवं अस्तित्व को कुचलने की कोशिशों को गंभीरता से लिया गया है। शीर्ष अदालत के जजों ने इस फैसले को असंवेदनशील बताते हुए न केवल इलाहाबाद हाई कोर्ट के इस विवादित फैसले पर गंभीर नाराजगी दशार्यी एवं खेद प्रकट किया है, क्योंकि इलाहाबाद हाई कोर्ट ने कहा था- नाबालिग लड़की के ब्रेस्ट पकड़ना और उसके पायजामे के नाड़े को तोड़ना रेप नहीं है। सुप्रीम कोर्ट ने यौन अपराधों की गंभीरता को कम करने वाली या पीड़ितों के अनुभवों को कमतर आंकने वाली भाषा एवं सोच का इस्तेमाल न करने की चेतावनी देते हुए हाई कोर्ट के चीफ जस्टिस को भी ऐसा फैसला देने वाले जज से ऐसे संवेदनशील मामलों की सुनवाई न कराने का भी निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट के जजों ने कहा कि यह फैसला तुरंत नहीं लिया गया, बल्कि सुरक्षित रखने के 4 महीने बाद सुनाया गया यानी पूरे विचार के बाद फैसला दिया गया है। नारी अस्मिता एवं अस्तिव को कुचलने की शर्मसार करने वाली निचली अदालतों की ऐसी न्यायिक घटनाएं चिन्ताजनक है। एक बार फिर सुप्रीम कोर्ट की पहल से समाज में सकारात्मक संदेश दिया गया और महिलाओं की सुरक्षा, अस्मिता एवं अस्तित्व सुनिश्चित करने का सार्थक प्रयास भी किया गया है।

इलाहाबाद हाई कोर्ट में जस्टिस राममनोहर नारायण मिश्रा ने अपने 17 मार्च के इस फैसले में कहा था कि 'पीड़िता के स्तन को छूना और पायजामे की डोरी तोड़ने को बलात्कार या बलात्कार की कोशिश के मामले में नहीं गिना जा सकता है।' उल्लेखनीय है कि यह घटना साल 2021 में एक नाबालिग लड़की के साथ हुई थी। जिसमें तीन युवकों ने लड़की से बदतमीजी की थी और उसके प्राइवेट पॉर्टस को छुआ तथा पुल के नीचे घसीटकर उसके पायजामे की डोरी तोड़ थी। जिसे पास से गुजरने वाले ट्रैक्टर चालकों ने बचाया था। स्थानीय पुलिस से जब किशोरी के परिजनों को मदद नहीं मिली तब उन्होंने न्याय के लिये कासगंज की विशेष अदालत का दरवाजा खटखटाया था। जहां अभियुक्तों पर आईपीसी की धारा 376 व पॉक्सो एक्ट की धारा 18 लगाई गई। जिसको अभियुक्तों ने इलाहाबाद हाईकोर्ट में चुनौती दी थी। 11 साल की इस लड़की के साथ हुई इस घटना के बारे में जस्टिस मिश्रा का निष्कर्ष था कि यह महिला की गरिमा पर आघात का मामला है। इसे रेप या रेप की कोशिश नहीं कह सकते। एकल पीठ का कहना था कि मामले में तथ्यों व आरोपों के आधार पर तय करना संभव नहीं है कि बलात्कार का प्रयास हुआ था। जिसके लिये अभियोजन पक्ष को सिद्ध करना था कि अभियुक्तों का यह कदम अपराध करने की तैयारी के लिये था। इस फैसले के बाद देशभर में गहरा आक्रोश, गुस्सा एवं नाराजगी सामने आयी, महिला संगठनों व बौद्धिक वर्गों में तल्ख प्रतिक्रिया देखी गयी, सोशल मीडिया एवं मीडिया ने इसे न्याय की बड़ी विसंगति एवं अमानवीयता के रूप में प्रस्तुत किया।

महिला संगठन वी द वूमेन ऑफ इंडिया ने सुप्रीम कोर्ट का भी रुख किया था। शीर्ष अदालत के जस्टिस बीआर गवई और जस्टिस एजी मसीह की बेंच ने माना कि फैसला न केवल असंवेदनशील है बल्कि अमानवीय नजरिया भी दशार्ता है। जिसके चलते इस फैसले पर रोक लगाना आवश्यक हो जाता है। वहीं शीर्ष अदालत ने इस मसले पर केंद्र व उत्तर प्रदेश सरकार को भी नोटिस जारी किया है। यह बात किसी के गले नहीं उतर पा रही कि जब पाक्सो कानून में स्पष्ट रूप से किसी बच्चे के साथ गलत हरकतों को आपराधिक कृत्य माना गया है, तब कैसे इलाहाबाद उच्च न्यायालय के संबंधित न्यायाधीश को न्यायिक विवेचन करते समय यह गंभीर दोष नहीं जान पड़ा। महिलाओं के यौन उत्पीड़न से संबंधित कानूनों में तो उन्हें घूरने, गलत इशारे करने, पीछा करने आदि को भी आपराधिक कृत्य माना गया है। फिर उस लड़की के मामले में हर पहलू पर विचार क्यों नहीं किया गया? इस फैसले की निन्दा, भर्त्सना एवं आलोचना ने देश में एक बार फिर जताया है कि देश ऐसे संवेदनशील मामलों में जागरूक है, किसी भी तरह की लापरवाही एवं कोताही को बर्दाश्त नहीं करेगा। सुप्रीम अदालत ने देखा था कि पीछा करने, छेड़छाड़ करने और उत्पीड़न जैसे अपराधों को सामान्य बनाने वाले रवैये का 'पीड़ितों पर स्थायी और हानिकारक प्रभाव पड़ता है।' महिलाओं के सम्मान और गरिमा के प्रति सर्वोच्च न्यायालय संवेदनशील है, यही आशा की किरण है। यहां यह अपेक्षित हो जाता है कि महिला मामलों की सुनवाई करने वाले जजों को इसकी बारीकियों एवं गहनताओं का प्रशिक्षण दिया जाना चाहिए। ऐसे प्रशिक्षित जजों को ही ऐसे मामलों की सुनवाई का मौका दिया जाना चाहिए। यह भी अपेक्षित है कि ऐसे मामलों में कोताही या दुराग्रह बरतने वाले जजों के लिये उचित जांच का भी प्रावधान होना चाहिए।

महिला सुरक्षा से जुड़े मामलों में फैसला देते वक्त अदालतों से अपेक्षा की जाती है कि वे घटना, तथ्यों और प्रमाणों पर संवेदनशील तरीके से विचार करें। मगर विचित्र है कि कई बार निचली अदालतें ऐसे मामलों में आग्रह एवं पूर्वाग्रहपूर्ण निर्णय सुना देती हैं। उल्लेखनीय है कि एक ऐसे ही मामले में सुप्रीम कोर्ट ने बॉम्बे हाई कोर्ट की नागपुर बेंच के फैसले को पलट कर कानून की संवेदनशीलता को संबल दिया था। तब भी सुप्रीम कोर्ट ने वर्ष 2021 में कहा था कि किसी बच्चे के यौन अंगों को यौन इरादे से छूना पॉक्सो अधिनियम की धारा 7 के तहत यौन हिंसा माना जाएगा। अब चाहे इसमें त्वचा का संपर्क नहीं हुआ हो। कोर्ट का मानना था कि अभियुक्त का इरादा ज्यादा मायने रखता है। दरअसल, इस मामले में बॉम्बे हाईकोर्ट की महिला जज ने अभियुक्त को इस आधार पर बरी करने का फैसला लिया था कि त्वचा से त्वचा का संपर्क नहीं हुआ था। इसी तरह कलकत्ता हाईकोर्ट ने भी अक्टूबर, 2023 में एक फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की थी कि किशोरियों को अपनी यौन इच्छाओं पर नियंत्रण रखना चाहिए, वे दो मिनट के सुख के लिए समाज की नजरों में गिर जाती हैं। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट ने कहा था कि जज से यह उम्मीद नहीं की जाती है कि वे फैसला सुनाते समय अपने विचार व्यक्त करें। तब सुप्रीम कोर्ट ने यह दिशानिर्देश भी जारी किए थे कि फैसले किस तरह लिखे जाने चाहिए। इसके अलावा, कलकत्ता हाईकोर्ट के फैसले को भी पलट दिया था। ऐसे फैसले न्यायिक भ्रष्टता, संवेदनहीनता एवं लापरवाही के प्रतीक है, जिससे महिलाओं अपराधियों, बलात्कारियों, व्यभिचारियों एवं यौन शोषकों का नारी से खिलवाड़ करने का हौसला बुलन्द होता है।

देश में बढ़ रही यौन-शोषण, रेप एवं नारी दुराचार की घटनाओं को देखते हुए न्याय-व्यवस्था को अधिक सशक्त एवं निष्पक्ष बनाये जाने की अपेक्षा है। इस बात से भी इनकार नहीं किया जा सकता कि कुछ मामलों में पाक्सो और महिला सुरक्षा से जुड़े कानूनों का दुरुपयोग देखा गया है, मगर इसका अर्थ यह नहीं कि इससे किसी को हर महिला के साथ हुए दुर्व्यवहार और यौन शोषण को असंवेदनशील तरीके से देखने की छूट मिल जाती है। पहले ही महिला यौन उत्पीड़न के मामलों में शिकायतें दर्ज कराने को लेकर चुप्पी साध जाने या टालमटोल रवैया अपनाना एक गंभीर मामला है। जिसके चलते ऐसी घटनाएं बढ़ती ही जा रही है। आजीवन शोषण, दमन, अत्याचार, अवांछित बर्ताव और अपमान की शिकार रही भारतीय नारी को अब और नये-नये तरीकों से कब तक जहर के घूंट पीने को विवश होना होगा। अत्यंत विवशता और निरीहता से देख रही है वह यह क्रूर अपमान, यह वीभत्स अनादर, यह दूषित व्यवहार एवं संकुचित न्याय। न्याय की चौखट पर भी उसके साथ दोयम दर्जा एवं दुराग्रहपूर्ण सोच बदलना सर्वोच्च प्राथमिकता हो। यदि हम सच में नारी के अस्तित्व एवं अस्मिता को सम्मान देना चाहते हैं तो! ईमानदार स्वीकारोक्ति और पड़ताल से ही यह संभव होगा।

संपादकीय

भारत धर्मशाला नहीं

आप्रवास और विदेशियों विषयक विधायक 2025 अंततः लोक सभा से पारित हो गया। इधर के दिनों में विशेषकर भारत में बांग्लादेश में रोहिंग्या की भारी घुसपैठ के कारण इस विधायक की जरूरत ज्यादा ही महसूस की जा रही थी। कुछ एजेंटों तथा सक्रिय निहित स्वार्थ के कारण इन दोनों समुदायों के लोग भारत में आकर न केवल भारतीय पहचान पत्र बनवाने में सफल हो जाते हैं बल्कि अपने लिए अस्थाई और अस्थाई अजीविका भी तलाश लेते हैं। अगर मामला यहीं तक सीमित होता तब भी गनीमत थी, लेकिन इन समुदायों के लोग सामान्य से लेकर गंभीर अपराधों तक और यहां तक की भारत-विरोधी गतिविधियों में भी लिप्त पाए गए हैं। भारत सरकार तथा भारतीय हितों के पोषक लोग लंबे समय से इनके खतरे के प्रति आगाह भी करते रहे हैं और इसे नियंत्रित करने के प्रयासों पर चर्चा करते रहे हैं। इन्हीं सब की परिणति है यह नया विधेयक। इस विधेयक पर चर्चा करते हुए गृह मंत्री अमित शाह की इस बात से असहमत नहीं हुआ जा सकता कि भारत कोई धर्मशाला नहीं है कि कोई भी यहां चला आए, बस जाए और बिना किसी रोक-टोक के जो मन आए करता रहे। वास्तविक समस्या बांग्लादेशी और रोहिंग्या घुसपैठियों की नहीं बल्कि उनकी है जो उनके आगमन को संभव बनाते हैं। उनके रहने और रोजगार की व्यवस्था करते हैं और फिर उन्हें भारत विरोधी गतिविधियों का हिस्सा बनते हैं। अब देखना है कि इस नाम इस कानून के लागू होने के बाद किस तरह से घुसपैठियों पर रोक लगेगी और किस तरह से उनके विरु द्ध कार्रवाई होगी जो भारत में घुसपैठ को सुगम बनाते हैं। याद रखना चाहिए कि इन घुसपैठियों की मदद करने वाले तथा इन्हें भारत में बसने के दस्तावेज उपलब्ध कराने वालों का एक वृहद तंत्र है जो समूचे भारत में फैला हुआ है। यहां यह भी उल्लेखनीय है कि गृह मंत्री ने इस घुसपैठ को रोकने में सहयोग करने का आरोप पश्चिम बंगाल की सरकार पर भी लगाया है। उन्होंने कहा है कि बांग्लादेशी घुसपैठियों के पास जो आधार कार्ड मिलते हैं वह पश्चिम बंगाल में 24 परगना जिले के होते हैं। उम्मीद करनी चाहिए कि यह नया कानून और गृह मंत्री के प्रयास सही परिणति तक पहुंचेंगे, भारत को घुसपैठ से राहत मिलेगी और धर्मशाला खाली होगा।

चिंतन-मनन

कर्म का फल हैं योनियां

जीवों में शरीर तथा इन्द्रियों की विभिन्न अभिव्यक्तियां प्रकृति के कारण हैं। कुल मिलाकर 84 लाख भिन्न-भिन्न योनियां हैं और ये सब प्रकृतिजन्य हैं। जीव के विभिन्न इन्द्रिय-सुखों से ये योनिया मिलती हैं जो इस या उस शरीर में रहने की इच्छा करता है। जब उसे विभिन्न शरीर प्राप्त होते हैं तो वह विभिन्न प्रकार के सुख तथा दुख भोगता है। उसके भौतिक सुख-दुख शरीर के कारण होते हैं, स्वयं उसके कारण नहीं। उसकी मूल अवस्था में भोग में कोई सन्देह नहीं रहता, अतः वही उसकी वास्तविक स्थिति है। वह प्रकृति पर प्रभुत्व जताने के लिए भौतिक जगत में आता है। वैपुंठ लोक शुद्ध है, किन्तु भौतिक जगत में प्रत्येक व्यक्ति विभिन्न प्रकार के शरीर-सुखों को प्राप्त करने के लिए संघर्षरत रहता है। यह कहने से बात और स्पष्ट हो जाएगी कि यह शरीर इन्द्रियों का कार्य है। इन्द्रियां इच्छाओं की पूर्ति का साधन हैं। यह शरीर तथा हेतु रूप इन्द्रियां प्रकृति द्वारा प्रदत्त हैं और जीव को पूर्व आकांक्षा तथा कर्म के अनुसार परिस्थितियों के वश वरदान या शाप मिलता है। जीव की इच्छाओं तथा कर्मों के अनुसार प्रकृति उसे विभिन्न स्थानों में पहुंचाती है। जीव स्वयं ऐसे स्थानों में जाने तथा मिलने वाले सुख-दुख का कारण होता है।

एक प्रकार का शरीर प्राप्त होने पर वह प्रकृति के वश में हो जाता है। शरीर, पदार्थ होने के कारण प्रकृति के नियमानुसार कार्य करता है। उस समय शरीर में ऐसी शक्ति नहीं होती कि वह उस नियम को बदल सके। उदाहरण के लिए ज्यों ही वह कुत्ते के शरीर में स्थापित किया जाता है, उसे कुत्ते की भांति आचरण करना होता है। यदि जीव को शूकर का शरीर प्राप्त होता है, तो वह मल खाने तथा शूकर की भांति रहने के लिए बाध्य है। इसी प्रकार यदि जीव को देवता का शरीर प्राप्त होता है, तो उसे अपने शरीर के अनुसार कार्य करना होता है। यही प्रकृति का नियम है। लेकिन समस्त परिस्थितियों में परमात्मा जीव के साथ विद्यमान रहता है।

वैश्विकी: अमेरिका का टैरिफ युद्ध

ड़ॉ. दिलीप चौबे

पूरी दुनिया का उद्योग और व्यापार क्षेत्र २ अप्रैल (बुधवार) का इंतजार कर रहा है जब अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अन्य देशों से होने वाले आयात पर नई सीमा शुल्क की घोषणा करेंगे। भारत के उद्योग विशेष कर औषधि उत्पादक उद्योग सेक्टर पर इसका असर पड़ेगा। पिछले कुछ समय से राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ चेतावनी से निपटने के लिए विभिन्न देश अपनी तैयारी कर रहे थे। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने अपनी 10 फरवरी को अमेरिका यात्रा के दौरान राष्ट्रपति ट्रंप से इस मुद्दे पर विचारझविमर्श किया था। वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने अपने अमेरिकी कक्षा से इस जटिल मसले पर चर्चा की थी। फिलहाल भारतीय अधिकारी आश्वस्त हैं कि अमेरिका को भारत के प्रति अपेक्षाकृत अनुकूल रवैया अपनाने पर राज्य किया जा सकेगा। स्वयं राष्ट्रपति ट्रंप ने भारत के प्रति नरम रवैया अपनाने के संकेत दिए हैं। शुक्रवार को ही उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व की प्रशंसा की तथा उन्हें चतुर नेता बताया। ट्रंप के अनुसार भारत उन देशों में शामिल है जहां विदेशी आयात पर सबसे अधिक सीमा शुल्क लगाया जाता है।

राष्ट्रपति ट्रंप ने कहा कि वह 2 अप्रैल को अपने यहां होने वाले आयात पर टैरिफ बढ़ोतरी की घोषणा करेंगे। उन्होंने इस दिन को मुक्ति दिवस करार दिया साथ। उन्होंने यह भी कहा कि वह विभिन्न देशों के साथ में व्यापारिक समझौते करने को राजी हैं, लेकिन इस पर बाद में बातचीत हो सकती है। जहां तक भारत का संबंध है वह टैरिफ के मुद्दे को एक व्यापक व्यापार समझौते के साथ जोड़ना चाहता है। भारत और अमेरिका के बीच पिछले काफी वर्षों से द्विपक्षीय व्यापार समझौता करने पर चर्चा हो रही है। वास्तव में इसकी शुरू आत पिछले ट्रंप प्रशासन के दौरान हुई थी, लेकिन इस पर तत्परता से कार्रवाई नहीं की गई। दोनों देश यथास्थिति कायम रखने पर राजी रहे। लेकिन राष्ट्रपति ट्रंप ने अपने अपनी 'अमेरिका फर्स्ट नीति' को अपने दूसरे कार्यकाल में सबसे बड़ी प्राथमिकता माना है। इसी के अनुरूप उनकी नीति है कि हमारे माल पर जितना टैरिफ लगेगा दूसरे देशों से भी उतना टैरिफ वसूल किया जाएगा। इसमें यूरोप समेत अमेरिका के सहयोगी देशों को भी कोई रियायत नहीं दी जाएगी।

विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने हाल में ही कहा कि द्विपक्षीय व्यापार समझौते की वार्ता के दौरान देश के हितों का ख्याल रखा जाएगा। कुछ विश्लेषकों के अनुसार भारत पर यह दबाव होगा कि वह अपने बाजार को अमेरिकी उत्पादन के लिए आसान बनाएं। मोदी सरकार देश के कृषि उद्योग के हितों के साथ किसी प्रकार का समझौता करने का जोखिम नहीं उठा सकती।

कुछ जानकारों के अनुसार द्विपक्षीय व्यापार समझौते के दौरान भारतीय पक्ष को अमेरिका में किसानों को मिलने वाली सब्सिडी का मुद्दा उठाना चाहिए। अमेरिका में किसानों को भारी सब्सिडी मिलती है जिसके कारण कृषि लागत कम होती है तथा अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रतिस्पर्द्धा में उन्हें फायदा होता है। अमेरिका सब्सिडी के मुद्दे को व्यापार समझौते से अलग रखना चाहता है। अमेरिका की शर्तों को यदि मान गया तो भारत के खाद्यान्न, डेयरी और मुर्गी पालन क्षेत्र को नुकसान होगा।

राष्ट्रपति ट्रंप की टैरिफ नीतियों को आर्थिक संरक्षणवाद ही नहीं बल्कि व्यापार युद्ध की संज्ञा दी जा रही है। सबसे अधिक पीड़ित अमेरिका के सहयोगी देश हैं। वास्तव में टैरिफ नीति अमेरिका की विदेश नीति का एक हिस्सा नजर आता है। यूक्रेन युद्ध के संबंध में ट्रंप प्रशासन ने जो रवैया अपनाया है उससे यूरोपीय देश पहले से ही क्षुब्ध हैं। अब अमेरिका के साथ यूरोप के राजनीतिक और सैन्य ही नहीं बल्कि आर्थिक संबंध भी प्रभावित होने का खतरा है।

प्रवासी लोगों का हिमाचल में दखल,घातक होगा आने वाला कल

नरेन्द्र भारती

देवभूमि के नाम से विख्यात हिमाचल में प्रवासी लोगों व मजदूरों व महिलाओं का दखल आने वाले कल के लिए घातक सिद्ध होगा। अपराधिक प्रवृति के प्रवासी हिमाचल को अपराध की शरणस्थली बना रहे है।सरेआम हत्याएं कर रहे है।बेखौफ होकर कत्लेआम व अपहरण कर रहे है। मंडी में दो वरदातें हुई हैं एक सप्ताह पहले प्रवासी लोगों ने एक ढाबा मालिक पर गोलीवारी से जनमानस खौफजदा है अभी इस घटना की स्याही भी नहीं सूखी थी की नेरचौक में प्रवासी महिलाओं ने एक महिला के 35000 हजार रुपए लूटने का असफल प्रयास किया लेकिन महिला की बहादुरी से यह डकैती करने वाली पकड़ी गई और पैसा बरामद हो गया ' ऐसी वरदातों पर संज्ञान लेना होगा ताकि आने वाले भविष्य में ऐसी घटना न हो सके '4 नवबंर 2018 रविवार को मण्डी जिला के कनैड में प्रवासी मजदूरों ने एक कारोबारी की हत्या कर दी थी ।खूनी वारदात से लोग दहशत के साए में थे ।पुलिस ने प्रवासी को राजस्थान से गिरफतार कर लिया था ।यह असम का रहने वाला था । दूसरा अपराधी अभी फरार हो गया था । प्रवासी लोगों की वारदातें थमने का नाम नहीं ले रही है।प्रशासन व पुलिस को इन हत्याओं की घटनाओं पर संज्ञान लेना चाहिए ताकि फिर कोई प्रवासी ऐसा जघन्य अपराध न कर सके।प्रवासियों की वारदातें बढती ही जा रही है। गत वर्षो दिन-दहाडे ही संतोषगढ में बस में सवार एक गिरोह ने महिला की गले की चेन काटने व झपटने का प्रयास किया तो महिला ने उसे पकड़ लिया था जबकि गिरोह के दूसरे सदस्य फरार हो गए थे । विदेशी नेपाली व अन्य राज्यों से आए प्रवासी लोगों द्वारा प्रदेश में अपराधिक घटनाओं व चोरियों व हत्याओं की वारदातों को अंजाम दिया जा रहा है जिससे हिमाचली जनमानस खौफजदा है।प्रवासी बेखौफ होकर प्रदेश में अराजकता फैला रहे हैं इसे कानून व्यवस्था की लारपवाही कहना गलत नही होगा समझ नहीं आता कि यह प्रवासी बार-बार अपराधिक वारदातों को कर रहे है और प्रशासन कुभंकरणी नींद सोया हुआ है यह दुर्भाग्य की बात है कि बाहरी लोग प्रदेश की शांति को ग्रहण लगा रहे है यदि समय रहते इन प्रवासी लोगों के खिलाफ कारवाई न की तो फिर पछताने के सिवाए कुछ हासिल नहीं होगा।प्रवासी हर रोज प्रदेश में चोरियां-डकैतियां कर रहे है लोगों को लूट रहे है ऐसी वारदातें निरंतर बढ़ती जा रही हैं। गत वर्ष नेरचैक में कुछ प्रवासी महिलाओं के डकैती करने वाले गिरोह ने बैंक से पैसा निकालकर बाहर निकली एक युवती का बैग काटकर 50 हजार रुपये उडा लिए थे। बारदात को अंजाम देने के दूसरे दिन इन महिलाओं ने मंडी बाजार में भी एक महिला का बैग काटा तो मौके पर ही इन महिलाओं को पकड़ लिया था बाद में उनसे नेरचौक से महिला से चुराये पैसे भी बरामद हो गए थे।कुछ साल पहले से प्रवासी ने चलती बस में मंडी में एक युवती पर तेजाब फैंककर उसका चेहरा जला दिया था तेजाब के कारण लडकी की आखें व चेहरा बुरी तरह झुलस गया था।तेजाब के छीटों से अन्य यात्रियों को भी नुक्सान पंहुचा था। प्रवासीयों की करतूतों के रौगटें खडे. कर देने वाले प्रमाण जिला कांगड़ा के पालमपुर और राजधानी शिमला के ठियोग में देखने को मिले इन दोनों घटनाओं को अंजाम देने वाले प्रवासी ही थे पहली घटना में ठियोग में एक बाप ने अपनी तीन साल की बेटी की गला रेत कर निर्मम हत्या कर दी थी यह प्रवासी झारखंड़ का था तथा यहां मजदूरी करने आया था और दूसरी घटना में एक प्रवासी ने एक तीन साल की अबोध बच्ची के साथ दुष्कर्म किया था यह कारपेंटर का काम करता था तथा यह प्रवासी लुधियाना का रहने वाला था। प्रवासियों की इन वारदातों से देवभूमी की साख पर बटटा लगता जा रहा है।प्रवासियों द्वारा प्रदेश में अराजकता के मामले घटित होते रहते है प्रशासन द्वारा इन पर कुछ समय सख्ती बरती जाती है फिर भी प्रवासी लोग नई घटनाओं को अंजाम देते रहते हैं।हर जिला में प्रवासी लोगों के काले करानामों की करतूते देखने को मिलती रहती है।लगभग चार साल पहले कुल्लु में नेपाल के चोर नरबहादुर ने अधिष्ठाता भगवान रघुनाथ की मूर्ति को 8 दिसंबर 2014 को चुराया था मगर प्रदेश पुलिस की तत्परता से 45 दिनों की कड़ी मश्क्कत से इस मूर्ति चुराने वाले अपराधी को नेपाल में गिरफतार करके मूर्तियों को कुल्लू से बरामद कर लिया था। इसने मूर्तियों को कुल्लु के आसपास ही दबाया था जिसे पुलिस ने खोज लिया था।आज प्रदेश में हजारों की संख्या में प्रवासी प्रवास कर रहे है।हर जिलें में यह लोग नजर आ रहे है।कुछ लोगों बिना पंजीकरण के घूम रहे है प्रशासन और पुलिस को इनका पजीकरण करना चाहिए ताकि अपराधिक व असमाजिक तत्वों की पहचान हो सके।आज प्रवासी प्रदेश के हर शहर व गांव में नकली व घटिया सामान बेच रहे है गत वर्ष स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों ने सुन्दरनगर में प्रवासीयों की झुग्गियों-झोपडीयों में छापामारी करके नकली शहद पकड़ा था। हमीरपुर के एक बैंक से प्रवासियों द्वारा 32 लाख रुपयों से भरे बैग को चुरा लिया था जिसमें मध्यप्रदेश के लोग संलिप्त पाए गए थे।भले ही पुलिस ने इनसे कुछ पैसे बरामद कर लिए इन प्रवासियों ने यह पैसे करनाल के जंगल में जमीन में दबाकर रखे थे पुलिस की सक्रियता के कारण ही इन चोरों केा पकड़ा गया था। इन चोरों ने बीते अगस्त माह में 32 लाख रुपयों से भरा बैग चुराया था। इसमें चोरी करने वाले बच्चो की उम्र महज 15 साल तक थी। ऐसे पता नहीं कितने गिरोह प्रदेश में है इस वारदात के बाद भी यह प्रवासी निरंतर चोरियां कर रहे हैं। प्रदेश में हर रोज एटीएम कार्ड बदल कर लोगों को लुटा जा रहा है उसमें अधिकतर प्रवासी लोग ही पकड़े जा रहे है।आज प्रदेश में नेपाल, बिहार, उतरप्रदेश, झारखंड,राजस्थान,व जम्मू कश्मीर के प्रवासी लोग आजिविका कमा रहे है यह लोग पेंटर, मिस्त्री, बढ़ई का काम करते है प्रदेश में खडडों में रेत बतरी छानने का काम करते है कुछ गरीब लोग परिवार पालने के लिए मेहनत मजदूरी कर रहे है और शांति से रहते है कई प्रवासी मेलों मे खिलौने बेचकर रोजी रोटी कमा रहे है, मगर कुछ अपराधिक प्रवृति के लोग यहां भी अपने राज्यों जैसी अपराधिक वारदातों को कर रहे है अपराधों की शरणस्थली बना रहे है। अगर प्रदेश के लोग एकजुट होकर इन पर नजर रखें तो उनके यह मसूबें पूरे नही होगें। प्रदेश में यह लोग काम कर रहे है अच्छा है मगर अपराध की जो इबारतें लिख रहे है वह अशुभ सकेंत है। प्रदेश के लोग चंद पैसों के लालच में इन प्रवासी लोगों मकान किराए पर देतें है जब यह लोग वारदाते करते है तब होश आती है मकान देने से पहले इन लोगों का पुलिस में पंजीकरण होना जरुरी है मगर कौन पूछ रहा है ऐसे मकान मालिको पर शिंकजा कसना चाहिए जो बिना पहचान पत्र व बिना पंजीकरण के इन प्रवासियों को आश्रय दे रहे है। प्रदेश की महत्वपूर्ण परियोजनाओं में ज्यादातर प्रवासी लोग की काम कर रहे है प्रशासन को इनका पंजीकरण करवाना चाहिए ताकि इनका रिकार्ड रखा जा सके ।यह लोग प्रदेश की भोली-भाली लड़कियों व विवाहित महिलाओं को भगाकर ले जा रहे हैं । आजकल सर्दियों के दस्तक देते ही कश्मीरी लोग कंबल व शाल बेचने के लिए गांव-गांव में घूमने शुरू हो गए है यह लोग सर्दियों के अंत तक प्रदेश मे रहते है इन लोगों का प्रदेश की सीमाओं पर ही पंजीकरण करना चाहिए जो अपराधिक गतिविधियों में संलिप्त होगा उसे वापस भेजकर कानूनी कारवाई करनी चाहिए ताकि ऐसे लोगों की पहचान हो सके।

मोदी अपने नागरिकों से नियमित संवाद करने वाले विश्व के एकमात्र नेता: रेखा गुप्ता

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी का मासिक संवाद 'मन की बात' देश के कोने-कोने से मिले अनुभवों को जनता से साझा करने का माध्यम है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी विश्व के एकमात्र ऐसे नेता हैं जो अपने देश के नागरिकों से नियमित संवाद करने के साथ-साथ उनका ज्ञानवर्धन भी करते हैं। मुख्यमंत्री ने रविवार को कालकाजी विधानसभा में आयोजित 'मन की बात' कार्यक्रम को सुना।

दिल्ली भाजपा ने रविवार को प्रदेश के विभिन्न स्थानों पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'मन की बात' को सुनने के कार्यक्रम का आयोजन किया गया। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा के नेतृत्व में विभिन्न स्थानों पर आयोजित कार्यक्रम में भाजपा नेताओं ने स्थानीय लोगों के साथ मिलकर 'मन की बात' कार्यक्रम के 120 वें एपिसोड को सुना।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने प्रदेश कार्यालय में सांसद योगेंद्र चांदोलिया एवं नरेश अग्रवाल, प्रदेश पदाधिकारियों, स्थानीय गोल मार्केट समिति भाजपा कार्यकर्ता और भाजपा कार्यालय कर्मचारियों के साथ मन की बात कार्यक्रम को सुना। इस मौके पर महेंद्र नागपाल, योगेश अत्रेय और विजय सोलंकी, कार्यालय मंत्री बृजेश राय और सह कार्यालय मंत्री अमित गुप्ता उपस्थित थे।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि 'मन की बात' कार्यक्रम में जो जानकारी दी गई वह हम सब के लिए नई थी। आज जिस प्रकार से उन्होंने महुआ के बिस्किट की जानकारी दी वह सबके लिए नई जानकारी थी। उन्होंने कहा कि भारत के दूरदराज की विशेषता बताना 'मन की बात' कार्यक्रम का महत्वपूर्ण हिस्सा है और यही इस कार्यक्रम को विशेष बनाता है।

वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि आज 'मन की बात' कार्यक्रम एक चेतना का कार्यक्रम का बन चुका है। खासकर युवाओं के लिए यह एक सिर्फ कार्यक्रम ही नहीं बल्कि देश और दुनिया की जानकारी का एक स्रोत बन चुका है। उन्होंने कहा कि आज के 'मन की बात' कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेन्् मोदी ने जल संरक्षण, खेलो इंडिया सहित कई मुद्दों के बारे में भी बताया जिसको अपनाकर हम अपने जीवन को सार्थक और सरल बना सकते हैं।

कालकाजी विधानसभा में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री के साथ-साथ भाजपा सांसद रामवीर सिंह बिधूड़ी, कालकाजी से निगम पार्षद योगिता सिंह एवं निगम पार्षद चंद्र प्रकाश, जिला अध्यक्ष राजकुमार चौटाला और अन्य पदाधिकारियों ने 'मन की बात' को सुना।

पुलिस ने अवैध रूप से रह रही दो बांग्लादेशी महिलाओं को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली (एजेंसी)। पूर्वी जिला पुलिस ने अवैध रूप से भारत में रह रहीं दो बांग्लादेशी महिलाओं को गिरफ्तार किया है। इनकी पहचान आतिफा (24) और असमा (24) के रूप में हुई है। दोनों अवैध रूप से भारत में दाखिल हुई थीं। पूछताछ के बाद दोनों को डिटेंशन सेंटर भेजकर एफआरआरओ को खबर दे दी गई है। इनके डिपोर्ट की प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। पूर्वी जिले के डीसीपी अभिषेक धानिया ने रविवार को बताया कि 19 नवंबर 2024 से चल रहे अभियान के तहत पूर्वी जिला की टीम अब तक 9 बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान कर उनको डिपोर्ट करवा चुकी है। डीसीपी के अनुसार उनकी टीम लगातार बांग्लादेशी नागरिकों की पहचान के लिए अभियान चला रही है। इसी क्रम में जांच करते हुए पुलिस ने दोनों बांग्लादेशी महिलाओं को पकड़ा है। दोनों भारत की पहचान बनाकर विदेश भागने की फिराक में थीं। पुलिस के मुताबिक आतिफा ढाका, बांग्लादेश के रहने वाली है और अविवाहित है। वहीं असमा भी ढाका की रहनी वाली है। वह शादीशुदा है। पुलिस इनसे पूछताछ कर पता कर रही है कि यह लोग कब से भारत में रह रहे थे। इसके अलावा किसकी मदद से यह लोग भारत में आए। वहीं पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि अभी तक की जांच में पता चला है कि दोनों पश्चिम बंगाल से भारत में दाखिल हुईं। इसके बाद ट्रेन से दिल्ली आईं।

तेज रफ्तार कार पेड़ से टकराई, दो की मौत

नई दिल्ली (एजेंसी)। पश्चिमी जिले के नारायणा इलाके में शनिवार रात एक तेज रफ्तार कार पेड़ से टकरा गई। हादसे में दो युवकों की मौत हो गई। जबकि दो लोग गंभीर रूप से घायल हैं। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए नजदीकी अस्पताल के शवगृह में सुरक्षित रखवा दिया है। पुलिस के मुताबिक मृतकों की पहचान लक्षित नेगी और यश वर्मा के रूप में हुई है। जबकि घायल यश गुप्ता और हिमांशु का अस्पताल में उपचार चल रहा है। नारायणा पुलिस मामला दर्ज कर घटना की जांच कर रही है। पश्चिमी जिले के डीसीपी विचित्र वीर के अनुसार बीती देर रात 2-45 बजे पुलिस को सूचना मिली कि नारायणा इलाके में तेज रफ्तार सियाज कार एक पेड़ से टकरा गई है। मामले की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने देखा कार में चार लोग घायल हालत में पड़े हुए है। पुलिस ने सभी को तुरंत नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। जहां डॉक्टरों ने लक्षित नेगी और यश वर्मा को मृत घोषित कर दिया। लक्षित का निजी कारोबार है पुलिस के अनुसार सभी लोग हरि नगर इलाके के रहने वाले हैं। फिलहाल पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी फुटेज को खंगाल कर मामले की जांच कर रही है।

शकरपुर में भगवान श्री राम की शोभायात्रा निकाली

नई दिल्ली (एजेंसी)। देशभर में रामनवमी पर्व के उपलक्ष्य में तमाम मंदिरों तथा मंदिर संस्थाओं में जबरदस्त उत्साह है। आज श्रीकृष्ण मंदिर, शकरपुर सनातन धर्म सभा ने नवरात्रि के प्रथम दिन भगवान श्री राम की शोभा यात्रा निकाली गई। बड़ी संख्या में श्रद्धालु जय सियाराम के नारे लगाते हुए पूरे शकरपुर में नाचते गाते हुए रथ आदि के साथ तथा सुंदर भगवान श्रीराम परिवार, शिव परिवार से सुसज्जित रथ आदि के साथ शोभा यात्रा में सम्मिलित रहे। इस अवसर क्षेत्र के प्रमुख एवं प्रमुख समाजसेवी सहित सैकड़ों की संख्या में श्रद्धालु आदि कार्यक्रम में सम्मिलित रहे। थाना शकरपुर की ओर से यात्रा को सुरक्षा व्यवस्था एवं रास्तों से निकलने में होने वाली परेशानी से निजात भी दिलाई। शोभा यात्रा श्री कृष्ण मंदिर गणेश नगर शकरपुर, श्रीकृष्ण मंदिर मार्ग, मदर डेयरी रोड, शकरपुर मेन मार्केट विकास मार्ग होते हुए वापस श्री कृष्ण मंदिर पर आकर समाप्त हुई।

हेडगेवार की जयंती पर रक्तदान शिविर लगाया

नई दिल्ली (एजेंसी)। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के शताब्दी वर्ष में संघ संस्थापक डॉ केशव राव बलिराम हेडगेवार के जन्मदिवस पर डॉ हेडगेवार स्मृति समिति द्वारा सूरजमल विहार में 'रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का शुभारंभ राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के सह प्रांत कार्यवाह उत्तम, पूर्वी विभाग के सह विभाग कार्यवाह सुरेश व गीता बाल भारती की प्रिंसिपल शालिनी मिढ़ा द्वारा दीप प्रज्वलित कर किया गया। दिल्ली प्रांत के सहकार्यवाह उत्तम द्वारा रक्तदाताओं को समिति के उद्देश्यक बारे अवगत करा उनका मनोबल बढ़ाया गया। शिविर में 70भगिनी व बंधुओं ने रक्तदान किया। इस कार्यक्रम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के विभाग संघचालकवीरेश, समिति अध्यक्ष अशोक भूटानी, उपाध्यक्ष ओमपाल गौड़, सचिव संजीव, कोषाध्यक्ष मोहन , संजय जिंदल के अतिरिक्त अन्य गणमान्य बंधुओं का महत्वपूर्ण योगदान रहा।

दिल्ली के स्कूलों में नौवीं और ग्यारहवीं के फेल छात्रों की समीक्षा हो: पंचायत संघ

–गत वर्षों के दिल्ली शिक्षा मॉडल की भी जांच हो। थान सिंह यादव

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली पंचायत संघ के प्रमुख थान सिंह यादव ने दिल्ली सरकार और शिक्षा मंत्री से अपील की है कि वे नौवीं और ग्यारहवीं कक्षा में फेल हुए छात्रों की विस्तृत समीक्षा करें। पंचायत संघ का मानना है कि लगातार पास होते आ रहे बच्चों का इन कक्षाओं में अचानक असफल होना गंभीर चिंता का विषय है, जिस पर तत्काल ध्यान देने की आवश्यकता है।

थान सिंह यादव ने कहा कि दिल्ली देहात, गांवों और गरीब तबके के छात्रों के अभिभावक अपनी आजीविका के कारण अपने बच्चों की शिक्षा पर पूरा ध्यान नहीं दे पाते और सरकारी स्कूलों पर ही निर्भर रहते हैं। जब तक छात्र प्राथमिक और मध्यम कक्षाओं में होते हैं, तब तक वे आसानी से पास हो जाते हैं, लेकिन नौवीं और ग्यारहवीं में अचानक असफल हो जाना यह दर्शाता है कि स्कूलों की जिम्मेदारी तय की जानी चाहिए।

दिल्ली पंचायत संघ की मांग है कि शिक्षा मंत्री इसकी जांच कराएं कि आखिर क्यों नौवीं और ग्यारहवीं में अधिक संख्या में छात्र असफल हो रहे हैं। सरकार को सभी सरकारी स्कूलों से रिपोर्ट मंगवाकर इस मुद्दे पर ठोस कदम उठाने चाहिए। गरीब और मध्यमवर्गीय परिवारों के बच्चे ट्यूशन नहीं पढ़ पाते और पूरी तरह से स्कूलों की शिक्षा पर निर्भर रहते हैं, ऐसे में यह सरकार की जिम्मेदारी बनती है कि वह इन छात्रों के लिए विशेष नीति बनाए।

इसके अलावा, यह भी संज्ञान में आया है कि दसवीं और बारहवीं कक्षा का परिणाम बेहतर दिखाने के लिए नौवीं और ग्यारहवीं के छात्रों को परीक्षा परिणामों में सख्ताई होती हैं। इससे कमजोर छात्रों को उच्च कक्षाओं में पहुंचने का अवसर नहीं मिल पाता और उनकी शिक्षा बाधित हो जाती है। सरकार को इस प्रवृत्ति की जांच कर इसके लिए जिम्मेदार स्कूल के प्रबंधकों व प्रधानाचार्यों की जिम्मेदारी तय करनी चाहिए।

पंचायत संघ प्रमुख थान सिंह यादव ने यह भी कहा कि सरकार को सीबीएसई की दसवीं और बारहवीं की बोर्ड परीक्षाओं के परिणामों के आधार पर शिक्षा की गुणवत्ता नहीं मापनी चाहिए, बल्कि नौवीं और ग्यारहवीं में छात्रों के प्रदर्शन के आधार पर स्कूलों का आकलन किया जाना चाहिए। ओर दिल्ली सरकार इन कक्षाओं में पढ़ने वाले छात्रों व पढ़ाने वाले शिक्षकों ओर स्कूल इंचार्ज को लेकर समन्वय समिति गठित कर और आवश्यक सुधारात्मक कदम उठाए।

आप नेता सौरभ भारद्वाज ने बीजेपी पर फरिश्ते योजना को बंद करने का लगाया आरोप

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली की सड़कों पर दुर्घटनाओं में घायल लोगों की जान बचाने वाली 'फरिश्ते योजना' को बीजेपी सरकार के अपने पहले बजट में ही बंद करने का आरोप लगा है। इस पर आम आदमी पार्टी (आप) ने बीजेपी पर जोरदार हमला बोला है। आप नेता सौरभ भारद्वाज का आरोप है कि फरिश्ते योजना को बंद कर बीजेपी ने हजारों लोगों की जिंदगी से खिलवाड़ किया है। उन्होंने कहा कि यह योजना बंद करने वालों को 'राक्षस' कहा जाना चाहिए।

क्या थी फरिश्ते योजना?

फरिश्ते योजना को 2017 में अरविंद केजरीवाल सरकार ने शुरू किया था। इसके तहत सड़क दुर्घटना में घायल लोगों को नज़दीकी निजी अस्पताल में तुरंत भर्ती कराया जाता था। इलाज का पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाती थी। योजना का उद्देश्य लोगों को इलाज में देरी के कारण होने वाली मौतों से बचाना था। इस योजना के तहत करीब 10, 000 से अधिक लोगों की जान बचाई गई।

बीजेपी सरकार ने योजना को क्यों बंद किया?

आप के दिल्ली प्रदेश अध्यक्ष और विधायक सौरभ भारद्वाज ने आरोप लगाया कि बीजेपी सरकार ने सत्ता में आते ही इस जन-हितकारी योजना को बंद कर दिया। उन्होंने कहा, ÷2023 में जब मैं मंत्री था, तब एलजी साहब के अफसर इस योजना का बजट रोकना चाहते थे। मैंने कोर्ट में अपील की थी। कोर्ट के हस्तक्षेप के बाद अफसरों ने बजट जारी किया और योजना को चालू रखा गया। अब बीजेपी ने सरकार बनते ही फरिश्ते योजना को बंद कर दिया।'

आप का बीजेपी पर हमला

सौरभ भारद्वाज ने कहा कि फरिश्ते योजना ने हजारों लोगों की जान बचाई, लेकिन बीजेपी ने इसे बंद कर अपनी संवेदनहीनता दिखाई है। उन्होंने कहा, ÷दिल्ली की जनता की ज़िंदगी बचाने वाली योजना को बंद करने वाले राक्षस हैं। पहले अपने एलजी के जरिए इस योजना को रुकवाने में नाकाम रही बीजेपी ने सत्ता में आते ही इसे खत्म कर दिया। ÷

फरिश्ते योजना से जुड़ा विवाद

आप का कहना है कि 2023 में ही बीजेपी ने एलजी और अधिकारियों की मदद से योजना का बजट रोकने की कोशिश की थी, ताकि इसे बंद किया जा सके। हालांकि, अदालत के हस्तक्षेप के बाद योजना जारी रही। अब बीजेपी ने सत्ता में आते ही इसे बंद कर दिया है।

आप नेताओं का कहना है कि फरिश्ते योजना बंद होने से सड़क हादसों में घायल लोगों को त्वरित इलाज नहीं मिल पाएगा, जिससे उनकी जान बचाना मुश्किल हो सकता है। वहीं, दिल्ली सरकार का कहना है कि वह जल्द ही स्वास्थ्य क्षेत्र के लिए नई योजनाएं लाने पर विचार कर रही है, लेकिन फरिश्ते योजना के स्थान पर कोई वैकल्पिक स्कीम की घोषणा नहीं की गई है।

फरिश्ते योजना से जुड़ी मुख्य बातें

2017 में केजरीवाल सरकार ने योजना की शुरुआत की।

अब तक 10, 000 से अधिक लोगों की जान बचाई गई।

इलाज का पूरा खर्च दिल्ली सरकार उठाती थी।

बीजेपी सरकार ने बजट में इस योजना को खत्म कर दिया।

सत्ता मिलते ही विधायकों का वेतन बढ़वाना याद आया भाजपा को : परमानन्द शर्मा

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली, 30 मार्च (वेब वार्ता)। अपनी सरकार की शपथ ग्रहण के डेढ़ माह के भीतर ही विधायकों के वेतन बढ़वाने के लिए भाजपा के प्रयास यह साबित करते हैं भाजपा सत्ता किसलिए चाहती थी। यह कहना है राम नगर वार्ड से कांग्रेस का नगर निगम चुनाव लड़े वरिष्ठ कांग्रेस नेता परमानन्द शर्मा का। परमानन्द शर्मा कहते हैं इस प्रयास से यह भी साबित हो गया है कि भाजपा और आम आदमी पार्टी एक दूसरे का विरोध केवल दिखावे के लिए ही करते हैं जबकि जहां इन दोनों पार्टियों की स्वार्थ सिद्धि होती हैं दोनों एक साथ हो जाती हैं। परमानन्द शर्मा कहते है जिस तरह जब आम आदमी पार्टी सरकार नें विधायकों के वेतन में भारी बढ़ोतरी की थी उस समय भाजपा विधायकों नें कोई विरोध नहीं जताया था और उसी तरह अब भाजपा सरकार विधायकों का वेतन बढ़ाना चाहती है तो आम आदमी पार्टी जो हर मुद्दे पर शोर मचाती है लेकिन इस मुद्दे पर उसकी चुप्पी साबित करती है दोनों पार्टियों में आपसी विरोध के नाम पर नूराकुश्ती ही चलती है। परमानन्द शर्मा नें विधायकों के वेतन वृद्धि के निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए कहा कि यह आम जनता के साथ विश्वासघात है। आम आदमी पार्टी और भाजपा की मिलीभगत से यह फैसला लिया गया है। ऐसे समय में जब दिल्ली की आर्थिक स्थिति लगातार गिर रही है, और आम जनता को महंगाई और बेरोजगारी की मार झेलनी पड़ रही है, विधायकों के वेतन में इतनी जल्दी वृद्धि करना जनता के साथ धोखा है, क्योंकि 2023 में दिल्ली के विधायकों के वेतन में 66 प्रतिशत की वृद्धि की गई थी। परमानन्द शर्मा कहते हैं भाजपा की सरकार ने जनहित योजनाओं का बजट घटाकर विधायकों का वेतन बढ़ाकर शिक्षा, जल आपूर्ति, स्वच्छता, आवास एवं शहरी विकास, ऊर्जा, कृषि एवं ग्रामीण विकास, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण जैसी आवश्यक योजनाओं के बजट में कटौती की है। उदाहरण के लिए जल आपूर्ति और सेनिटेशन प्रोजेक्ट्स के बजट को 18 प्रतिशत से घटाकर 15 प्रतिशत कर दिया गया है। ऐसे में विधायकों के वेतन में बढ़ोतरी जनता के पैसे का गलत उपयोग होगा। परमानन्द शर्मा कहते हैं आप पार्टी और भाजपा की मिलीभगत को उजागर करते हुए कहा कि दिल्ली विधानसभा में बजट सत्र के दौरान भाजपा और आप के विधायकों ने एक सुर में वेतन वृद्धि की मांग की थी, जिसके बाद सरकार ने पांच सदस्यीय समिति का गठन कर दिया। यह समिति दो सप्ताह में अपनी रिपोर्ट प्रस्तुत करेगी। ज्ञात हो कि दिल्ली के विधायकों के वेतन वृद्धि फरवरी 2023 में पहले ही 66 प्रतिशत हो चुकी है, उस समय वेतन 54, 000 रुपये से बढ़ाकर 90, 000 रुपये प्रति माह कर दिया गया था। इसके अलावा, मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्रियों, स्पीकर, डिप्टी स्पीकर, चीफ व्हिप और नेता प्रतिपक्ष का वेतन 72, 000 रुपये से बढ़ाकर 1 लाख 70 हजार रुपये कर दिया गया था।

हिंदू नव वर्ष पर संगम विहार में हवन यज्ञ कर हिन्दू राष्ट्र पंचायत का आयोजन किया

नई दिल्ली (एजेंसी)। आज विक्रम संवत 2082 हिन्दू नववर्ष के पावन अवसर पर देव वाटिका, होली चौक, कप्तान फार्म हाउस, नियर डाकघर, संगम विहार, दिल्ली में हवन यज्ञ कर दुर्गा मां से राष्ट्र विरोधी, हिन्दुत्व विरोधी, जिहादी रोहिंग्याओं से देश को मुक्ति दिलाने हेतु हिन्दू राष्ट्र पंचायत का आयोजन कर भारत को हिन्दू राष्ट्र घोषित करवाने का संकल्प लिया गया और क्षेत्रवासियों को हिन्दू राष्ट्र के निमार्ण हेतु खड़े होने का संकल्प दिलवाया।

इस अवसर पर फ्रंट के अंतर्राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष, राष्ट्रवादी शिवसेना के राष्ट्रीय अध्यक्ष व वरिष्ठ भाजपा नेता श्री जय भगवान गोयल जी ने क्षेत्र में बढ़ रही लव-जिहाद की घटनाओं और हो रहें हिन्दू पलायन को रोकने के लिए सभी क्षेत्रनिवासियों को जात-पात, क्षेत्रवाद, भाषावाद से ऊपर उठकर एकजुट होकर ''एक है तो सेफ है'' के स्लोगन पर अमल करने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि आज हमे संकल्प लेना है शास्त्र और शस्त्र से देश आगे बढ़े और सभी हिन्दू भोले बाबा की शक्ति व आशीर्वाद का प्रतिक शिवास्त्र अवश्य धारण करें।

श्री गोयल ने कहा कि इंदिरा गांधी ने आपातकाल के दौरान 2 नवंबर 1976 को संविधान में संशोधन करके 'धर्मनिरपेक्ष' शब्द जोड़ा था। अब हमारा भाव है कि लोकसभा में संविधान संशोधन कर भारत को विधिवत रूप से हिंदू राष्ट्र घोषित किया जाए। इसके लिए हम सभी को एकजुट होकर आज से ही प्रयास करना होगा। कार्यक्रम का आयोजन विनोद नहाल, दिलबाग सिंह, नसीब सिंघल, विजय सहगल, दूष्यंत भूरे, दीपक मिश्रा, ओमपाल सिंघल और मास्टर जे.पी.सिंह द्वारा किया गया।

इस अवसर पर श्रीमती गीता सिंघल (निगम पार्षद), श्रीमती माया सिंह बिष्ट (पूर्व निगम पार्षद), श्री बलवीर सिंह, श्री दीलिप सिंह चौहान, श्री हरवीर मान, श्री धर्मेन्द्र बेदी (राष्ट्रीय उपाध्यक्ष), श्री प्रेम चन्द गुप्ता (उपाध्यक्ष, दि.प्र.), श्री विष्णु गर्ग (उपाध्यक्ष, दि.प्र.), श्री अवध कुमार (संगठन महामंत्री), श्रीकांत यादव (सचिव, दि. प्र.), आदि पदाधिकारी उपस्थित रहें।

'नारी शक्ति 2.0 कॉन्क्लेव' में महिलाओं के स्वास्थ्य और सशक्तिकरण पर केंद्रित संवाद

नई दिल्ली (एजेंसी)। महिलाओं के स्वास्थ्य, सशक्तिकरण और स्तन एवं गर्भाशय ग्रीवा कैंसर के खिलाफ जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित 'नारी शक्ति 2.0 – शक्ति, स्वास्थ्य और परिवर्तन का संगम' कॉन्क्लेव अत्यंत सफल रहा। मेडीवेज हेल्थ फाउंडेशन और इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 301 के संयुक्त प्रयास से आयोजित इस कार्यक्रम में चिकित्सा विशेषज्ञों, उद्योग जगत के नेताओं और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भाग लिया। उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य पर व्यापक संवाद किया और इस दिशा में ठोस कदम उठाने की प्रतिबद्धता जताई। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि श्रीमती शोभा विजेंद्र गुप्ता के उद्घाटन भाषण से हुआ, जिसमें उन्होंने महिलाओं के स्वास्थ्य के प्रति गंभीरता और तत्काल कार्रवाई की आवश्यकता पर बल दिया। इस कॉन्क्लेव में विशेषज्ञों ने विभिन्न स्वास्थ्य मुद्दों पर अपने विचार साझा किए. मनीषा सक्सेना, वरिष्ठ परामर्शदाता, प्रसूति एवं स्त्री रोग विशेषज्ञ, प्राइमाकेयर क्लियरमेडी हॉस्पिटल, ने स्तन और गर्भाशय ग्रीवा कैंसर की समय पर पहचान और नियमित जांच के महत्व को रेखांकित किया। नेहा गौड़, संस्थापक, ।द्दड्ड2स्न्रद्बह्ल, ने महिलाओं के समग्र स्वास्थ्य और फिटनेस के प्रति जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। प्रीति वीणम, नदेशक, वोलो हेल्थ, ने कैंसर की रोकथाम और किफायती उपचार तक पहुंच को आसान बनाने में बीमा क्षेत्र की बढ़ती भूमिका पर चर्चा की। मोनिका खेरा, उपाध्यक्ष एवं प्रमुख, मानव संसाधन, एक्सिस मैक्स लाइफ इंश्योरेंस, ने कार्यस्थल पर महिलाओं के स्वास्थ्य और कल्याण को बढ़ावा देने में कॉर्पोरेट नेतृत्व की भूमिका को स्पष्ट किया। साध्वी डॉ. शिवानी भारती, निदेशक, दिव्य ज्योति जागृति संस्थान, ने आंतरिक शक्ति के महत्व और कैंसर से लड़ाई में मानसिक सशक्तिकरण की भूमिका पर जोर दिया। मनीषा कौशिक, अध्यक्ष, इनर व्हील डिस्ट्रिक्ट 301, ने महिलाओं के नेतृत्व वाले सामाजिक आंदोलनों की शक्ति और सामूहिक प्रयासों के प्रभाव पर चर्चा की। स्नेहा गालांडे, विभागाध्यक्ष, ब्रेस्ट सर्जिकल ऑन्कोलॉजी, मैश, ने स्तन कैंसर की रोकथाम को राष्ट्रीय प्राथमिकता बनाने की आवश्यकता पर बल दिया। सुरवेशा खन्ना, संस्थापक एवं निदेशक, धर्मशील कैंसर एवं अनुसंधान संस्थान, ने अपने मुख्य भाषण में कैंसर उपचार में पीड़ितों की देखभाल और सहानुभूति पर विस्तृत चर्चा की।

वैदिक मंत्रोचारण के साथ नवरात्र महोत्सव हुआ शुभारंभ

नई दिल्ली। साध्वी श्री राजमाता जी महाराज द्वारा स्थापित श्री राजमाता झंडेवाला मंदिर शाहदरा गोरख पार्क में स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में 122वां नवरात्र महोत्सव एवं धर्म सम्मेलन में प्रथम चरण मां शैलपुत्री पूजन करने के साथ ही अनुष्ठान विधिवत शुरू हो गया। सदगुरु राजदरबार के प्रबंधक राम वोहरा ने बताया कि स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज के सान्निध्य में आयोजित 122वां नवरात्र महोत्सव एवं धर्म सम्मेलन के प्रथम दिन मां शैलपुत्री का विधिवत पूजन किया गया। जड़ पर्वत हिमाचल की पुत्री होने के कारण इनको शैलपुत्री नाम से जान जाता हैं जिससे संदेश मिलता है कि जड़ता में भी कोई शुभ दृढ़ता हो तो असंभव को संभव बनाया जा सकता है। प्रात : सर्वप्रथम सर्व मंगल मांगले के वैदिक मंत्रोचारण के साथ दरबार के महापुरुषों द्वारा चंडी यज्ञ में आहुतियां अर्पित करते हुए अनुष्ठान का शुभारंभ के बाद स्वामी श्री राजेश्वरानंद जी महाराज द्वारा नवरात्र में शक्ति की महिमा पर सत्संग भजन के बाद मंदिर गर्भगृह स्थित गुफा में हरियाली खुशहाली पर्यावरण संरक्षण का प्रतीक खेत्री बिजन किया गया। अखंड ज्योति प्रचंड करने के साथ ही स्वामी राजेश्वरानंद जी द्वारा जनकल्याण एवम विश्व शांति की कामना मन में संजोए पूर्ण नवरात्र का मौनव्रत शुरू हो गया। मौन व्रत धारण करने से पहले भक्तजनों को संबोधित करते हुए स्वामी राजेश्वरानंद जी महाराज ने कहा कि 卐नवरात्र यानी शक्ति की साधना का कालखंड। यह नौ दिन अपनी ऊर्जा रूपी शक्ति, मुस्कान रूपी शक्ति, प्रेम रूपी शक्ति, दया रूपी शक्ति, संयम रूपी शक्ति, धैर्य रूपी शक्ति, शांति रूपी शक्ति और अंत में लक्ष्मी रूपी शक्ति को पहचान कर भक्ति रूपी शक्ति से जीवन को आनंदमई बनाने की कला सीखने का काल। मंदिर परिसर में अन्नाहार एवम फलाहार भंडारा प्रसाद वितरण किया गया।

दिल्ली में गर्मी से पहले बिजली कटौती को लेकर भाजपा-आप में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी

नई दिल्ली (एजेंसी)। नई दिल्ली में बिजली और पानी को लेकर वर्षों से राजनीति होती रही है। इस बार भी गर्मी शुरू होने के साथ ही बिजली को लेकर राजनीतिक संग्राम शुरू हो गया है। विधानसभा चुनाव से पहले तक भाजपा इन मुद्दों को लेकर आम आदमी पार्टी की सरकार को कठघरे में खड़ा करती थी।

सत्ता परिवर्तन के बाद अब आप नेता भाजपा सरकार को निशाने पर ले रहे हैं। पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल व आतिशी सहित अन्य आप नेता भाजपा के सत्ता में आने के बाद दिल्ली में बिजली कटौती होने का आरोप लगा रहे हैं। इनके आरोप पर दिल्ली सरकार के ऊर्जा मंत्री आशीष सूद ने पलटवार किया है। उन्होंने आंकड़ों के साथ आप सरकार में बिजली कटौती की सच्चाई उजागर कर केजरीवाल पर झूठ फैलाने का आरोप जड़ दिया है। दोनों तरफ से आरोप- प्रत्यारोप से स्पष्ट है कि आने वाले दिनों में इसे लेकर राजनीतिक लड़ाई बढ़ेगी, क्योंकि बिजली का टैरिफ भी घोषित होने वाला है।

सोच समझकर बोलना होगा

नेता को बोलने का मौका चाहिए। वह किसी भी विषय पर बोलकर चर्चा में रहना चाहते हैं। सत्ता में आने के बाद से भाजपा नेता अधिक उत्साहित हैं। वह बढ़ चढ़कर किसी भी मुद्दे पर बयानबाजी कर रहे हैं। कई बार उनके बड़बोलेपन की वजह से पार्टी को परेशानी और शर्मिंदगी का सामना करना पड़ता है। इसे देखते हुए पार्टी नेतृत्व ने बयानवीर नेताओं पर अंकुश लगाने का निर्णय लिया है।

बिना अनुमति बयान जारी नहीं करने के निर्देश

बिना अनुमति कोई भी नेता मीडिया में बयान जारी नहीं करेगा। सिर्फ पार्टी के प्रवक्ता और वरिष्ठ नेता मीडिया में अपनी बात रखेंगे। अन्य को मीडिया में जाने से पहले प्रदेश पार्टी नेतृत्व से अनुमति लेनी होगी। इससे कई नेता परेशान हैं। उन्हें लग रहा है कि इस तरह की पाबंदी अनुचित है। उनकी परेशानी का कारण समझ में आता है क्योंकि इससे उन्हें अपने प्रचार का मौका नहीं मिलेगा। अब देखना है कि नेता इस पाबंदी को कितना मानते हैं।

विजेंद्र गुप्ता की दरियादिली की चर्चा

स्पीकर की दरियादिली दिल्ली के नए विधानसभा अध्यक्ष विजेंद्र गुप्ता की सदन में दिखाई दे रही दरियादिली चर्चा में है। वह विपक्ष के सदस्यों को लगातार संदेश दे रहे हैं कि उनके खुद के साथ सदन में जो व्यवहार किया गया वह आप के लोगों के साथ सदन में वैसा व्यवहार नहीं करेंगे। वह बदले की भावना से उस व्यवहार को नहीं करेंगे, वह विपक्ष को पूरा सम्मान दे रहे हैं और पूरा समय भी दे रहे हैं।

प्रज्ञा ठाकुर मालेगांव में हिंदू वीर पुरस्कार से सम्मानित

मुंबई (एजेंसी)। मालेगांव बम धमाके की मुख्य आरोपी तथा भोपाल की पूर्व सांसद प्रज्ञा ठाकुर को मालेगांव में गुड़ी पड़वा के अवसर पर हिंदू वीर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। विराट हिंदू संत सम्मेलन द्वारा यह कार्यक्रम आयोजित किया गया है। इस कार्यक्रम का विरोध महाराष्ट्र सरकार ने किया। इसके विरोध में आयोजक हाईकोर्ट चले गए। हाईकोर्ट ने प्रतिबंध लगाने से इनकार कर दिया। सरकार ने नागपुर में औरंगजेब विवाद के बाद माहौल खराब होने की बात कहकर इस कार्यक्रम की अनुमति नहीं दी थी। 25 मार्च को नासिक के कार्यकारी मजिस्ट्रेट ने जब आयोजन की मंजूरी नहीं दी। तो आयोजक हाईकोर्ट पहुंच गए। मुंबई हाईकोर्ट ने नासिक के कार्यकारी मजिस्ट्रेट का आदेश निरस्त करते हुए कार्यक्रम की मंजूरी दी है। मुंबई हाईकोर्ट की खंडपीठ का कहना था, आजादी के 78 साल हो जाने के बाद समाज की समझदारी बढी है। आजादी और सह-अस्तित्व के मायने को देखते हुए इस तरह के आयोजन पर रोक नहीं लगाई जा सकती है। मुंबई हाईकोर्ट के न्यायाधीश रविंद्र घुघे और न्यायाधीश अश्विन भोवे की खंडपीठ ने जियो और जीने दो को आधार मानकर कार्यक्रम करने की अनुमति दी है। हाईकोर्ट ने निर्देश दिया है, कोई भी वक्ता ऐसा कोई भाषण नहीं दे। जिससे दूसरे धर्म के लोगों को ठेस पहुंचे। बम कांड की आरोपी प्रज्ञा ठाकुर अभी जमानत पर हैं। उनका सम्मान वहीं किया जा रहा है,जहां बम धमाका हुआ था। अभी भी यह मामला न्यायालय के पास विचाराधीन है।

टोल टैक्स बढ़ने के कारण दिल्ली, पंजाब, हरियाणा और हिमाचल के बीच सफर होगा महंगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। एक अप्रैल से टोल रेट में पांच रुपये से लेकर 40 रुपये तक की बढोतरी की गई है। इससे हरियाणा में हाईवे और एक्सप्रेसवे पर स्थित 24 टोल प्लाजा पर टोल टैक्स बढ़ जाएगा। इससे दिल्ली से हरियाणा, पंजाब, हिमाचल, और जम्मू-कश्मीर जाने वाले वाहन चालकों का खर्च बढ़ जाएगा। यह बढ़ोतरी इस बात पर निर्भर करेगी कि आप कौनसा वाहन लेकर जा रहे हैं। जिन टोल प्लाजा पर टोल रेट बढा है उनमें गुरुग्राम के खेड़की दौला टोल प्लाजा, फरीदाबाद-पलवल के बीच में पड़ने वाला गदपुरी टोल प्लाजा, दिल्ली-पटियाला नेशनल हाईवे पर जींद में खटकड़ टोल प्लाजा, करनाल का घरौंडा टोल प्लाजा, केएमपी एक्सप्रेसवे पर बादली और मांडोठी टोल और हिसार का लांघड़ी टोल प्लाजा प्रमुख है। नेशनल हाईवे अथॉरिटी ऑफ इंडिया की तरफ से हर साल रेटों में इजाफा किया जाता है। वाहन चालकों को नए रेटों की जानकारी को लेकर कोई असमंजस न हो, इसे लेकर नई रेट सूची को टोल बूथों पर लगा दिया गया है। टोल रेट बढने से आम आदमी में नाराजगी है। वाहन चालकों का कहना है कि हर साल टोल रेट में भारी इजाफा उनकी जेब पर भार बढा रहा है।

यूपी में नवरात्र और ईद-उल-फितर पर संवेदनशील जगहों पर लगाई रूफटॉप ड्यूटी

-डीजीपी ने बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों के आसपास पैदल गश्त के दिए निर्देश

लखनऊ (एजेंसी)। यूपी पुलिस महानिदेशक प्रशांत कुमार ने नवरात्र और ईद-उल-फितर को लेकर संवेदनशील स्थानों पर जरुरी साजो सामान के साथ रूफटॉप ड्यूटी तैनात करने का निर्देश दिया है। डीजीपी ने शनिवार को राज्य के वरिष्ठ पुलिस अधिकारियों को जारी निर्देशों में कहा कि संवेदनशील स्थानों पर जरुरी उपकरणों के साथ 'रूफटॉप ड्यूटी' तैनात की जाए और सभी महत्वपूर्ण क्षेत्रों की पहचान करके उचित पुलिस व्यवस्था की जाए। उन्होंने कहा कि बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों और महत्वपूर्ण व्यापारिक प्रतिष्ठानों के आसपास पैदल गश्त की जाए और तोड़फोड़-रोधी जांच नियमित रूप से की जानी चाहिए। उन्होंने कहा कि बाजारों में अग्निशमन के पर्याप्त प्रबंध किए जाएं और नमाज के दौरान ईदगाहों व अन्य मस्जिदों के पास मार्गों पर जानवरों को घूमने की इजाजत नहीं दी जानी चाहिए। यह भी निर्देश दिए कि ईद-उल-फितर एवं रामनवमी के अवसर पर जनपद को सेक्टर एवं जोन में विभाजित कर संवेदनशील स्थानों पर पुलिस पिकेट, स्टैटिक मजिस्ट्रेट एवं राजपत्रित अधिकारियों के साथ मजिस्ट्रेट एवं पर्याप्त पुलिस बल की तैनाती की जाए। उन्होंने निर्देश दिए कि रामनवमी पर रेलवे स्टेशनों, बस स्टेशनों, बाजारों, भीड़-भाड़ वाले स्थानों, समारोह स्थलों, मनोरंजन केन्द्रों आदि पर पर्याप्त सुरक्षा व्यवस्था की जाए।

कठुआ में अभी भी मौजूद हैं पांच आतंकी, 10 संदिग्ध हिरासत में

कठुआ(एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के कठुआ में आतंकियों से तीन दिन से चल रही मुठभेड़ चुनौतीपूर्ण बन गई है। अब तक माना जा रहा था कि तीन आतंकी हैं, लेकिन शनिवार को जब सुरक्षा बलों ने घेराबंदी और बढ़ाई तो पता चला कि अभी भी 5 आतंकी हैं, जो राजबाग इलाके के सफियान जाखोले गांव में छिप हैं। पुलिस के मुताबिक सुरक्षाबलों ने आतंकियों को घेर रखा है। वे जाखोले की ऊंची पहाड़ियों पर हैं, जहां घने जंगल और गुफाएं हैं। पांचों आतंकी विदेशी बताए जा रहे हैं। सुरक्षा बलों ने 10 संदिग्ध मददगारों को हिरासत में लिया है। इन्होंने बताया है कि पांचों आतंकी वही हैं, जिन्हें 23 मार्च को हीरानगर सेक्टर में इंटरनेशनल बॉर्डर के पास सानियाल गांव में पुलिस ने रोका था। मुठभेड़ में अब तक 2 आतंकी मारे जा चुके हैं। 28 मार्च को ऑपरेशन ग्रुप के जवान तारिक अहमद, जसवंत सिंह, जगबीर सिंह और बलविंदर सिंह इस मुठभेड़ में शहीद हो गए थे। वहीं, घायल धीरज सिंह समेत तीन जवानों का इलाज जारी है।

दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट में नकली नोट चलाने के आरोप में दो महिलाएं गिरफ्तार

कठुआ(एजेंसी)। दक्षिण-पश्चिम दिल्ली की सरोजिनी नगर मार्केट में जाली नोट चलाने के आरोप में दो महिलाओं को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने रविवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने आरोपी महिलाओं के पास से 100 रुपये मूल्य के 33 नकली नोट (एफआईसीएन) भी जब्त किए।

बिहार में आगामी विधानसभा चुनाव को लेकर दलितों को साधने में जुटी पार्टियां

-अब जेडीयू बाबा साहेब की जयंती को भव्य तरीके से मनाएगी, कांग्रेस का ढूंढा तोड़

पटना (एजेंसी)। बिहार में विधानसभा चुनाव जैसे-जैसे नजदीक आ रहा है यहां के राजनीतिक दल दलित वोटों को साधने में लग गए हैं। कांग्रेस दलित को अध्यक्ष बनाकर अपना कार्ड खेल चुकी है। वहीं अब सत्ताधारी जेडीयू भी कांग्रेस के इस दांव का तोड़ ढूंढ रही है। जेडीयू ने बाबा साहेब भीमराव आंबेडकर की जयंती को भव्य तरीके से मनाने की योजना तैयार की है। मंत्री और जेडीयू के वरिष्ठ नेता अशोक चौधरी ने बताया कि बाबासाहेब के विचारों के प्रचार प्रसार के लिए उनकी जयंती भव्य तरीके से मनाई जाएगी।

उन्होंने कहा कि 13 अप्रैल को बापू सभागार में कार्यक्रम होगा। इसके बाद 14 अप्रैल को दलित बस्तियों में दीपोत्सव होगा। उन्होंने कहा कि चुनाव से पहले दलित वोटरों को एनडीए की तरफ लाना है। हमारे सीएम नीतीश कुमार ने दलितों के उत्थान को लेकर बहुत काम किया है। उन्होंने जितना काम किया और कोई नहीं कर पाया। उन्होंने दलितों का वर्गीकरण, कास्ट सर्वे जैसे काम किए जो कि पिछड़ों के उत्थान के लिए जरूरी थे।

बता दें कांग्रेस भी दलितों को लुभाने में कोई कसर नहीं छोड़ रही है। उसने हाल ही में अखिलेश प्रसाद को हटाकर राजेश कुमार राम को पार्टी का प्रदेश अध्यक्ष बनाया है। राम जाटव समुदाय से आते हैं। राज्य में जाटव समुदाय की आबादी 5.25 फीसदी है। वहीं इससे पहले अशोक चौधरी ही कांग्रेस के एससी अध्यक्ष थे जो कि अब जेडीयू में हैं।

बीते साल कांग्रेस ने भी अनुसूचित जाति के नेता जगलाल चौधरी की 130वीं जयंती मनाई थी। इसमें राहुल गांधी भी शामिल हुए थे। बिहार में कुल 19.65 फीसदी एससी आबादी है। विधानसभा में 38 सीटें अनुसूचित जातियों के लिए आरक्षित हैं। 2020 में 38 में से 19 सीटों पर एनडीए को कामयाबी मिली थी। आरजेडी को 10 सीटों पर जीत मिली थी वहीं बीजेपी और जेडीयू को 8-8 सीटों मिली थी। कांग्रेस और सीपीआई (एमएल) को चार-चार और हम को तीन सीटें मिली थी।

राज्य में सबसे ज्यादा पासवानों की आबादी है। इनकी आबादी 5.3 फीसदी के आसपास है। एलजेपी (रामविलास) के वोट इसमें काफी हैं। एलजेपी भी एनडीए का ही हिस्सा है। वहीं 2020 में

चिराग पासवान अकेले ही चुनाव लड़े थे। हालांकि इस बार एनडीए को चिराग पासवान का भी फायदा मिलेगा। चिराग मोदी सरकार में मंत्री हैं। वहीं हम नेता जीतनराम मांझी भी केंद्रीय मंत्री हैं। बिहार में 3 फीसदी के आसपास मुसहरों के भी वोट हैं।

जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड के कर्मचारी हुए खुश, वेतन और मानदेय बढ़ा

-बोर्ड में एक हजार से ज्यादा नियमित और अनियिमित कर्मचारी करते हैं काम

जम्मू। प्रदेश में वक्फ बोर्ड के कर्मचारियों के वेतन और मानदेय में बढ़ोतरी हो गई है। वक्फ में कार्यरत समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के कर्मियों के वेतन में 400 फीसदी तक तो इमाम और खतीब समेत कई नियमित कर्मियों के वेतन में 20 फीसदी की बढ़ोतरी की गई है। इंजीनियरिंग स्टाफ का मासिक यात्रा भत्ता भी तीन हजार रुपए कर दिया गया है। बता दें जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड में सालों से कार्यरत समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के कर्मियों में से ज्यादातर को मात्र तीन हजार रुपए मासिक मानदेय मिल रहा था। संबंधित अधिकारियों ने बताया कि जम्मू कश्मीर वक्फ बोर्ड की अध्यक्ष ने बोर्ड में कार्यरत कई श्रेणियों के कर्मचारियों के वेतन में बढोतरी का आदेश दिया है। समेकित, मस्टर शीट और स्टाप गैप अरेंजमेंट के तहत नियुक्त कर्मियों को कुशल, अर्धकुशल और अकुशल कर्मचारियों की श्रेणी में बांटा गया है। इनका वेतन क्रमश- 18 हजार, 16 हजार और 15 हजार रुपए प्रति माह तय किया गया है। सूत्रों के मुताबिक यह कदम वर्तमान बोर्ड के अथक प्रयासों का परिणाम है, जिससे संगठन की आर्थिक स्थिति में सुधार हुआ है और इसका उद्देश्य कश्मीर संभाग में दशकों से कम सैलरी पर काम कर रहे एक हजार से ज्यादा कर्मचारियों के जीवन स्तर में सुधार करना है। बोर्ड के नियमित कर्मियों जिनमें इमाम और खतीब शामिल हैं, उनके अलावा पारिवारिक पेंशनधाकरों के वेतन व पेंशन में 20 फीसदी की बढ़ोत्तरी की गई है।

केंद्रीय मंत्री अठावले का दावा कहा- लालू से ज्यादा फिट हैं नीतीश, 10 साल रहेगी उनकी सत्ता

पटना (एजेंसी)। रिपब्लिकन पार्टी ऑफ इंडिया (अठावले) के प्रमुख और केंद्रीय मंत्री रामदास आठवले बिहार के तीन दिवसीय दौरे पर आए। उन्होंने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से मुलाकात के बाद एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित किया और कहा कि जद (यू) अध्यक्ष का स्वास्थ्य अच्छा है और वह कम से कम पांच से दस साल तक सत्ता में रहेंगे। वहीं उन्होंने पीएम नरेंद्र मोदी को लेकर कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जवाहर लाल नेहरू का रिकॉर्ड तोड़ेंगे और लगातार चौथी बार सत्ता बरकरार रखेंगे। उन्होंने कहा कि मोदी ने लगातार तीसरी बार सत्ता में लौटकर नेहरू के रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। मुझे विश्वास है कि वह रिकॉर्ड तोड़ देंगे और लगातार चौथी बार सत्ता में आएंगे।दलित नेता ने कहा, एक बौद्ध के रूप में, मैं बिहार का बहुत सम्मान करता हूं, वह भूमि जहां बुद्ध ने 2,500 साल से भी पहले ज्ञान प्राप्त किया था। महाबोधि मंदिर परिसर, जो यूनेस्को का विश्व धरोहर स्थल है, पर पूर्ण नियंत्रण की मांग कर रहे बौद्धों के साथ एकजुटता दिखाते हुए बोधगया का दौरा करने के एक दिन बाद अठावले ने कहा कि उन्होंने इस मुद्दे को मुख्यमंत्री के समक्ष भी उठाया है।उन्होंने कहा कि मैंने नीतीश जी से

बौद्धों की चिंताओं का समाधान करने का आग्रह किया है, जो एक महीने से बोधगया में विरोध प्रदर्शन कर रहे हैं। मैंने खुद प्रदर्शनकारियों से मुलाकात की थी। मुख्यमंत्री ने संबंधित अधिकारियों को मामले की जांच करने का निर्देश दिया है।

सांप्रदायिक तनाव के लिए छावा जिम्मेदार

आठवले ने अपने गृह राज्य महाराष्ट्र में हाल में हुए सांप्रदायिक तनाव के लिए ब्लॉकबस्टर फिल्म छावा को जिम्मेदार ठहराया और औरंगाबाद में स्थित औरंगजेब के मकबरे को हटाने की मांग को बंद करने का आह्वान किया।उन्होंने कहा, मुझे नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली टीम का हिस्सा होने पर गर्व है, जिनके कार्यकाल में हम दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की ओर अग्रसर हैं।

चीन को फिर झटका: भारत में परमाणु रिएक्टर बनाएगी अमेरिका की कंपनी

नई दिल्ली (एजेंसी)। लंबे इंतजार के बाद भारत-अमेरिका नागरिक परमाणु समझौते के तहत भारत में परमाणु रिएक्टरों के निर्माण और डिजाइन के लिए अमेरिकी कंपनी को एक ऐतिहासिक मंजूरी मिल गई है। इस समझौते के बाद, भारत की परमाणु ऊर्जा क्षेत्र में एक नई क्रांति देखने को मिल सकती है। इससे देश को नई, सुरक्षित और प्रभावी परमाणु रिएक्टर तकनीकों का लाभ मिल सकता है।

होल्टेक को भारतीय कंपनियों को केवल शांतिपूर्ण परमाणु गतिविधियों के लिए यह तकनीक ट्रांसफर करने की अनुमति है। यह भी सुनिश्चित किया गया है कि इसका उपयोग परमाणु हथियारों या किसी भी सैन्य उद्देश्य के लिए नहीं किया जाएगा। यह कदम भारत के ऊर्जा क्षेत्र में एक नई दिशा दिखा सकता है। भारत और अमेरिका मिलकर चीन को प्रतिस्पर्धा देने की स्थिति में आ सकते हैं। चीन भी छोटे रिएक्टरों के क्षेत्र में अग्रसर है और इसे वैश्विक दक्षिण में अपनी कूटनीतिक पहुंच बढ़ाने के लिए एक महत्वपूर्ण उपकरण के रूप में देखता है। इस मंजूरी के बाद होल्टेक के लिए यह भी संभव है कि वह बाद में इसमें संशोधन की मांग कर सके और अन्य सरकारी संस्थाओं जैसे कि न्यूक्लियर पावर कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड, एनटीपीसी और एटॉमिक एनर्जी रिव्यू बोर्ड को भी इस सूची में जोड़ सके। हालांकि, इसके लिए भारत सरकार से जरूरी गैर-प्रसार आश्वासन की आवश्यकता होगी, जो कि इन सरकारी संस्थाओं से अभी तक प्राप्त नहीं हुआ है।

अमेरिकी ऊर्जा विभाग (डीओई) से 26 मार्च को मिली मंजूरी के बाद होल्टेक इंटरनेशनल को हरी झंडी मिल गई है। अब अमेरिकी कंपनी को भारत में न्यूक्लियर रिएक्टर बनाने और डिजाइन करने की अनुमति मिल सकती है। होल्टेक को भारत की तीन कंपनियों (होल्टेक एशिया, टाटा कंसल्टिंग इंजीनियर्स लिमिटेड और लार्सन एंड टुब्रो लिमिटेड) को अप्रशिक्षित छोटे मॉड्यूलर रिएक्टर (एसएमआर) तकनीक ट्रांसफर करने की अनुमति दी गई है। होल्टेक इंटरनेशनल भारतीय-अमेरिकी उद्योगपति क्रिस पी सिंह द्वारा प्रमोट की गई कंपनी है। इसने 2010 से पुणे में एक इंजीनियरिंग यूनिट और गुजरात में एक निर्माण यूनिट स्थापित की है।

शाह और पलानीस्वामी की नजदीकियों पर भड़के स्टालिन बोले- मुस्लिमों से धोखा किया

चेन्नई। एआईएडीएमके नेता एडप्पादी के पलानीस्वामी (ईपीएस) और केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह के बीच हो रहे मेल मिलाप को लेकर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन काफी नाराज हैं। उन्होने ईपीएस पर मुस्लिमों के साथ धोखा करने का आरोप लगाया है।ईपीएस ने हाल ही में दिल्ली में केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की थी। स्टालिन ने उनकी कड़ी आलोचना करते हुए कहा कि ईपीएस ने वक्फ संशोधन विधेयक के खिलाफ विधानसभा सत्र में चर्चा के दौरान अनुपस्थित रहकर मुस्लिम समुदाय के अधिकारों पर कुठाराघात किया। स्टालिन का कहना था कि यह विधेयक मुस्लिमों के अधिकारों को छीनने का प्रयास कर रहा है। उनका दावा है कि तमिलनाडु ही नहीं बल्कि पूरे भारत में मुस्लिम समुदाय ने राज्य सरकार के इस बिल के खिलाफ प्रस्ताव का स्वागत किया है। एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए स्टालिन ने कहा, आप सभी जानते हैं कि वह क्यों अनुपस्थित थे। सुबह-सुबह बिना किसी को सूचित किए उन्होंने दिल्ली की उड़ान भरी। वहां पहुंचने के बाद उन्होंने चार गाड़ियां बदल लीं जैसे कि वह किसी घोटाले में शामिल हों। इसके बाद वह अमित शाह से मिले। स्टालिन ने एआईएडीएमके के नेताओं की स्थिति पर भी तंज कसा।

ईद से पहले सड़कों पर नमाज पढ़ने का मुद्दा गरमाया, विवाद पर क्या बोले चिराग पासवान

नई दिल्ली (एजेंसी)। पिछले कुछ सालों में सड़कों और अन्य सार्वजनिक स्थानों पर नमाज अदा करना एक बड़ा राजनीतिक मुद्दा बनकर उभरा है। हाल ही में, यह मुद्दा तब सुर्खियों में आया जब उत्तर प्रदेश के कुछ हिस्सों में जिला प्रशासन ने ईद के दौरान सड़कों पर नमाज अदा करने की अनुमति देने के खिलाफ सख्त रुख अपनाया।

केंद्रीय मंत्री और भाजपा के सहयोगी चिराग पासवान ने मुसलमानों द्वारा सड़कों पर नमाज अदा करने के खिलाफ किए जा रहे प्रयासों को स्पष्ट रूप से खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि ये बेकार के विषय हैं और देश में कई अन्य बड़े मुद्दे हैं जिन पर चर्चा की जरूरत है।

टाइम्स नाउ के एक कार्यक्रम में लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के नेता से पूछा गया कि सड़कों पर नमाज अदा करने के विरोध पर उनका क्या कहना है। इसके जवाब में उन्होंने कहा, 'यह बेकार की बात है। इस पर चर्चा ही नहीं होनी चाहिए, यह निरर्थक है। देश में कई बड़े मुद्दे हैं जिन पर हमें चर्चा करने की जरूरत है। समस्या यह है कि जब हम इन अप्रासंगिक विषयों पर बात करना शुरू करते हैं, तो समाज और देश में तनाव का माहौल पैदा होता है। बिना किसी कारण के समुदायों और लोगों के बीच दरार पैदा होती है। यह निरर्थक है।'

पासवान ने कहा कि लोग सालों से सड़कों पर नमाज अदा करते आ रहे हैं। अगर हम इस बारे में बात नहीं कर रहे होते, तो आप शायद पूछ रहे होते कि खाद्य प्रसंस्करण मंत्री के तौर पर मैंने क्या काम किया। लेकिन ये बातें अब गौण हो गई हैं।

जब उनसे कहा गया कि उनकी सहयोगी पार्टी भाजपा के लोग इस बारे में बात कर रहे हैं, तो मंत्री ने जवाब दिया, 'लेकिन मैं इससे सहमत नहीं हूं। मैं यही कह रहा हूं। मैं 21वीं सदी का शिक्षित युवा हूं। हमें धार्मिक मामलों में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए। यह व्यक्तिगत आस्था का मामला है। मैंने इफ्तार पार्टी दी और मैं वहां तिलक लगाकर गया। यह मेरी आस्था है। मैं आपके धर्म का सम्मान करने के लिए अपने धार्मिक मूल्यों को नहीं भूलूंगा, लेकिन ये बंद दरवाजों के पीछे के मुद्दे हैं। यह व्यक्तिगत आस्था का मामला है। कुछ लोग किसी धर्म का पालन करते हैं, तो कुछ नहीं करते। कई हिंदुओं के सिर पर तिलक नहीं है। क्या वे हिंदू नहीं हैं? यह व्यक्तिगत आस्था है। इसे सामान्य बनाने का प्रयास क्यों किया जा रहा है?'

पासवान ने कहा, 'मैं अपने सहयोगियों के बारे में भी बात कर रहा हूं। अगर आप कह रहे हैं कि वे ऐसा कर रहे हैं, तो मैं इस तरह की राजनीति से सहमत नहीं हूं। मेरा मानना है कि हिंदू और मुस्लिमों के बारे में बात करने के बजाय और भी बड़ी चीजें हैं, जिन पर ध्यान देने की जरूरत है।'

जस्टिस वर्मा के चक्कर में चर्चा में आया 17 साल पुराना जस्टिस निर्मल का केस

नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट के जज जस्टिस यशवंत वर्मा का नाम कथित कैश कांड को लेकर सुर्खियों में है। आरोप है कि जस्टिस वर्मा में अपने सरकारी बंगले के आउटहाउस में करोड़ों रुपए की नकदी रखी थी, जो उनके घर पर लगी आग में जल गई। सुप्रीम कोर्ट ने इन आरोपों को गंभीरता से लेते हुए जांच बैठा दी है और उनका इलाहाबाद हाईकोर्ट ट्रांसफर कर दिया है।

हालांकि इस बीच एक और जज का 17 साल पुराना कैश कांड चर्चा में आ गया। यह मामला तत्कालीन पंजाब और हरियाणा हाईकोर्ट जज निर्मल यादव से जुड़ा था, जिन पर 15 लाख रुपए की रिश्वत लेने का आरोप था। न्यायिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करने वाले इस मामले पर आज हाईकोर्ट का फैसला आने वाला है। यह घटना 13 अगस्त 2008 की है, जब एक प्लास्टिक बैग में रखे 15 लाख रुपए गलती से जस्टिस निर्मल यादव की जगह हाईकोर्ट की ही दूसरी जज, जस्टिस निर्मलजीत कौर के घर पहुंच गए थे। यह रकम कथित तौर पर एक ज़मीन सौदे में पक्षपात के बदले रिश्वत के रूप में भेजी गई थी।

जस्टिस निर्मलजीत कौर के पीए अमरीक सिंह ने जब यह रकम देखी, तो तुरंत इसकी सूचना अधिकारियों को दी। बात हाईकोर्ट के मुख्य न्यायाधीश तक पहुंची और मामला चंडीगढ़ पुलिस के पास चला गया। हालांकि, कुछ ही दिनों बाद तत्कालीन चंडीगढ़ प्रशासक, जनरल (रिटायर्ड) एसएफरोड्रिग्स ने इसे सीबीआई को सौंप दिया। 28 अगस्त 2008 को सीबीआई ने इस मामले में नई एफआईआर दर्ज कर जांच शुरू की। इस मामले में जस्टिस निर्मल यादव के अलावा दिल्ली के होटल कारोबारी रविंदर सिंह भसीन, प्रॉपर्टी डीलर राजीव गुप्ता और निर्मल सिंह भी आरोपी बनाए गए थे।

वहीं, इस मामले के एक अन्य आरोपी, हरियाणा के पूर्व एडिशनल एडवोकेट जनरल संजीव बंसल की बाद में मौत हो गई थी। सीबीआई कोर्ट में इस मामले की 300 से ज्यादा सुनवाई हो चुकी है और कुल 76 गवाहों के बयान दर्ज किए गए। हालांकि, इनमें से 10 गवाह मुकदमे के दौरान अपने बयान से पलट गए।

अपने बचाव में जस्टिस यादव ने कोर्ट में कहा, 'मैंने कोई अपराध नहीं किया है और पूरे मुकदमे के दौरान मेरे खिलाफकुछ भी ठोस नहीं मिला। हालांकि, सीबीआई ने लगातार इस बात पर ज़ोर दिया कि रिश्वत की रकम जस्टिस यादव के लिए ही भेजी गई थी और यह पूरा मामला भ्रष्टाचार से जुड़ा हुआ था। चंडीगढ़ की सीबीआई विशेष अदालत इस चर्चित मामले में आज अपना फैसला सुनाने जा रही है। विशेष सीबीआई जज अल्का मलिक ने गुरुवार को दोनों पक्षों की अंतिम बहस सुनने के बाद इस पर निर्णय सुरक्षित रख लिया था।

नक्सली हथियार छोड़ मुख्यधारा में हो जाएं शामिल, नहीं तो मरने के लिए रहें तैयार: सेना अधिकारी

-सुरक्षाबल अब आर-पार की लड़ाई लड़ने को तैयार, बड़े ऑपरेशन की तैयारी

रायपुर (एजेंसी)। छत्तीसगढ़ में नक्सलियों के खिलाफ बड़े ऑपरेशन से सुरक्षाबलों ने साफ कर दिया है कि वह अब आर-पार की लड़ाई लड़ेंगे। सरकार और एजेंसियों की तरफ से स्पष्ट संदेश है कि अगर नक्सली समर्पण नहीं करते हैं तो उन्हें मौत की नींद सुला दिया जाएगा। नक्सल नेताओं को आखिरी मौका दिया जा रहा है। एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि पहाड़ हों या जंगल अब नक्सली कहीं भी सुरक्षित नहीं रह सकते और ना ही छिप सकते हैं। जवानों ने सुकमा के जिन इलाकों में ऑपरेशन चलाया वो पूरा इलाका पहाड़ों से घिरा हुआ है। चार साल में इस इलाके में पहली बार सुरक्षाबलों ने नक्सलियों को घेर कर ढेर किया है। टीम को यहां बड़े नक्सली नेता जगदीश के होने की सूचना मिली थी। इसके बाद फोर्स ने ऑपरेशन शुरु किया था।

जवानों को इनपुट मिला था कि करीब 25 नक्सली इलाके में छिपे हैं। इसके बाद गोगुंडा पहाड़ी को जवानों ने घेर लिया और मुठभेड़ में 17 नक्सली मारे गए। अधिकारियों ने कहा नक्सल खात्मे की समय सीमा अपने आप में सख्त संदेश है। नक्सली चाहें तो वे मुख्यधारा में शामिल होकर सरकार की नीतियों का फायदा उठा सकते हैं। इसके बाद उन्हें कोई और मौका नहीं दिया जाएगा। ऑपरेशन अधिकारियों ने बताया कि महाराष्ट्र चुनाव के बाद सुरक्षा एजेंसियों ने नक्सलयों के खिलाफ सबसे बड़ा ऑपरेशन शुरू किया। महाराष्ट्र और छत्तीसगढ़ के दंडकारण्य के जंगलों में नक्सलियसों के खिलाफ शुरू हुए ऑपरेशन हैंडशेक में सुरक्षा बलों के साथ कमांडो शामिल किए गए थे।

मीडिया रिपोर्ट में गृहमंत्रालय के सूत्रों ने कहा कि नक्सलियों के खिलाफ लड़ाई अंतिम दौर में पहुंच चुकी है। 2023 में कुल 50 नक्सली मारे गए थे। पिछले साल ऑपरेशन तेज हुआ और 290 नक्सली मारे गए। अब ड्रोन कैमरे से देखकर नक्सलियों का ठिकाना पता चल रहा है। अब आधुनिक हथियार कई किलोमीटर तक वार कर सकते हैं। ऑपरेशन के साथ नक्सलियों के ट्रेनिंग सेंटर, हथियार और गोला बारूद के गोदाम, प्रेस और बंकरों को तबाह करने की योजना पर काम किया जा रहा है। सुरक्षा बल ड्रोन, बम निरोधक दस्ते और आधुनिक हथियारों के साथ नक्सलियों के गढ़ पर धावा बोल रहे हैं। गुरिल्ला और बड़े कमांडर ने अबूझमाड़ के जंगलों को सेंटर बना रखा है।

अधिकारियों ने कहा कि इस साल नक्सल प्रभावित इलाकों में 50 से ज्यादा संयुक्त अभियान

चलाए गए हैं। 90 से ज्यादा नक्सली मारे जा चुके हैं। ऑपरेशन ग्रीन हंट, ऑपरेशन प्रहार, हॉट परस्यूट और ड्राइव फॉर हंट और ऑपरेशन शेक हैंड जैसे अभियान ने नक्सलियों की कमर तोड़ दी है।

...तो घर में जरूर रखें बांसुरी

भगवान श्रीकृष्ण को बांसुरी बहुत प्रिय है। बांसुरी कृष्णजी को प्रिय होने के कारण उसको प्रकृति का अनुपम वरदान है। ज्योतिष के अनुसार बांसुरी का इस्तेमाल अगर सोच समझकर किया जाए तो यह हमें कई प्रकार के दोषों से बचाती है। वास्तु और फेंगशुई के अनुसार, बांसुरी को अगर घर, दुकान में रखा जाए है तो इसके कई लाभ मिलते हैं। बांसुरी से होने वाले लाभ कौन-कौन से है, आइए जानते है।

- फेंगशुई विद्या के अनुसार, बांसुरी घर में रखना बहुत शुभ माना गया है। यह उन्नति और प्रगति दोनों देने में बहुत सहायक है। इस प्रकार बांसुरी प्रकृति का एक अनुपम वरदान है।
- बांसुरी बांस से बनी होती है तथा इसके पौधे को दिव्य माना जाता है। अतः घर में बांसुरी का प्रयोग करके कई तरह से लाभ उठाया जा सकता है।
- बांसुरी के संबंध में एक धार्मिक मान्यता है कि जब बांसुरी को हाथ में लेकर हिलाया जाता है तो बुरी आत्माएं दूर हो जाती हैं।
- जब बांसुरी को बजाया जाता है तो ऐसी मान्यता है कि घरों में शुभ चुम्बकीय प्रवाह का प्रवेश होता है।
- यदि सोच-समझकर इसका उपयोग किया जाए तो दोषों का बिना किसी तोड़-फोड़ के निवारण कर अशुभ फलों से बचा जा सकता है।
- ऐसा माना जाता है कि जो व्यक्ति अपनी नौकरी से परेशान रहता हैं, बांसुरी उसकी सारी मुश्किलें आसान कर सकता है।
- जो व्यक्ति काफी मेहनत के बाद भी अपने बिजनेस में सफलता हासिल नहीं कर पाते उनके लिए बांस से बनी यह बांसुरी उन्नति और समृद्धि दोनों देने में सक्षम है। अतः उन्हें भगवान श्रीकृष्ण का पूजन करते हुए अपने दुकान की छत पर दो बांसुरी चिपकानी चाहिए या टांग देनी चाहिए। यह बहुत ही सरल उपाय है जो आपको अपने बिजनेस में उन्नति के शिखर पर ले जाएगा।

सूर्यास्त के बाद झाड़ू-पौंछा न करें

धार्मिक गंथों में ऐसी कई सार्वभौमिक सत्य बातें बताई गई हैं, जिनका अनुसरण कर हम अपना सौभाग्य लिख सकते हैं या प्रतिकूल ग्रहों को अनुकूल बना सकते हैं। आइए जानें ऐसी पांच चीजों के बारे में जो हमारे अच्छे व सुखद भविष्य की भी नींव रखती हैं।

थाली में न छोडें झूठा अन्न

शास्त्रानुसार कभी भी खाने की प्लेट में जूठा नहीं छोडना चाहिए और न ही कभी जूठे बर्तनों को यूं ही पढ़े रहने देना चाहिए। रात को सोने से पहले सभी जूठे बर्तन धो लेने चाहिए अन्यथा इससे घर में अशांति का वातावरण बनना शुरु हो जाएगा जो अंततः घर के दुर्भाग्य में बदल जाएगा।

बैड को रखें नीट एंड क्लीन

शास्त्रों के अनुसार बेडरूम सुव्यवस्थित तथा साफ-सुथरा होना चाहिए। खास तौर पर बिस्तर पर बिछी हुई चादर बिल्कुल साफ होनी चाहिए साथ ही कमरे में कचरा नहीं फैला होना चाहिए। ऐसा नहीं करने पर उस बिस्तर पर सोने वाले का सौभाग्य भी दुर्भाग्य में बदल जाता है।

जगह-जगह थूकना लाता है दुर्भाग्य

कहीं भी थूक देना (विशेष तौर पर घर में, देव मंदिरों में, सार्वजनिक स्थानों पर) शास्त्रों में पूरी तरह गलत बताया गया है। इससे घर की लक्ष्मी रूठ कर चली जाती है। हमें यथासंभव अपने आसपास साफ-सफाई रखनी चाहिए। माना जाता है कि ऐसा करने से घर की सुख-शांति खत्म हो जाती है और कंगाली घर में प्रवेश कर जाती है।

बाथरूम को रखें साफ-सुथरा

बाथरुम को चन्द्रमा का स्थान माना गया है। जिन घरों में बाथरूम गंदा रहता है या अस्त-व्यस्त पड़ा रहता है, उन घरों के स्वामी की कुंडली में चन्द्रमा पर ग्रहण लग जाता है जिससे उस घर में रहने वालों की मानसिक शांति समाप्त हो जाती है तथा वहां धन की कमी होने लगती है।

पूजा में भगवान श्रीगणेश जी का है सर्वश्रेष्ठ स्थान

हिन्दू धर्म शास्त्रों के अनुसार, किसी भी शुभ काम के करने से पहले गणेश पूजन आवश्यक हैं। इससे प्रसन्न होकर गणेश जी सारे काम निर्विघ्न कर देते हैं। हिन्दू संस्कृति और पूजा में भगवान श्रीगणेश जी को सर्वश्रेष्ठ स्थान दिया गया है। प्रत्येक शुभ कार्य में सबसे पहले भगवान गणेश की ही पूजा की जाती अनिवार्य बताई गयी है। देवता भी अपने कार्यों की बिना किसी विघ्न से पूरा करने के लिए गणेश जी की अर्चना सबसे पहले करते हैं।

ऐसा कहा जाता है कि गणेश जी की पूजा में दूर्वा का सबसे ज्यादा महत्वपूर्ण मानी जाती है और साथ ही यह मान्यता है कि गणपति को दूर्वा चढ़ाने से सभी मनोकामनाएं पूर्ण हो जाती हैं। ऐसे में दूर्वा को पूजन परंपरा से जोडक्र उन्होंने दुर्लभ वनस्पतियों को बचाने का संदेश दिया है क्योंकि इससे हम धरती की रक्षा कर अपने लिए एक स्वच्छ वातावरण का निर्माण कर सकेंगे।

ऐसे में कहा जाता है गणपति की साधना-अराधना के लिए बताए गए 108 नाम के बारे में जिनके जप करने से भीतरी आध्यात्मिक शक्ति का विकास होता है। यह भी माना जाता है कि श्री गणेश जी के 21 नाम वालें मंत्रों और 21 पेड़ों के पत्तों को अर्पित करने पर उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है।

मान्यता है कि पूजन की इस परंपरा के पीछे जीवनदायक प्राण वायु प्रदान करने वाले वृक्षों को न काटने का गूढ़ रहस्य छिपाया गया है। वहीं इस बात को कहने का तात्पर्य गणपति की साधना-अराधना से जुड़े इन वृक्षों संरक्षण किया जाना चाहिए। श्री गणेश नाम वृक्षों के नाम आइए जानते हैं।

इन मंत्रों का करें जाप

ओम सुमुखाय नमः शमी पत्र।
ओम गणाधीशाय नमः भृंगराज पत्र।
ओम उमापुत्राय नमः बेल पत्र।
ओम गजामुखाय नमः दूर्वापत्र।
ओम लम्बोदराय नमः बेर का पत्र।
ओम हर पुत्राय नमः धतूरे का पत्र।
ओम शूर्पकर्णाय नमः तुलसी के पत्र।
ओम वक्रतुण्डाय नमः सेम का पत्र।
ओम गुहाग्रजाय नमः अपामार्ग पत्र।
ओम एकदंताय नमः भटकटैया पत्र।
ओम हेरम्बाय नमः सिंदूर पत्र।
ओम चतुर्होत्रे नमः तेज पत्र।
ओम सर्वेश्वराय नमः अगस्त पत्र।
ओम विकटाय नमः कनेर पत्र।
ओम हेमतुण्डाय नमः केला पत्र।
ओम विनायकायनमः आक पत्र।
ओम कपिलाय नमः अर्जन पत्र।
ओम वटवे नमः देवरारू पत्र।
ओम भालचंद्रय नमः महुए के पत्र।
ओम सुराग्रजाय नमः गांधारी पत्र।
ओम सिद्धि विनायक नमः केतकी पत्र।

परिवार और व्यक्ति के दुख दूर करते हैं यह सरल उपाय

बुधवार के दिन घर में सफेद रंग के गणपति की स्थापना करने से समस्त प्रकार की तंत्र शक्ति का नाश होता है।

धन प्राप्ति के लिए बुधवार के दिन गणेश को घी और गुड़ का भोग लगाएं। थोड़ी देर बाद घी व गुड़ गाय को खिला दें। ये उपाय करने से धन संबंधी समस्या का निदान हो जाता है।

परिवार में कलह कलेश हो तो बुधवार के दिन दूर्वा के गणेश जी की प्रतिकात्मक मूर्ति बनवाएं। इसे अपने घर के देवालय में स्थापित करें और प्रतिदिन इसकी विधि-विधान से पूजा करें। घर के मुख्य दरवाजे पर गणेशजी की प्रतिमा लगाने से घर में सुख-समृद्धि बनी रहती है। कोई भी नकारात्मक शक्ति घर में प्रवेश नहीं कर पाती है।

तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं

हर व्यक्ति के जीवन में शांति और सम्पन्नता का होना जरूरी है और सम्पन्नता के लिए लक्ष्मी का प्रसन्न होना बेहद आवश्यतक है। वास्तु शास्त्र के अनुसार कुछ खास बातें नहीं की जाएं तो लक्ष्मी की कृपा और आशीर्वाद हमेशा बना रहता है।

- वास्तु शास्त्र के अनुसार घर के दरवाजों को कभी भी ना खटखटाएं। घर के गेट पर बैल लगाएं या आवाज देकर मालिक को बुलाएं। गेटों को खटखटाने और बजाने से वास्तु दोष बढता है। ऐसे में लक्ष्मी वहां ज्यादा दिनों तक टिकती नहीं है।
- वास्तु के अनुसार सर्वप्रिय देव श्रीगणेश की मालिक द्वारा आराधना जरूरी होती है। यदि घर का मालिक सुबह उठकर श्रीगणेशजी का ध्यान कर पूजा-अर्चना करता है तो घर के वास्तु दोष तुरंत दूर होते हैं।
- वास्तु के अनुसार तुलसी के पौधे को कभी भी दक्षिण में न लगाएं, इससे जीवन में अशुभता आने लगती है। तुलसी जी के पौधे को पूर्व या उत्तर में लगाना उचित रहता है।
- गंदे कपडे पहनने से भी वास्तु दोषों में बढोतरी होती है। कोशिश करें कि दो दिन के अलावा तीसरे दिन भी पुराने कपडे नहीं पहनें।
- घर की सफाई रात को करना भी वास्तु के अनुसार ठीक नहीं है। कहते हैं कि शाम को जो धूल एकत्रित होती है, वही लक्ष्मी जी की कृपा होती है।

सकारात्मक ऊर्जा और तन-मन की शांति के लिए..

धार्मिक ग्रंथों के अनुसार अच्छी सेहत और प्रसन्न तन-मन के लिए कुछ उपयोगी टिप्स दैनिक व्यवहार में लाकर आप एक सुंदर एवं स्वस्थ जीवन जी सकते हैं।

- सूर्योदय से पूर्व उठने की आदत डालें, इससे सकारात्मक ऊर्जा की प्राप्ति होती है जो तन, मन और मस्तिष्क को शांत करती है।
- प्रातः काल आसपास के खुले स्थान, पार्क या भवन की छत पर जाकर पूर्व दिशा की ओर मुंह करके थोड़ा व्यायाम करें और लंबी सांस लें। इससे प्रकृति में सुबह के समय व्याप्त सकारात्मक ऊर्जा यानी आक्सीजन का भरपूर उपयोग करके आप शरीर को स्वस्थ रख सकते हैं।
- अच्छे स्वास्थ्य के लिए भोजन करते समय आपका मुख सदा पूर्व या उत्तर में रहे। कभी भी पलंग पर बैठकर, खड़े होकर या आड़े-तिरछे बैठकर भोजन न करें।
- भोजन या तो भूमि पर आसन बिछाकर करें या फिर डायनिंग टेबल का प्रयोग करें। विधिवत भोजन करने से शरीर चुस्त दुरूस्त रहता है।
- खाना खाते वक्त टेलीविजन नहीं देखें, इससे उत्पन्न होने वाली नकारात्मक ऊर्जा के प्रभाव से सभी ज्ञानेंद्रियों पर विपरीत असर पड़ता है। इससे पेट की बीमारियों का खतरा बढ़ जाता है। अतः भोजन करते समय टेलीविजन देखने की बजाए पारिवारिक दिनचर्या पर गपशप करें।
- दवाइयों को डायनिंग टेबल पर नहीं रखें, ये नकारात्मक ऊर्जा की प्रतीक होती है। ऐसा करके हम दवाइयों को भोजन का हिस्सा बनाने का निमंत्रण देते हैं, ऐसा नहीं करें।
- यदि घर में बच्चों या वृद्धों के लिए कुछ टॉनिक आदि का प्रयोग कर रहे हों, तो ऐसे टॉनिक की शीशियां व डिब्बे घर की पूर्व दिशा में बनी आलमारियों में रखें और किसी बीमारी से संबंधित दवाइयों को दक्षिण या पश्चिम में रखें।
- भोजन पूर्व की तरफ मुंह करके ही बनाएं। यह सेहत के लिए उत्तम और सुखदायी होता है। रसोईघर आग्नेय कोण में ही बनाएं। रसोईघर की व्यवस्था उत्तर-पूर्व में न करें। यह धन और स्वास्थ्य को नुकसान पहुंचाता है। ज्वलनशील पदार्थों को भी दक्षिण-पूर्व में रखें।
- रसोईघर की दीवारों का रंग हल्का पीला, नारंगी या हल्का लाल रखें। जिससे भोजन सुपाच्य होकर भूख बढ़ाने में सहायक साबित होगा। जब एक साथ मिलकर सभी खाना खा रहे हों, तो घर के मुखिया का मुंह पूर्व में तथा अन्य सदस्यों का मुंह उत्तर या पश्चिम में होना चाहिए। दक्षिणामुख कभी नहीं बैठें। इससे पाचन क्रिया ठीक रहती है। हाथ आदि साफ कर प्रसन्नतापूर्वक खाने से आरोग्यता बढ़ती है।

गोमेद
एक खूबसूरत रत्न
जीवन को भी बना देता है सुंदर

ज्योतिष विज्ञान में गोमेद को एक खूबसूरत रत्न माना गया है, जो जीवन को सुंदर बना देता है। गोमेद सबसे लाभदायक रत्नों में से एक माना गया है। गोमेद राहु ग्रह से संबंधित रत्न माना गया है। ज्योतिष शास्त्र में राहु को पाप ग्रह माना जाता है अतः ज्योतिषाचार्यों द्वारा राहु के दुष्प्रभावों को समाप्त करने के लिए गोमेद रत्न धारण करने की सलाह दी जाती है। ध्यान रखने योग्य यह है कि गोमेद के साथ माणिक्य, मूंगा और पुखराज नहीं पहनना चाहिए।

यह रत्न जहां रुके कार्यों पूर्ण करने का कार्य करता हैं, वहीं जीवन के हर क्षेत्र में सफलता देता है। ज्योतिषियों की मानें तो जन्म कुंडली की दशाओं को जानकर ही इस रत्न को धारण करना उचित रहता है। इतना ही नहीं गोमेद ब्लड कैंसर, कम सुनाई देना, आंखों तथा जोड़ों के दर्द जैसी बीमारियों से भी निजात दिलाता है। गोमेद एक चमकदार और अपारदर्शी रत्न है। यह गहरे भूरे अथवा लाल रंग की तरह होता है। इसे गारनेट समूह का रत्न माना जाता है। यह दुनिया में कई स्थानों पर पाया जाता है। गोमेद मुख्य रूप से यह भारत, श्रीलंका और ब्राजील में आसानी से मिल जाता है तथा साउथ अफ्रीका, थाईलैंड और ऑस्ट्रेलिया में भी यह रत्न पाया जाता है। राहु ग्रह से संबंधित इस रत्न को हिन्दी में गोमेद और अंग्रेजी में हैसोनाइट स्टोन कहते हैं। गोमेद रत्न 6 रत्ती से कम का धारण नहीं करना चाहिए। यह रत्न शनि की होरा में शुक्ल पक्ष के किसी भी शनिवार को पहनना अतिशुभ माना गया है। यदि शनिवार के दिन शतभिषा, स्वाती या आर्द्रा नक्षत्र में इसे धारण किया जाए तो गोमेद की शुभता अधिक बढ़ जाती है।

रत्न धारण करने की विधि

गोमेद रत्न की अंगूठी को सबसे पहले गंगा जल, दूध, शहद और मिश्री के घोल में डालकर एक रात उसमें ही रहने दें। तत्पश्चात ऊँ रां राहवे नमः मंत्र का 108 बार जाप करके कनिष्का में धारण करना चाहिए।

किस अंगुली में धारण करें

इसे चांदी या अष्टधातु की अंगूठी में जड़वा कर पहनना उचित रहता है। राहु का रत्न गोमेद को कनिष्का ऊंगली में पहनना चाहिए, क्योंकि मिथुन राशि में उच्च का होने से बुध की अंगुली कनिष्का में पहनना शुभ फलदायी रहता है। यह राहु के अशुभ प्रभाव को दूर करता है। गोमेद धारण करने से राहु की दशा-महादशा को दुष्प्रभावों से निजात मिलती है। यह रत्न शत्रुओं पर विजय दिलाने वाला भी माना जाता है, इतना ही नहीं इसे धारण करने से सकारात्मक विचार, एकाग्रता और आत्मविश्वास भी बढ़ता है।

कौन धारण करें

इसे राजनीतिज्ञ, जासूसी, जुआ, सट्टा खेलने वाले तथा तंत्र या मंत्र विद्या से जुड़े व्यक्ति पहनते हैं। कौन ना पहने ये रत्न- जिस व्यक्ति की कुंडली में राहु 5वें, 8वें 9वें 11वें या 12वें स्थान पर हो उन्हें गोमेद धारण नहीं करना चाहिए। इससे नुकसान होने की संभावना बढ़ जाती है तथा जिनका व्यापार-व्यवसाय राहु ग्रह से संबंधित हो उन्हें भी यह रत्न नहीं पहनना चाहिए।

पीतल का शेर देगा आपको आत्मविश्वास...

घर का सामान आपके जीवन, धन-संपत्ति और खुशहाली के साथ-साथ आपके व्यक्तित्व पर भी गहरा प्रभाव डालता है। वास्तुशास्त्र के कुछ मौलिक सिद्धांत तो लगभग सभी लोगों को मालूम होते भी हैं, मसलन दक्षिण दिशा में मुख्य द्वार नहीं बनाना चाहिए, उत्तर दिशा में तिजोरी रखना और घर में गंदगी इकट्ठी ना होने देना...वगैरह-वगैरह।

लेकिन कुछ वास्तु टिप्स ऐसे होते हैं, जो आपके व्यक्तित्व पर भी बहुत गहर असर छोड़ते हैं। अगर आप उदास रहते हैं या फिर आपको लगता है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण आप अपने उद्देश्य को प्राप्त नहीं कर पा रहे हैं या आपको अन्य लोगों के समक्ष अपनी बात रखने में हिचक होती है तो हम आपको एक ऐसा वास्तु उपाय बताने जा रहे हैं जो आपके लिए बेहद कारगर सिद्ध हो सकता है। पीतल धातु से बना शेर, ना सिर्फ आपके घर की शोभा को बढ़ाता है बल्कि आपके भीतर छिपी हीन भावना या आत्मविश्वास की कमी को भी समाप्त करता है।

वास्तुशास्त्र के विशेषज्ञों के अनुसार अगर पीतल धातु से बने शेर को घर की पूर्वी दिशा में स्थापित करते हैं तो यह आपके सेल्फ कॉफिडेंस में गजब का उछाल लाता है। बस एक बात का ध्यान रखें कि जब आप शेर को अपने घर में स्थापित करें तो उसका मुख घर के केन्द्र में होना चाहिए।

ग्राउंड जीरो में बीएसएफ कमांडर बनेंगे इमरान हाशमी

बॉलीवुड में अपनी अलग पहचान रखने वाले मशहूर एक्टर इमरान हाशमी अपनी आने वाली फिल्म में एक बीएसएफ कमांडर का किरदार निभाएंगे। फिल्म का नाम ग्राउड जीरो है। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने जब से फिल्म ग्राउंड जीरो का एलान किया है तब से ही फिल्म ने दर्शकों का ध्यान खींचा है। यह फिल्म देश के लिए बलिदान और राष्ट्र की रक्षा करने वालों पर आधारित होगी। एक्सेल एंटरटेनमेंट ने अब फिल्म का पोस्टर जारी किया है। पोस्टर में इमरान हाशमी नजर आ रहे हैं।

कब रिलीज होगी ग्राउंड जीरो?

एक्सेल इंटरटेनमेंट ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म इंस्टाग्राम पर एक पोस्ट शेयर किया है। यह पोस्टर ग्राउंट जीरो का है। इसमें इमरान हाशमी को पीछे की तरफ से दिखाया गया है। इमरान हाश्मी ने टी-शर्ट पहनी हुई है और हाथ में बंदूक ले रखी है। पोस्टर में इमरान हाशमी काफी जोशीले नजर आ रहे हैं। पोस्टर के कैप्शन में लिखा है एक मिशन की अनकही कहानी जिसने कश्मीर को हमेशा के लिए बदल दिया। इसमें आगे लिखा है कि ये फिल्म 25 अप्रैल को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

ग्राउंड जीरो की कहानी

ग्राउंड जीरो के नए पोस्टर में लिखा है तुझे लाई यहां तेरी मौत फौज, कश्मीर का बदला लेगा गाजी। ग्राउंट जीरो फिल्म में इमरान हाशमी बीएसएफ के डिप्टी कमांडेंट नरेंद्र नाथ दुबे की भूमिका में होंगे। फिल्म की कहानी के मुताबिक वह दो साल तक राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए खतरे की जांच करेंगे। ग्राउंड जीरो में मनोरंजक कहानी के साथ एक्शन भी है। फिल्म में इमरान हाश्मी के अलावा साई तमहांकर और मुकेश तिवारी भी हैं।

इमरान हाशमी ने लोगों के साथ मनाया था जन्मदिन

आपको बता दें कि इमरान हाशमी ने 24 मार्च को अपने फैंस और पैपराजी के साथ अपना जन्मदिन मनाया था। उन्होंने इसी दिन अपनी फिल्म आवारापन के दूसरे पार्ट आवारापन 2 का एलान किया था। इमरान हाश्मी ने अपनी सोशल मीडिया प्रोफाइल पर एक वीडियो शेयर करते हुए ये भी बताया था कि ये फिल्म तीन अप्रैल 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

जैसा काम करना चाहती हूं, वैसा मिलता नहीं, पर लोग मुझे भूले नहीं हैं

अपनी पहली ही फिल्म हजारों ख्वाहिशें ऐसी में गीता राव के किरदार से लोगों का दिल जीतने वाली एक्ट्रेस चित्रांगदा सिंह स्क्रीन पर काफी कम नजर आती हैं। चित्रांगदा इसकी वजह मनमाफिक फिल्में ना मिलना बताती हैं। इन दिनों वह अपनी डेब्यू वेब सीरीज खाकी - द बंगाल चैप्टर को लेकर चर्चा में हैं।

आपके चाहने वालों को शिकायत है कि आप काफी कम काम करती हैं। ऐसा क्यों?

हां, मेरा काम थोड़ा काम है। मैं ये मानती हूं कि अभी तक का मेरा बॉडी ऑफ वर्क इतना ज्यादा नहीं है, लेकिन फिर भी दर्शकों ने मुझे याद रखा है। वे अभी तक मुझे भूले नहीं हैं। ऐसा नहीं है कि मैं काम करना नहीं चाहती हूं या ऐसा सोचकर चलती हूं कि कम काम करना है, मगर अच्छा काम या जो काम मैं करना चाहती हूं, वो मिलता नहीं है और जो नहीं करना चाहती हूं, वैसा ही काम आता है। वो होता है ना कि जो आप नहीं करना चाहते, वही ज्यादा आता है। लेकिन अभी मेरी दो और फिल्में (हाउसफुल 5 और रात अकेली है 2) आएंगी तो प्लीज उन फिल्मों को देखिए और मुझे सपोर्ट कीजिए,क्योंकि थोड़ा अभी काम आ रहा है तो अब आप मुझे ज्यादा देखेंगे। शुरुआत खाकी- द बंगाल चैप्टर से हुई है, जो मेरी डेब्यू सीरीज है।

आपने फिल्म सूरमा से फिल्म निर्माण में भी कदम रखा था। उस ओर आगे क्या कर रही हैं? खुद के लिए कोई फिल्म नहीं बना रहीं?

सूरमा के बाद हम अभी एक और बायॉपिक पर काम कर रहे हैं। इसके अलावा, एक वेब सीरीज भी प्रड्यूस कर रही हूं, जो मैंने लिखी भी है तो उसे लेकर भी मैं बहुत एक्साइटेड हूं। इनमें से एक प्रोजेक्ट में मैं हूं, जबकि दूसरे में मैं फिट नहीं होती हूं।

सीरीज में आप बदलाव के लिए लड़ने वाली लीडर के किरदार में हैं, जिसने हजारों ख्वाहिशें ऐसी की गीता राव की याद ताजा करा दी। शो करते हुए आपको भी ऐसा महसूस हुआ?

बिल्कुल, मुझे सच में लगता है कि गीता राव अगर आज होती तो वहीं होती, जहां पर इस सीरीज का मेरा किरदार निवेदिता है। वह भी कॉलेज के दिनों में राजनीतिक चीजों में इन्वॉल्व थी। एक आदर्शवादी समाज के सपने के लिए सवाल खड़े करना, प्रोटेस्ट करना और बेहतर कल के लिए लड़ना, ये चीजों दोनों में हैं। फिर जो लुक था, कॉटन साड़ी और जब मैंने अपने बाल बांधे तो मुझे लगा कि ओह गॉड, अभी लगभग बीस साल हो गए हैं, मगर दोनों में कितनी समानता है, तो निश्चित तौर पर इसमें मुझे गीता राव की झलक दिखी।

पॉलिटिकल किरदारों में आप हमेशा जंची हैं। किसी रियल लाइफ नेता की बायॉपिक करना चाहेंगी?

रियल लाइफ नेता तो नहीं, मगर सुचित्रा सेन की जो फिल्म है आंधी, अगर उसका रीमेक हो, तो वो जरूर करना चाहूंगी। उन्होंने इतनी खूबसूरती से वो किरदार निभाया है, वो इतनी कमाल की ऐक्ट्रेस हैं और यह सिर्फ राजनीतिक किरदार निभाने की बात नहीं है, उसकी निजी जिंदगी में भी जो चीजें होती हैं, मतलब वो मर्दों की दुनिया में एक औरत की जंग वाली बात है। ऐसा अगर कुछ किरदार हो तो जरूर करना चाहूंगी।

खाकी की बात करें, तो आपका पसंदीदा ऑनस्क्रीन खाकी वाला किरदार कौन सा है?

दबंग चुलबुल पांडे, वह बहुत ही एंटरटेनिंग पुलिसवाले हैं। मैं दिल्ली से हूं। मैंने मेरठ में वक्त बिताया है, पढ़ाई-लिखाई की है, तो यूपी का जो करेक्ट फ्लेवर उन्होंने पकड़ा था, वो बहुत कमाल था।

सीरीज में आपका किरदार निवेदिता एक मजबूत महिला है, मगर एक मौके पर वह कमजोर भी पड़ती है। आपकी जिंदगी का सबसे मजबूत और कमजोर पल कौन सा रहा?

कमजोर पल वही होता है, जो परिवार से जुड़ा होता है। फैमिली को लेकर आप बहुत भावुक होते हैं, तो जब उसमें कुछ गलत होता है तो बहुत गहरा असर पड़ता है और वह असर बहुत समय तक रहता है। वह आपको तोड़ देता है। वहीं, मजबूत पल वही रहा, जब उस चीज से बाहर निकलकर आई। वो जरूरी भी है क्योंकि जब भी आप टूटते हैं, तो उस दौर से और ज्यादा मजबूत होकर उभरते हैं।

साउथ में क्यों नहीं चल पाती बॉलीवुड की फिल्में? सलमान ने बताई ये वजह

सलमान खान अपनी फिल्म 'सिकंदर' के प्रमोशन में व्यस्त हैं। इस बीच अभिनेता ने मीडिया से बॉलीवुड और दक्षिण भारतीय फिल्मों पर खुलकर बात की। इस बातचीत में सलमान ने साउथ के कलाकारों के बॉलीवुड में प्रदर्शन और बॉलीवुड की फिल्मों के साउथ में प्रदर्शन पर बेबाकी से अपनी राय रखी। उन्होंने साउथ इंडस्ट्री में बॉलीवुड फिल्मों की चुनौतियों और बजट पर भी बात की।

बॉलीवुड की फिल्मों को दक्षिण में करना पड़ता है संघर्ष

अभिनेता से जब साउथ मार्केट में बॉलीवुड फिल्मों के प्रदर्शन के बारे में पूछा गया तो उन्होंने स्वीकार किया कि उनकी फिल्मों को वहां लोकप्रियता के मामले में कठिन संघर्ष का सामना करना पड़ता है। सलमान ने कहा, दक्षिण में फैंस की संख्या मजबूत है। हालांकि, मुझे प्रशंसकों से अपार प्यार मिलता है, लेकिन जब मेरी फिल्में वहां रिलीज होती हैं तो यह हमेशा बॉक्स-ऑफिस पर सफलता में तब्दील नहीं होती है।

बॉलीवुड फिल्में साउथ में क्यों नहीं कर पाती अच्छा प्रदर्शन?

सलमान खान ने बॉलीवुड में दक्षिण भारतीय फिल्मों के और बॉलीवुड फिल्मों के दक्षिण भारतीय इंडस्ट्री में प्रदर्शन के बीच अंतर के बारे में भी बात की। उन्होंने कहा, रजनीकांत, चिरंजीवी, सूर्या और अन्य दक्षिण भारतीय सितारों को बॉलीवुड में बहुत ज्यादा फैंस मिले हैं और हम उनकी फिल्में देखने जाते हैं, लेकिन हमेशा उल्टा नहीं होता है। सलमान ने कहा कि जितना प्यार दक्षिण भारतीय फिल्मों को हिंदी पट्टी में मिलता है उसकी तुलना में बॉलीवुड की फिल्मों को नहीं मिलता और बॉक्स ऑफिस नंबर हासिल करने के लिए उन्हें संघर्ष करना पड़ता है।

बड़ी बजट की फिल्मों की आलोचना की

सलमान ने पैन इंडिया फिल्मों की बढ़ती प्रमुखता और इन फिल्मों के बजट पर भी बात की। उन्होंने कहानी और बजट को महत्वपूर्ण बताया। सलमान ने कहा, पुष्पा और उसके जैसी फिल्में दिखाती हैं कि कैसे एक क्षेत्र का सिनेमा पूरे भारत में लोकप्रिय हो सकता है। इस तरह के पैमाने पर फिल्में बनाने के लिए पर्याप्त बजट और एक ऐसी स्क्रिप्ट की जरूरत होती है जो सभी को पसंद आए। इस दौरान सलमान खान ने अपने ज्यादा बजट की फिल्मों की भी आलोचना की। उन्होंने कहा, हम अपने बजट के साथ पूरी तरह से गलत हो रहे हैं। एक बार जब हम इसे नियंत्रित कर लेंगे, तो सब ठीक हो जाएगा।

नेपोटिज्म पर बोले?

इस बातचीत के दौरान सलमान खान ने बॉलीवुड में नेपोटिज्म पर भी अपनी राय रखी। उन्होंने कहा कि सेल्फ मेड जैसी कोई चीज नहीं होती। अभिनेता ने कहा, नेपोटिज्म हमेशा से इंडस्ट्री में रहा है। लोग नेपोटिज्म की आलोचना करते हैं, लेकिन अगर आप गौर करें तो पाएंगे कि हर किसी के किसी न किसी रूप में कनेक्शन होते हैं। इन मुद्दों के अलावा भी सलमान खान ने अपने निजी जीवन और अन्य विषयों पर भी चर्चा की।

द भूतनी में नफ़रत और प्यार दोनों से रुबरु कराएंगी मौनी रॉय

मौनी रॉय इस अप्रैल आपको डराने के लिए पूरी तरह तैयार हैं! उनकी अगली बड़ी फिल्म द भूतनी 18 अप्रैल को रिलीज़ होगी, जो उनकी सबसे बहुप्रतीक्षित फ़िल्मों में से एक है। हॉरर-कॉमेडी में मौनी ने संजय दत्त, सनी सिंह, पलक तिवारी और आसिफ खान जैसे नामों सहित बहुत ही प्रतिभाशाली कलाकारों के साथ स्क्रीन स्पेस साझा करती नजर आएंगी। इसके अलावा, यह फिल्म डिजिटल क्रिएटर बेयूनिक की बॉलीवुड में डेब्यू भी करेगी। फ़िल्म के निर्माताओं ने महाशिवरात्रि के शुभ अवसर पर फ़िल्म के टाइटल का अनावरण किया था, जिसके साथ एक छोटा सा टीज़र भी जारी किया गया था, जो काफी डरावनी थी! और अब, निर्माताओं ने फ़िल्म से मौनी का लुक भी जारी कर दिया है। उनके पहले लुक के पोस्टर में वह हरे रंग की पोशाक में नज़र आ रही हैं, जिसमें और भी अधिक आकर्षक हरी आँखें हैं। उनके किरदार का नाम मोहब्बत है, लेकिन पोस्टर के साथ लिखा गया टैगलाइन—प्यार या प्रलय आपको सिहरन पैदा कर देगी। मौनी का लुक आपको उनकी खूबसूरती से मंत्रमुग्ध कर देगा, लेकिन साथ ही उनके किरदार से डर भी लगेगा। मौनी को फिल्म द भूतनी के लिए तब से ही काफी सराहना मिल रही है जब से फिल्म का पहला लुक जारी हुआ है। उन्हें अलग-अलग तरह के किरदार निभाने और जोखिम उठाने के लिए नेटिज़न्स द्वारा भी सराहा जा रहा है। द भूतनी की रिलीज़ के बाद, अभिनेत्री अगली बार खुदा हाफ़िज़ के निर्देशक फ़ारूक कबीर के साथ सलाकार में नज़र आएंगी। फिल्म में उनकी भूमिका के बारे में विस्तृत जानकारी गुप्त रखी जा रही है। ऐसा लगता है कि हमें मौनी द्वारा खुद इसकी घोषणा करने का इंतज़ार करना होगा।

साउथ सिनेमा से इंप्रेस सनी देओल, ये बॉलीवुड एक्टर भी कर चुके हैं दक्षिण भारतीय फिल्मों में अभिनय

अभिनेता सनी देओल की फिल्म 'जाट' जल्द रिलीज होगी। इस फिल्म के निर्देशक गोपीचंद मालिनेनी है। वह दक्षिण भारतीय फिल्ममेकर हैं। निर्देशक के साथ फिल्म में काम करके सनी देओल काफी प्रभावित हैं। सनी देओल ने तो दक्षिण भारत में जाकर बसने का मन भी बनाया है। वह दक्षिण भारतीय निर्देशकों के साथ आगे भी काम करने की इच्छा जता चुके हैं।

सनी देओल ही नहीं कई और बॉलीवुड कलाकार साउथ फिल्म इंडस्ट्री का रूख कर चुके हैं। जानिए, ऐसे ही कुछ बॉलीवुड एक्टर्स के बारे में जिन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में दमदार किरदार निभाए हैं।

बॉबी देओल

सनी देओल के भाई बॉबी देओल ने साल 2024 में दक्षिण भारतीय फिल्म 'कंगुवा' में विलेन की भूमिका निभाई थी। फिल्म में मुख्य भूमिका में सूर्या नजर आए थे। फिल्म की कहानी में बॉबी और सूर्या ने योद्धाओं की भूमिका की। इस फिल्म के निर्देशक शिवा थे। इसी के साथ बॉबी कोली निर्देशित दक्षिण भारतीय फिल्म 'डाकू महाराज(2025)' में भी बॉबी देओल नजर आए थे।

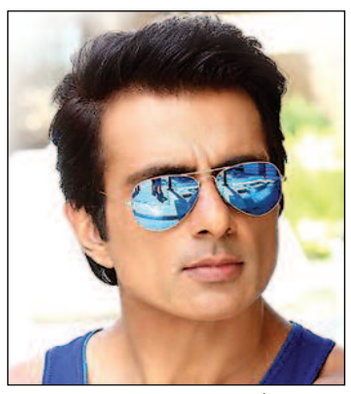

सोनू सूद

अभिनेता सोनू सूद ने कई दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम किया है। लेकिन उनकी सबसे चर्चित फिल्म 'अरुंधति (2009)' थी। फिल्म में अनुष्का शेट्टी मुख्य भूमिका में नजर आईं। इस फिल्म में सोन सूद ने विलेन की भूमिका निभाई। वह एक प्रेत की भूमिका में थे। इस फिल्म के निर्देशक कोडी रामकृष्ण हैं।

विवेक ओबेरॉय

जब विवेक ओबेरॉय का करियर बॉलीवुड में ठीक नहीं चल रहा था तो उन्होंने दक्षिण भारतीय फिल्मों में काम करना शुरू किया। विवेक ने कई साउथ की फिल्मों में नेगेटिव रोल किए। इन फिल्मों में 'विवेगम', 'लूसिफेर' और 'रुस्तम' जैसी फिल्में शामिल हैं। शिवा निर्देशित फिल्म 'विवेगम(2017)' में विवेक ने विलेन का रोल किया। इसमें मुख्य भूमिका में दक्षिण भारतीय अभिनेता अजीत नजर आए। इस फिल्म से विवेक दक्षिण भारतीय फिल्म इंडस्ट्री और दर्शकों के बीच काफी मशहूर हो गए।

संजय दत्त

संजय दत्त ने साल 2023 में एक तमिल फिल्म 'लीयो' की थी। इसमें विजय हीरो के रोल में दिखे। फिल्म को लोकेश कनगराज ने निर्देशित किया। इस एक्शन थ्रिलर फिल्म में संजय दत्त को काफी पसंद किया गया। वह अपने अभिनय से दक्षिण भारतीय दर्शकों को प्रभावित करने में सफल हुए।

दैनिक फ्यूचर लाइन टाईम्स के स्वामी फ्यूचर लाइन ट्रस्ट और संपादक ओमवीर आर्य द्वारा पता वत्स ऑफसेट मुद्दा हाउस, ब्लॉक-सी, बरात घर, चौड़ा रघुनाथपुर, सेक्टर-22, नोएडा, जिला गौतमबुद्ध नगर से मुद्रित कराकर ग्राम व पोस्ट दुजाना, जनपद गौतमबुद्ध नगर से प्रकाशित किया। किसी भी वाद का निस्तारण जिला एवं सत्र न्यायालय गौतमबुद्ध नगर उत्तर प्रदेश में होगा। मोबाइल नंबर-9313452979 आर.एन.आई. नंबर -UPHIN/2022/87673